

सं 0 39]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 27, 1980 (आश्वन_. 5, 1902)

No. 39]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 27, 1980 (ASVINA 5, 1902)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III- खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक नेवा प्रायोग

नई विल्ली-110011, दिनाक 7 ग्रगस्त 1980

सं० ए० 12019/3/80-प्रशा० II—सिवव, संघ लोक सेवा भायोग द्वारा कु० के० बद्योपाध्याय, भ्रनुसन्धान सहायक (बंगला) तथा श्री एस० एल० बराडपांडे, श्रनुसन्धान सहायक (मराठी) को 5-8-80 के तीन माम की भ्रवधि के लिये भ्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भो पहले हो, ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में कनिष्ठ श्रनुसन्धान श्रिधकारी (भाषाएं) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाना है।

2. उपर्यक्त व्यक्तियों को नोट कर लेना वाहिए कि किनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (भाषाए) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इसका उन्हें कनिष्ठ 1—256 GI/80

अनुसन्धान अधिकारी (भाषाएं) के ग्रेड मे विलियन का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नही होगा।

> एस० बालचन्द्रन उप सचिव हुते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 23 श्रगस्त 1980

सं० ए० 32014/1/80-प्रशा० I—संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में निम्नलिखित वैयिन्तिक सहायकों (के० स० स्टें० स० का ग्रेड ग) को, जो इस समय स्टेंनोग्राफर ग्रेड ग के घयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, राष्ट्रपति द्वारा उन्हे उनके नामों के सामने निर्दिष्ट श्रविध के लिये अथवा ग्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः ग्रनन्तिम ग्रस्थाई श्रौर तदर्प श्राधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स० स्टे० से० का ग्रेड ख)

(10375)

के पद पर स्थानापम रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

ऋम नाम सं०	मत्रधि					
 श्री जितन्दर लाल श्री टी० श्रार शर्मा 	28-8-80 से 27-10-80 तह 21-8-80 से 20-10-80 तह					

2. उपर्युक्त व्यक्ति नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक महासक (कें के से स्टें से का ग्रेड ख) के पद पर उनकीं नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थाई ग्रीर तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर उन्हें के कि से स्टें से का ग्रेड ख में विलयन का ग्रंथवा उक्ते ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा। उनके नामों के सामने निर्दिष्ट ग्रवधि के लिये के कर से स्टें में का ग्रेड ख में तदर्थ नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशासनिक मुधार विभाग के ग्रनुमोदन से की गई है।

दिनांक 25 श्रगस्त 1980

सं० ए० 32014/3/79-प्रजा० I---संघ लोक सेवा भागोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थानापक वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) को, राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने उल्लिखित तारीख से भ्रथवां भागामी भावेगों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णत: अनंतिम, मस्थाई और सर्वर्थ भाधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर स्वानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

	4 17	رُيَّهِ الْمُعَامِينِ الْمُعَامِينِ الْمُعَامِينِ الْمُعَامِينِ الْمُعَامِينِ الْمُعَامِينِ الْمُعَامِينِ الْم
ক্ষ০	नाम	श्रवधि
सं०		

श्री जोगिन्दर सिंह 28-8-1980 से 27-10-1980 तक
 श्री भार० एल० ठाकुर 21-8-1980 से 20-10-1980 तक

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा० I— संघ लोक सेवा भ्रायोग की समसंख्यक भ्रधिसूचना दिनांक 27-11-1979, 11-1-80, 1-2-80 तथा 2-8-80 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थाई ग्रेड I ग्रधिकारी श्री बी० दास गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 3 जुलाई, 1980 से तीन मास की अतिरिक्त भ्रवींध के लिये भ्रयवा भ्रागमी श्रादेशों तक, जो भी पहुले हो, संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर के० स० से० के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियक्त किया जाता है।

एस० बालेंचेन्द्रेन, उप संचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निवेशालय

(विवेशी मुद्रा विनियमन मधिनियम)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० ए० 11/11/80—-निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन् प्रधिकारी, प्रपने पद ग्रहण करने की तारीखा है **प्रार्ट अ**गले प्रादेशों तक प्रवर्तन मधिकारी के पद पर स्थानीपक रूप मे नियुक्त किये जाते हैं।

तैनाती के स्थान और पवभार ग्रहण करने की तारीख उनके नाम के सामने दी गई है।

क∘सं∙ नाम	तैनाती स्थान	ाका पदभारग्रहण करनेकी तारीख'
 श्री टी॰ सी॰ मेंदीरती 	दिल्ली धौवा	5-5-80 पूर्वस्त्रि
2. श्री एस० के० बरिक	जयपुर	16-6-80 पूर्वाह्म
3. श्री एस० एन० चटर्जी	जयपुर	16-6-80 प्रक्रि
4. श्रीपी० बी० ठाकुर	बम्बई	7-5-80 पूर्वाह्र
5. श्री एस० के० चन्दोरकर	बम्बई	7-5-80 पूर्वाह्र
6. श्रीमोहिन्द्रसिंह	श्रीनगर	29-5-80 प्रक्रि
7. श्रीए० के० शर्मा	दिल्लीक्षेत्र	3-5-80 अपराह्म
		डी ० सी ० मण्ड स
	उप	निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय सतकर्ता श्रायोग

र्न्ह दिल्ली, विनाक 5 सितम्बर 1980

सं० 10 प्रार० ती० टी० 2—निदेशक, केन्द्रीय सतकर्ता प्रायोग एतद् द्वारा श्री के० एत० श्रह्ना, स्थाई सहायक को 30 ग्रगस्त, 1980 से 27 नवम्बर, 1980 तक या ग्रगले प्रादेश तक, जो भी पहलें हो, धींयोग में अनुभाग श्रीविकीरी स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल महक्कोन्ना श्रवर सचिव कृते निदेशक केन्द्रीय सतकर्ती आयोग

गृहं मैकालयें

का० एवं प्र० लु० विभाग

केन्द्रीय भ्रत्वेषंण ब्युरा

नई दिल्की, दिनांके 6 सिनीमंबीर 1980

संव पीव एकव/एसव-98/65-प्रशाव-5-श्री एसव सेन, पुलिस ऋधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 31 मंद्रे, 1980 के अपराह्म भें प्रति-निमुक्ति पर सिक्कीम सरकार को सींपी जाती हैं।

> की० ला० ग्रोबर प्रणासनिक ग्राधिक (री (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई विल्ली-110011, दिनांक 4 सितम्बर 1980 शुद्धिपत्र

सं० 11/1/80-प्रज्ञा०-1---दस कार्यालय की तारीख 6 ग्रगस्त, 1980 की समसंख्यक ग्रधिसूचना में ''श्री जे० के० बालकृष्णन निम्बयार" के नाम के स्थाम पर"श्री टी० के० बालकृष्णन निम्बयार" पढ़ा जाए।

मृष्ण चन्द्र सेठ, उप निदेशक

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० श्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 1 सितम्बर 1980

सं २ 20/80/ए/ई-1--- त्राधिनय निवृत्ति स्रायु प्राप्त कर, श्री सुनिल कुमार सेन गुप्ता, मौलिक एवं स्थाई सहायेक/ स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रफसर दिनोक 31-8-80 (स्थाराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> डी० पी० चक्रवर्ती ए० डी० जी० ओ०एफ०/प्रशासन **कृते** महानिदेशक, आर्डनेन्स फैस्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 22 ग्रगस्त 980

सं० 53/जी०/80—राष्ट्रपति महोधयः, निम्नेलिखितः अफसरों को स्थानापन्न अपर-महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां सदस्य के पद पर, उनके सामने दशियी गई तारीख से आगोमी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:—

- (1) श्रो जीव प्रारव नरसिम्हन् दिनांक 10 जुलाई 1980 स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सैलेंक्शन ग्रेड) स्तर-1
- (2) श्री जी ब हो अन्ता, स्थानापन्न महाप्रवन्धक (सैलेक्सन ग्रेड) स्तर-1 दिनांक 22 जुलाई, 1980

मं 54/जी ० / 80 — राष्ट्रपति, महोदय, निम्नलिखित भ्रफसरों को स्थानापक वरिष्ठ डी ए डी जी भ्रो एक ० प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दंगीयों गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:---

- (1) श्री एम॰ सिगराम, स्थाई उप-प्रबन्धक 1लीं भ्रप्नैल, 1980
- (2) श्री जी० खैंग, स्थाई उप-प्रवन्धक 1लीं ग्रर्प्रैल, 1980
- (3) श्री ए० के० बनर्जी, स्थाई डी ए डी जी 1लीं धप्रैल, 1980
- (4) श्री खी० ए० श्रीनिवासन, स्थाई उप-प्रबन्धक 1लीं श्रप्रैंज, 1980
- (5) श्री धार० एस० यादेव, स्थाईउप-प्रवन्धक 1ली श्रप्रैल, 1980
- (6) श्री एस० बी० शनमुगराज स्थाई उप-प्रबन्धक 28 श्रप्रैल, 1980
- (7) श्री ए० के० माथुर, स्थाई उप-प्रबन्धक 29 मर्प्रैल, 1980
- (8) श्री जे० घार० कालिया,स्थाई उप-प्रबन्धक 1लीं घ्रप्रैल, 1980
- (9) श्री टी० ग्रार० मोहनराव, स्थाई उप-प्रबन्धक 15 मई, 1980
- (10) श्री बी० कुमार स्वामी, स्थाई उप-प्रबन्धक 15 मई, 1980
- (11) श्री कें बों । सी । नायर, स्थाई उप-प्रवन्धक 16 जून, 1980
- (12) श्री एस० वी० दस्ता, स्थाई डी ए डी० जी० 16 जूम, 1980
- (13) श्री ए० सन्याल, स्थाई उप-प्रबन्धक 16 जून, 1980
- (14) श्री जोगिन्दर सिंह, स्थाई उप-प्रबन्धक 16 जून, 1980
- (15) श्रो के० राव चौधुरी,स्थाई उप-प्रबन्धक 1ली श्रप्रैल, 1980

सं० 55/जी०/80—राष्ट्रपति महोधय, निम्नलिखित भ्रकसरों को स्थानापन टी० एस० श्रो०/सहायक प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्णायी गई तारीख से, श्रागामी श्रादेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:—

- (1) श्री एन० के० नियोगी, स्थाई फोरमैन 2 री मई, 1980
- (2) श्री ब्रलोक कुमार घौष, स्थाना-पक्ष फोरमैन 6 मई, 1980
- (3) श्री डी० के० मित्रा, स्थाई फोर-मैन 1लीं मई, 1980
- (4) श्री एन॰ बसु, स्थाई फोरमैन 1ली मई, 1980

(5) श्री कें एस० विश्वनाथन्, स्थानापन फोरमैन 2 री मई, 1980

(6) श्री श्रार० बी० वैद्येश्वरन्, स्थानापन्न फोरमेन

1लीं मई, 1980

(7) श्रो के० जे० गौडके, स्थानापन्न फोरसैन

1लीं मई, 1980

(8) श्री एम० के० भासकरन्, स्थाना-पन्न फोरमैन

2री मई, 1980

दिनांक 2 सितम्बर 1980

सं० 57/80/जी०—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्रफसरों टी० एस० स्रो० सहायक प्रबन्धक के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायो गई तारीख से, पुष्टि करते हैं। श्रीमती शशी चतुर्वेदी,स्थानापन्न उप-

प्रबन्धक

9 मई, 1977

श्री जे० पी० शुक्ला, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक

(श्रवकाश प्राप्त)

ालीं जनवरी, 1976 बी० के० मेहता

सहायक महानिदेशक आर्डनैन्स फैक्टरियां

भारत सरकार टकसाल

कलकरता-88, दिनांक सितम्बर 1980

विज्ञ प्ति

मेमो सं०पी/526/6202 दियांक 2-6-1978—सेवा नियुक्ति पत्न सं० 1313-3 (एस०एस०ओ०)/2858 दिनौंक 23-2-77 में दी गई शतों के अनुसरण में में, श्री जी० आर० कहाते, टकसाल अधिकर्ता, एतत् द्वारा श्री हरिदयाल भौमिक (एस० एस०ओ०) को यह सूचित करता हूं कि इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन के पश्चात् एक महीने की अवधि समाप्त होने पर ही जनकी सेवा समाप्त होगी। इस प्रकाशन के द्वारा श्री भीमिक के ऊपर सेवा-समाप्ति की सूचना जारी की गयी समझी जाएगी।

स्वा० श्री जी०आर कहाते टकसाल अधिकर्ता भारत सरकार टकसाल

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियंति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1980 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्यापना)

सं० 6/594/60-प्रशासन/(राज)/5359—सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर, श्री जे० ई० लेख ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात के कार्यालय, अम्बई में 31-7-1980 के वोपहर बाद से नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/1206/77 प्रशासन (राज)/5362—सेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर, केन्द्रीय सिवालय सेवा के ग्रनुभाग ग्रिधकारी वर्ग के अधिकारी, श्री ग्रार० एल० बाक्षी ने 31-7-80 के दोपहर बाद से इस कार्याक्षय में नियंत्रक, ग्रायात-नियित के पद कार्य काभार छोड़ दिया।

> पी० सी० भटनागर उप-मुख्य नियंत्रक आयास-निर्यात इन्ते मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात

हथकरघा विकास भ्रायुक्त **कार्या**लय

नई दिल्ली, दिनांक 25 भगस्त 1980

सं० ए० 12025(1)/1/80-व्यवस्था-II(क)—राष्ट्र-पति, श्री ग्रोम प्रकाण को 22 मई, 1980 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक के लिये भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी में वस्त्र प्रौद्योगिकी के वरिष्ठ ग्रध्यापक के पद पर नियुक्त करते हैं।

मं० ए० 12025(1)/3/80-व्यवस्था- $II(\mathbf{m})$ —-राष्ट्र-पित, श्री विश्वनाथन राजेन्द्रन को 23 जून, 1980 के पूर्वाह्य के श्रागामी श्रादेशों तक के लिये बुनकर केवा केन्द्र कांचीपुरम में सहायक निदेशक ग्रेड I (डिजायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 श्रगस्त 1980

सं० ए० 32014/1/80 व्यवस्था -II(क)—हथकरणा विकास ध्रायुक्त बुनकर सेवा केन्द्र में स्थाई श्रधीक्षक श्री पी० नारायणन को एतद्द्वारा 20 अगस्त 1980 से ध्रागामी ध्रादेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, बम्बई में स्थानापन्न कृप से सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32014/1/80-व्यवस्था-II(क)— हथकरधा विकास ग्रायुक्त, बुनकर सेवा केन्द्र में स्थाई ग्रधीक्षक श्री एस० के० मित्रा को एतद्द्वारा 20 ग्रगस्त, 1980 से ग्रागामी ग्रादेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, वाराणसी में स्थाना-पन्न रूप से सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32014/1/80-व्यवस्था II(क)—हथकरघा विकास ग्रायुक्त, बुनकर सेवा केन्द्र में स्थाई ग्राघीक्षक श्री ग्रार० ग्रार० रेड्डी को एतद्द्वारा 20 ग्रगस्त, 1980 से ग्रागामी ग्रादेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, मदास में स्थानापन्न रूप में सहायक निदेशक ग्रेंड II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एन० पी० भेषाद्री, संयुक्त विकास श्रासुक्त

पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० प्र०-6 (247)(226)/76—स्याई सहायक निरोक्षण ग्रिधिकारी (धातु रसायन) ग्रौर निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म) के कार्यालय में स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (धातु रसायन) (भारतीय निरीक्षण सेवा, धातु रसायन शाखा ग्रुप ए० के ग्रेड I^I) श्री एच० ग्रनन्थपद्मनाभूलू निवर्तमान ग्रायु होने पर दिनांक 31 जुलाई, 1980 के श्रपराह्म से सरकारी मेशा से निवृत्त हो गये।

(प्रशासन ग्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1980

सं० प्र०-1/1(1144)/79—िनिरीक्षण निदेशक, मद्राम के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेंड I^I) श्री पाल जेबियर निवर्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31 जुलाई, 1980 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

कृष्ण किस्रोर, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान,

श्राकाणवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रगस्त 1980

सं० 3/124/60-एस० दो (खण्ड दो) — महा निदेशक, माकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० मार० सरकार, लेखाकार, माकाणवाणी, श्रगरतला को 6-8-80 (पूर्वाह्म) से प्रणा-सिनिक म्रधिकारी, भ्राकाणवाणी, भ्रगरतला के पद पर, तदर्थ म्राधार पर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 ग्रगस्त 1980

सं० 3/22/62-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री सी० के० शर्मा, लेखाकार, आकाशवाणी, जलन्धर को 22-8-80 (पूर्वाह्म) से प्रशासनिक श्रधिकारी, श्राकाशवाणी, जलन्धर के पद पर, तदर्थ आधार पर, स्थाना-पक्ष रूप में नियुक्त करते हैं।

. एस० वो० शेषाद्वि) प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक नई दिल्ली, विनांक 30 प्रगस्त 1980

सं० 10/37/79-एस० तीन— महानिदेशक, भ्राकाशवाणी, श्री जी० वेंकटेश्वर रेड्डी को दिनांक 23-7-80 पूर्वाह्न से अगले भ्रादेशों तक टूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद में ग्रस्थाई श्राधार पर सहायक भ्राभियन्ता के पद पर निधुक्त करते हैं।

एच० एन० बिश्वास, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेणक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1980

सं० ए० 12026/21/80 (एच० नयू०)/प्रशासन-I— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के वरिष्ठ वास्तु-सहायक श्री पी० एन० चैल को 21 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक उसी निदेशालय में सहायक वास्तुविद के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुवत किया है।

दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 17-17/7.4-प्रशासन-1(भाग-2)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एस० श्रार० मेहता, स्वास्थ्य शिक्षा श्रधिकारो (क्षेत्रीय अध्ययन प्रवर्शन केन्द्र) केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली का सरकारी सेवा से इस्तीफा 8 श्रगस्त, 1980 श्रपराह्न के मंजूर कर लिया है।

णाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० ए.०-19011/2/80-स्टोर-I—राष्ट्रपति ने श्रीः प्रेम चन्द्र को 16 श्रगस्त, 1980 पूर्वाह्न से श्रागमी श्रावेशों तक सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो, बम्बई में फैक्ट्री प्रबन्धक के पद पर श्रस्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल, उप निदेशक प्रशासन (भण्डार)

भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक भाग)

बम्बई-400085, दिनांक 27 भ्रगस्त 1980

सं० के०/586/स्था०-II/4178—सिविल श्रिभयांतिकी प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग को स्थानान्तरित होने पर, स्थाई कार्मिक श्रीधकारी श्री एस० के० कपूर, इस धनुसन्धाम केन्द्र से दिनांक 4 ग्रास्त, 1980 पूर्वाह्न को ग्रापने पदभार से मुक्त हो गये हैं।

विमांक 29 प्रगस्त 1980

स० 5/1/80-स्था०-II/4236--नियंद्धक, भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र निम्नलिखित श्रधिकारियों को, तदर्थ सम से उन्तर्के नम्म के सामने श्रक्तित समयाविध के लिय स्थानापन्न प्रशासन श्रधिकारी-II/ सहायक कार्मिक श्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रमांक नामतथापदनाम		स्थानापन्नरूपमे नियुक्ति 🦯	समयवधि				
कम्।मः नाम तथा पदनाम	<u>.</u>			से		तक	
श्री	जे० श्रार० कणिक, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी	प्रशासन	ग्रधिकारी- ¹ ,ा	1-5-80	(पूर्वाह	7-6-80	(भ्रपराह्न)
: श्री	एस० के० कपूर, सहायक कार्मिक सहायक	प्रशासनः	प्रधिकारी- $\mathbf{l}_{\mathbf{I}}$	17-4-80	11	12-5-80	, , ,
श्री	के० एस० वचानी, सहायक	सहायकः	कार्मिक अधिकारी	1-5-80	,,	7-6-80	1)
श्री	जे० वी० नायक, सहायक	सहायकः	कार्मिकाश्रक्षिकारी	17-4-80	,,	13-6-80	"
श्रो	पी० बी० करन्दीकर, सहायक	सहायक व	क्रामिक श्रधिकारी	14-4-80	, ,	23-5-80	1)
શ્રી	एम० एन.० लोटखोकर, सहायक	सहायक व	क्षमिक प्रधिकारी	28-4-80	,,	7-6+80	7.)
	एल् बो॰ गावडे, सहायक	सहायन ह	र्गामिक श्रधिकारी	4-6-80	11	11-7-80	,,
श्रो	पी० बी० देसपाडे, सहासक	सहायक व	कार्मिक श्रधिकारी	1-5-80	7.1	31-7-80	* J
श्री	एस० स्नार० पिंगे, सलैक्शन ग्रेड लिपिक	सहायक	कार्मिक श्रधिकारी	9-6-80	,,	11-7-80	"

कु०एच० बी० विजयकर, उप स्थापना प्रधिकारी

परमाण ऊर्जा विभाग

क्रम और भंडार निद्वेग।लग

मुम्बई-400 001, दिनांक 27 भगस्य 1980

स० डी० पी० एस० ए० 11013/45/76-स्थापना14998—श्री रुबन फिलिप डिस्नूजा, स्थाई सहायक श्रीर
स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी को, उनका तबादला
विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई से होने पर,
कय श्रीर भण्डार निदेणालय, परमाणु ऊर्जा विभाग मे 18
ग्रामस्त, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रमले श्रदेण तक के लिये उसी
हैसियत में नियुक्त किया गया है।

के० पी० जोसफ, प्रमासन अधिकारी

(प्रसम्बर्ष खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 2 सिसम्बर 1980

सं० प ख प्र-8/7/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु ख्रिनिज प्रभाग के निवेणक एतद्द्रारा परमाणु ख्रिनिज प्रभाग के लेखाकार श्री कें ० इकाम्बरम को उसी प्रभाग मे श्री डी॰ एस० इसरानी, जिन्हें ट्रेनिंग के लिए भेजा गया था, के स्थान पर 7-7-80 से लेकर 11-8-1980 तक की प्रमिश्व के लिये पूर्णतया श्रस्थाई तौर पर स्थानापन्न महायक लेखा श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-8/1/80-भर्ती — परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खानिज प्रभाग के निदेशक एतद्हारा परमाणु खानिज प्रभाग के हिन्दी अनुवादक श्री सोम नाथ सचदेव को उसी प्रभाग मे श्री आरठ सुझहाणियन, जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 16-8-1980 से 20-9-80 तक की अविध के लिये पूर्णतया श्रस्थाई तौर पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० र!व, वरिष्ठ प्रशासनएवं लेखाभ्रधिकारी

तारापुर परमाण् बिजलीघर

डाकघर टी० ए० पी० पी०, दिनांक 30 श्रगस्त 1980

सं० टी० ए० पी० एस०/19(1)/76-म्रार०-मुख्य प्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिज़म्भियर, परमाणु ऊर्जा विश्वरण श्री के० गोणाल, लेखा ग्रिक्षिकारी-II, जिन्हे तवर्थ श्रीधार पर लेखा ग्रिक्षकारी-III के पद पर पवोत्रस किया गया है, के स्थान पर श्री जे० पी० खण्डेलबाल, इस बिजली घर में श्रम्माई सहायक लेखा श्रिक्षकारी को दिनाक 7 जून, 1980 (पूर्वाक्ष) से 8 जुलाई, 1980 तक के लिये ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनकम मे, इसी बिजलीघर में, तदर्थ ग्राधार पर लेखा श्रीधकारी-II नियुषत करते हैं।

गारामुर परमाणु बिजलीवर

ठाणे, 30 अगस्त 1980

मं० टी० ए० पी० एस०/1/19(1)/76-आर०---गजट श्रिधिसूचना दिनांक 18 अप्रैल, 1980 का श्रिधित्रमण करते हुए
मुख्य ग्रधीक्षक, तारापुर परमण्णु विजलीधर, परमाणु ऊर्जा
विभाग श्री जे० पी० खण्डेलवाल, इस बिजलीधर मे श्रस्थाई
सहायक लेखा श्रिष्ठकारी की दिनांक 11 अप्रैल, 1980 से
29 मई, 1980 (पूर्वाल) तक के लिये नदर्थ ग्राधार पर
लेखा श्रिष्ठकारी-11 नियुवत करते हैं।

सं० टी०ए०पी०एस०/1/19(1)/76-प्रार०—गजट ग्रेंधि-सूचना दिनांक 18 प्रप्रेंल, 1980 का ग्रधिक्रमण करते हुए मुख्य श्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीधर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री य० रा० वेलणकर, इस बिजलीधर मे प्रस्थाई सहायक लेखापाल को दिनांक 11 प्रप्रेंल, 1980 से 29 मई, 1980 (पूर्वाह्म) तक के लिये तदर्थ श्राधार पर सहायक लेखा श्रीधकारी नियक्त करते हैं।

मं० टी०ए०पी०एस०/19(1)/76-प्रार०—मुख्यं प्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री जें० पी० खण्डेलंबीस, सहीयेक लेखा ग्रधिकारी, जिन्हें तदथं ग्राधीर पर लेखा ग्रधिकारी-II के पद पर पर्योग्नेन किया गया है, के स्थाम पर श्री विश्वस्ति राभेचन्द्र वेलंगकर, इस बिजलीघर में ग्रेस्थाई सहायेक लेखापाल को दिनांक 7 जून, 1980 (पूर्वाह्म) से 8 जुलाई, 1980 संक के लिबे ४० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में, इसी बिजलीबर में, सदर्थ ग्राधार पर महायक लेखा ग्रधिकारी नियकत करते हैं।

द० **वि० मरक**ले, मुख्य प्रशासनिक श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 5 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013/7/80-ई०-1.—राष्ट्रपति, ने नागर विमानन विभाग के श्री जगदीश चद्र, क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र दिल्ली को क्षेत्रीय निदेशक बम्बई के पद पर दिनांक 16-8-80 से 6माह की श्रविध के लिये या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

मी० के० वत्स, सहायक निदेणक प्रणामन

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनाक 5 सितम्बर 1980

भं० 1.—निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को एतद्शारा जिला ग्रफीम ग्रिधिकारी/ग्रिधीक्षक (कार्यपालक) समृह "ख" के ग्रेड में क्पये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880 40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, प्रत्येक के

नाम के सीमने दशौंद्र गई तारीख से स्थानापण रूप में नियुक्तें जिया गया है:—

अरमाक नाम एवं पदनाम	जिस तारी आप से नियुक्ति कियेगये
सर्वश्री 1. राजेन्द्र पाल, ग्रधीक्षक (कार्यपालक), उप नारकोटिक्स आयुक्त कार्यालय	30-6-80
लखनऊ। 2. एस० बी० सिंह, जिला अफीम ग्रिधिकारी	28-6-80
रतलाम । 3. एस भार० र्तावर, जिला अकोम अधिकारी, झालावाड ।	18-8-80
क्षालावाकु। 4. डी० ग्रार० पीपलं ग्रेघौक्षंक (कार्यपंत्रलक) उप नारकीटिक्सं ग्रीयुक्तं कार्येलियं नीमच ।	16- 6-8 6

मदन मोहन भटनागर, नारकोटिक्स ग्रायुक्त,

विधि, त्याय एंच कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी प्रधिनियम 1956 श्रीर दयालवाग कान्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेड लिमिटेड (लिक्वी में) के विषय मे।

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1980

सं० 8888/1132-एल० सी०, कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि दयालबाग कग्न्स्ट्र-शान कम्पनी प्राइवेट लि० (लिक्बी में) का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी गई है।

कम्पनो श्रिधिनाम 1956 और बरेली बैंक लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1980

सं० 8900/51/एल० सी० — अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवभान पर बरेली बेंक लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण विशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आयेगा और उकत कम्पनी विघटित कर दी जायेगी!

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर उश्राव कार्माशयल बैंक लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० 9084/139-एल० मो०:—- ऋधिनियम 1956 की उपधारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सुबना दी जाती है कि इस तारीख से ॄतीन माह के अवसान पर उन्नाव कार्मणायल बैंक लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर दयालबाग प्राविजन स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड (लिक्बी० में) के विषय में।

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

सं० 9104/1125-एस० सी०--कम्पनी प्रधिनियम 1956 को उपधारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दयालबाग प्राविजन स्टोर्स प्राइवेट लि० (लिक्वी० में) का नाम प्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी गई है।

स्रो० पी० चड्डा, रजिस्ट्रार स्नाफ कम्पनी, यू०पी० कानपुर शिलांग, दिनांक 1 सिसम्बर, 1980

म० जी पी०/1648/560(5)—-कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्वारासूचनादी जाती है कि मैसर्सनार्थ ईस्ट मीरर पब्लि-केशन प्राक्ष्वेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० के० मट्टाचार्ज, कम्पनी का रजिस्ट्रार यू०पी०, कानपुर

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त लखनऊ, दिनांक 2 श्रगस्त 1980

सं० 99/78/तकनीकी—श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 226 श्रौर 229 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में तथा इस सम्बन्ध में मुझे प्राप्त श्रन्य सभी गिक्तयों का प्रयोग करते हुए मैं श्रायकर श्रायुक्त लखनऊ, अपने श्रधीनस्थ निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्धारण) की उक्त श्रधिनियम के प्रावधानों के श्रन्तगंत निर्धारितों से सन्देय कर ब्याज, जुर्माना, शास्ति वसूलने श्रयथा उसके द्वारा सन्देय श्रन्य किसी राणि की वसूली उक्त श्रायकर श्रधिनियम 1961 के तृतीय श्रनुसूची में विणित तरीकों से उसकी चलसम्पत्ति की कुकी श्रौर बिक्री द्वारा करने के लिये प्राधिकृत करता है।

धरनी धर, ग्रायकर भायुक्त

भारत सरकार

कायालिय, महायक अध्यकर अध्यक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, बंगलूर

बंगलर, दिनांक 10 मितम्बर 1980

निर्देण सं० नोटीस सं० 291/80-81—म्ब्रतः मुझे म्नार० थोथाती,

धायकर घिधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त घिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- हुक्त से घिछक है

श्रीर जिसकी सं एस सं 101,59,69 और 68 है, तथा जो मेलहुलवधी गांव, जागरा होबली, चिक्कमगलूर तातुक में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चिक्कमगलूर में रिजट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 26-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्दह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के घष्टीन कर देने के धन्तरक के शांशस्त्र में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के तिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती झारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अत्र, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बाधीन, निम्नलिखिन ब्यक्तियों, प्रशीत :----2—256 G1/80

- (1) एन० कुष्णास्वामी (2) श्री एन० मंजुनाथ (3) श्रीमती के०एन० सीथालक्षम्मा कांफी प्लांटर्स रत्नागिरी रोड, चिक्कमगलूर टाऊन के रहवामी है। (अन्तरक)
- (2) श्री रोनाल्ड रोजेरियों डिं'सौजा, मि० एफ० जे० डिं'सौजा के पुत्र कॉफी प्लांटर्स ग्रंजेलोर एस्टेट, ब्याराबल्ली श्रौर बागमाने गाव श्रवाथी होबली चिक्कमगलूर तातुक के रहवामीं हैं। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्थन के सम्बद्य में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील ये 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस मूचना के राजात में प्रकाशन की तारी कि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दीफरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीण पदों का, जो सकत मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1565/79-80 ता० 26-12-1979) कापी एस्टेट जिसका नाम है "विजय श्रौर चंद्रगिरी एस्टेट" जिसका सर्वे मं० 101, 59, 69 श्रौर 68, मेजरिंग 59 एकरें श्रौर 16 गुंठे, तथा जो, मेलहुलवथी गांव, जागरा होबली, चिक्कमगलूर नालुक में स्थित है।

> म्रार० थोथात्री सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 10-9-1980

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मर्छ 1980

निर्देश नं० एस०-189/प्रार्जेन क्षेत्र—ग्रातः मुझे, घ्रमर सिंह बिसेन,

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-र• से भिष्ठक है

स्रौर जिसकी सं० बी-1 है तथा जो गहानगर एक्सटेमन लखनऊ में स्थित है (स्रौर इससे उपाब अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 17-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अंतरकों) और प्रन्तिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से २०४ धन्तरण जिक्वित में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :--

- (ह) अतरण से दुई किसी आय की बाबत, उन्त अधि-विषम के घडीन कर दे के घन्तरक के बादिस्थ संकर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
 - (ख) ऐसी किसी काथ या किसी अने या प्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भार्थनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: क्षव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण कें, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत :---

- (1) श्री किशोरी लाल वत्स (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती डा० शिव प्रभा बैसवार (ग्रन्तरिती)
- (3) विकेता (वह व्यक्ति , जिसके **घ्रधिभोग** में सम्पत्ति है)
- (4) कोई नहीं (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता है।

इक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप ।--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा ककीं।

स्पष्टी तरण: --- इपमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्राथितियम के अध्याय 20-क में परिमालित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में वियो गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-1 लीज होल्ड पैमाइशी 12805 वर्गफुट (नौ बिस्त्रा म्राठ बिस्वान्सी तीन कंचवान्सी) स्थित महानगर इक्स्ट्रणन थाना महानगर लखनऊ व वह सारी सम्पति जो सेलडीड व फार्म 37 संख्या 7429 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 17-12-1979 को हो चुका है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण घर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक :12-5-1980

अज्ञयकर **अधिनियम; 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-व (1) के अधीन यूकना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ , दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं एच०-34/प्रर्जन--प्रत, मुझे श्रमरसिंह बिसेन अधिमियम, 1961 (1961 新 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अब ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,00 0/- र• से अधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान 35/55 पुराना (एस०20/54)नया है तथा जो स्थित दि माल वाराणसी में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबक्ष ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिर्स्ट्राकर्ता मधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास **अरने का कारम है** कि यवापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुरुष, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिपास का पग्रह प्रतिशत अधिक है चौर अन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधा उद्देश्य से उस्त भन्तरण लिखित में वास्वविक क्ष से कथिन निजी किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी बाय की वायत जन्म अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने ये सुविधा के लिए; औरं;या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली कारा प्रकट नहीं किया प्रया था था किया जाना जाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269न के पन्सरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-म की वपबारा (1) के अधीन निम्निस्तिकात व्यक्तियों, अर्थातः— (1) महारानी मुरिती टैंगोर, ट्स्टी टैंगोर राज बनारस डिबटर इस्टेट

(श्रन्तरक)

(1) मैं० होटल कल्कांस वाराणसी प्रा० लि०, वाराणसी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता है।

जनत सभ्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।→-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारी के 48 विन की धन्धि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के 30 दिन की अवधि, जो भी धन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीसर अवग स्थापर संपत्ति में दिवकत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकरों के पास निकार में किए जा सकेंगे।

स्पाककरण ---इसमें प्रयुक्त गर्थों धौर पढ़ों का, जो क्रम्य धाधिनयन के अक्याय 20-क में परिवाधिक हैं, नहीं धर्ष होगा, जो सस अक्याय में दिया गया है।

अ**नुसूच्नो**

कर्ल्कास होटेल नापमक भवन जो प्लाट नं० स्थित मोजा बड़ा गौव \mathbf{II} परगना देहात श्रमानन थाना वाराणसी कैन्ट म्यूनिसिपल नं० पुराना 35/55 (नया) 20/59 माल रोष्ट वाराणसी व वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी सं० 12285 में वर्णित है जिनका पंजीकरण 26-12-1979 को मुख्य उपनिबन्धक वाराणसी के कार्यालय में हो चुका है।

भ्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रॅंज, लखनऊ

दिनांक: 7-7-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश नं० टी-21/श्रर्जन—श्रतः मुझे, श्रमरसिंह बिसेन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रायति सञ्जन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिल्ला उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रशिक है

प्रधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या आरजी नं० 75/3,75/4 है तथा जो

मौजा कीदोपुर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध

प्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी

के कार्यालय रामनगर वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए श्रन्तरित को गई हैं श्रौर मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिशत अधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐन प्रस्तरण के लिए तप पाया गया प्रति-फन, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखिन **में** वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बायत, उका प्रधि-नियम के पंजी। कर देने के अन्तर के कायित्व में कमी करने या उसन बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीर प्रायकर ग्रांधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त प्रक्षिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निस्तिलखत स्यक्तियों, अर्थीत्--

- (1) श्रीमती सुरजीत कौर, सुरेन्द्र कौर (अन्तरक)
- (2) 1. श्री ठाकुर 2. प्रसाद मुक्तीनाथ, 3. उमाएंकरप्रसाद, 4. निर्मल कुमार, 5. शेषनाथ, 6. ग्रहण कुमार स्लामित्व (अन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवंधि या नरणन्कधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की श्रवंधि, जो भी मवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताझरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रभुवत शब्दों घीर पदों का, जो उकत अधितियम के अध्याय 20-क में परिष्मापित है, वही अर्थ होगा, जो उस ब्राह्माय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भाराजी नम्बर 75/4 रकबा $6\frac{1}{2}$ (साढ़े छ:) डि॰ व 75/3 रकबा 67 डि॰ योग दो गाट्टा कल रकबा $73\frac{1}{2}$ डि॰ जिसकी माल गुजारी पुराना 3/- रुपया 33 पैसा है और नयी माल गुजारी 20/- प्रति एकड़ है जो कि मौजा कोदोपुर परगना रामनगर जिला वाराणसी में स्थित है तथा वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जो संख्या 879 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार रामनगर वाराणसी के कार्यालय में विनांक 22-2-1980 को हो चुका है।

अभरसिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 7-7-1980

प्ररूप आह्र . टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देण सं० बी-90/म्रर्जन—म्रतः मुझे, ग्रमरसिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या मकान 12 पुराना (16 नया) है तथा जो मोहल्ला व्रिपोलिया इलाहाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 15-12-79

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्री मनीराम पाण्डया दवारा बसन्त राम मागर (मुख्तार)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती त्रिन्देशवरी देवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

मकान नम्बरी 12 पुराना (नया-16) वाकै मोहल्ला विपोलिया शहर इलाहाबाद रकबा 282.59 वर्गमीटर **व वर्ष** सारी सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37-जी सख्या 5338 में विणत है जिनका पंजीकरण सब रिजस्टार इलाहाबाद के कार्यालम में दिनांक 15-12-1979 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसे**न** सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 7-7-1980

प्रकल धाई• थी • एन • एस •-- --

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, म**दायक आयक्तर आयुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 भ्रगस्त ् 1980

निर्देश सं० एल-31/अर्जन—अतः मुझे, प्रमर सिंह विसेन धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षान प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मध्यति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जे-13/93 का भाग है तथा जो मो० चीकाघाट वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6-12-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूला से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के जिए प्रन्तित्त की गई है और पृश्च यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत धावक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए वय प्रयासया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर धावक लिए वय प्रयासया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर धावक लिख व

- (क) अन्तरण संहुई किसी धाथ की बाबत, उक्त अधिनिया के धार्योन कर देने के शम्सरक के दायिस्य में सभी करके या **उससे क्ष्मणे में सुविधा** के लिए, और/या
- (ल) एसा हिमा आय या किसी घत या प्रमण प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रापकर प्रधितियम, 1922 (1922का 11) या उन्त प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 2057 (1957का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया स्था जा जा किया करा चा ए था, जिपाने में सुविधा के लिए.

अतः धव, उक्त अधिनयम की आरा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. धर्णात्:—

- (1) मेसर्स जगत जीत काटन टैक्स्टाईल मिल्स लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमनी लिलितादेवी व डा० कृपाणंकर (भन्तरिकी)
- (3) विकेता (वह व्यक्ति, जिसके जिसके अधिभोग में सभ्यक्ति ही)

की यह सूचना कार्य करके प्विंश्ति हम्मस्य के **अजंन के** जिए कार्यवाहियां अस्ता हूं।

खनत सन्पति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी अ(क्षेप : - -

- (६) ६८ पूरना के राजपत्त में प्रकाशन की साफोख से 45 किए की मर्बाध या बत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूजना की लामील से 30 दिन की मबिब, जो भी सबाध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित कान्त्रियों में से किसी क्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस पूरना के राज क्ष में प्रकार की नारीख से 35 दिन के भीतर उका स्थाजर सम्पत्ति में द्वितयह भित्रे असा न्यांत्र हारा, प्रधोहरताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ध्यक्दोत्तर प--इनमें प्रयुक्त एक्जों और पर्योक्ता, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाशित हैं कड़ों एकं होगा जो उस प्रध्यार में दिया प्रया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति मकान मय भूमि नं जे-13/93 स्थित मो विकाधाट वाराणसी गहर का भाग तथा वह सारी सम्पत्ति जो फार्म 37-जी मं । 11474 तथा सेलडीड में विणत है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 6-12-79 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखन&

दिनांक: 26-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लक्षतक, दिनाक 1 मितम्बर 1980

निदेश सं० ग्राई०-12/अजंन--ग्रत मुझे, श्रमर मिह बिसेन नाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव भूमिघर है तथा जो मौजा मझोला, मुरादा-बाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित्र है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-12-1979

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिमी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .~~

- (क) अन्तरण से हुई अिसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिन्य में कमी करने या उससे बचने भे सिविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों की, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सरिया के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री राजकुमार मेहरा, दीपक मेहरा, दिनेश मेहरा। (श्रन्तरक)
- श्री ईण्यर चन्द्र भ्रयवाल, निर्मल कमार अग्रवाल, विजय कुमार भ्रयवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित मो हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

एक किता धेर पुछ्ता जसदर दरवाजा पुरव कष्ट्या मय
श्राराजी तादादी 2129 18 वर्गमीटर वाके मौजा मझौला
परगना व जिला मुरादाबाद तथा वह सारी सम्पत्ति जो फार्म
37-जी सज्या 5/1 क० 80 व सेलटीड मे वर्णित है जिसका
पजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्याल्य मे दिनाव
31-12-1979 को विया जा चुना है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

नागीय: 1-9-1980

मोहरः

त्रकृप आई० टी॰ एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-धा, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 31 जुलाई 1980

निर्देश सं० णि० आर० नं० 961 एक्वी०23/19-7/80-81-प्रत. मुझे, एस० एन० माँडल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सबाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० सिटी एस० वार्ड नं० 7, नोद नं० 117 ब 118 है तथा जा सूरत रेलबे स्टेशन के सामने, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप के विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, मूरत में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 27-12-1979

के प्रधीन तारीख 27-12-1979
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित जाजाए मूल्य से कम के पृथ्यमान
शित्त के लिये मनिदित को गई है और मुझे बह विश्वास करने
का कारण है कि ववापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृथ्यनान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफा का पृथ्य प्रतिशत
अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरित्वों)
के बाज ऐसे भन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिकान, निम्नलिक्ति
उद्देश्य में खब्स शन्तरण लिकित में वास्त्विक छव से कथित नहीं
किया गया है:--

- (क) अन्तरण में इंदे किसी श्राय की बाबत खबत ग्राध-नियम के अधीन कर दें। के श्रन्तरक के वायित्थ में कभी क ने या उत्तय उत्तने में मुविद्या के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी फिसी आय या किसी घन या ग्रम्य आस्तियों की, जिन, भी तीय अपके अधिनियम, 1922 (1922 का जी) है उन्हें अधिनियम, या धन कर अधिनियम, १९९७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती करण पाट नहीं किया नेपा था या किया जाना पहिलेश, अियाने में सुविधा के निष्;

मतः अब, उक्त मिश्रिनिया की घारा 269-प के अनुसरण में, में, अक्त मिश्रिनियय की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. (1) मनगुखलाल चुनीलाल;
 - (2) मशिकान्त मनमुखलाल;
 - (3) मनहरलाल मनसुखलाल :
 - (4) हसमुखलाल मनमुखलाल '
 - (5) राजेन्द्रा मनसुखनाल;
 - (6) दिनेशचन्द्रा मनसुखलाल;अम्बाजी रोड, चंचवा शेरी, सूरत ।
 - (7) प्राणजीवनदास नानाभाई;
 - (8) पुष्पकान्त नानाभाई;
 - (9) हममुख नानाभाई;
 - (10) सुरेशचन्द्रा नानाभाई;
 - (11) रमेशचन्द्रा नानाभाई;
 परिमिवाड, रानी तालाव, सूरत ।

(भन्तरक)

2. श्री रितलाल नरोत्तमदास, एच० नं० 4/4175, बेगमपुरा, ब्राह्मन शेरी, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलवड़ किसी भन्य स्थक्ति द्वारा, प्रश्लोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित ह, वही धर्य होगा, जो उस धड्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मिलकत जिसका नोंद नं० 117 व 118 पर सूरत रेलवे स्टेशन के सामने वार्ड नं० 7, सूरत में स्थित है। जो सूरत र जिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 27-12-79 पत्न नं० 5175 और 5207 रजिस्ट्री की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-∏, अहमदाकाद

नारीख: 31-7-1980

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायुलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 960 एक्वी० 23/II/ 80-81-- अतः मुझे, एस० एन० मॉंडल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एज. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 6, गांव कापडारा तह० घोरयासी है सथा जो कापडारा, ता० सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अकः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जर्मन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—-3.—-256GI/80 1. भ्रष्टयक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रभेश हरेजा-लाल भ्रषोट, डायरेक्टरश्री तुषार हरेज्य लाल श्रषोट, मग्रद ई वराचा रोड, सुरत ।

(ग्रन्तरक)

2. मै० एस के सिथैटिक टैंबस्टाइल फिरस, जुना हनुमान गली, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वोंकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- विषय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो कापाडारा गांव में सूरत जिला में स्थित है। जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 6 है। जो मृरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 13-12-79 में रजिस्ट्री की गई है।

> एस० एन० मीडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीखा: 28-7-1980

मोहरः

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269=च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, हमदाखाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

निर्देश सं० पि० श्रार० नं० 1098 एक्वी० 23/1/ 80-81—अत, मुझे, एस० एन० मौडल, आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्रिसे इसमें इनके पर्यान् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अवीत सकान प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-कु में अधिक है

र्मार जिसकी सं० एस० नं० 268 है तथा जो घाटलोडिया, जिला अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिवारी वे कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है भीर घन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर वैने के प्रकारक के दायित्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनो किसो आप पा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1924 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, श्रिपामें में सुविधा के लिए;

अतः कत्र, उक्त प्रजितियम की धारा 269-म के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रवितियम की धारा 269-म की **उपवारा (1)** के प्रधीन, निम्तिलिटिट व्यक्तियों, अर्चात्त ।---- श्री गंडालाल माधवलाल पटेल श्रीर दूसरे, 38, चैतन्य सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. वासोय पार्क कोग्रोप० हाउसिंग सोसायटी, ग्रवैतिनिक सचिव श्री एस० सी० नायक, एल-5, बी-20, शास्त्रीनगर कालोनी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवादिया करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्थेन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राष्यित्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्त्र-वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामाल से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति 21 दा;
- (ख) इस भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदन्ताक्ष री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रक्ष्ये तरगः --- इसमें प्रयुक्त गक्यों और वर्षों का, जो उन्न अधि-नियम के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में िया गया है ।

अनुसूची

जमीन जो एस० नं० 268 जिसका माप 131 89 वर्ग गज में घाटलोडिया, अहमदाबाद जिला में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 13348/ दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है। श्रथात् मिलकत संपूर्ण विणत है।

> एस० ए न० भाँडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 24-7-1980

प्रकप आई• टा॰ एन• एस•------

भायकर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाट

अरुमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

निर्देश सं० पि० फ्रार० नं० 1099 एक्वि०-23-I/80-81—-प्रतः मुझे, एस० एन० माडल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मझम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० स्ट्रीट नं० 26, चार्ट नं० 228, गली नं० 3 चार्ट नं० 1, है तथा जो फुलवाडी रोड़, जेतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है बोर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निविद्यंत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) धान्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-निधम के मधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविका के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अग्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घितियम, या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

भ्रतः अब, उन्त भिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में; में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थातः—

- 1. श्रो वगानान हानजिमाई चोटानवार, बावाबारी मोती बाजार, गोणडल राजकोड, (अन्तरक)
 - (2) 1. Shri Mathuradas Ramajibhai;
 2. Shrimati Kusumgauri Mathurdas;
 3. Shri Jatimflumar Mathuradas;
 Haherama Hatekrishna Printing Works;
 Fulwadi, Jetpur.
- 3. श्री हरणाद कुमार हरिलाल द्वारकावीण टैसटायल प्रिन्टिंग, फुलयाडी जेटपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेत :---

- (क) इस सूचना क राजनन में प्रकाशन को तारी व से 45 विन की धनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी धनिध बाद सें समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की वारीख छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताकारी के प्रस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों और पत्नें का, जो उक्त प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिकायित है, वही धर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जमीन पर जिसका माप 1979-4-0 वर्गगण पर सिटी सर्वे नं० स्ट्रीट नं० 26, चार्ट नं० 228, षिट नं० 35, चार्ट नं० 1, फुलवाडी जेटपुर में स्थित है जो जेटपुर रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 1628 तारीख 17-12-79 में रिजस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-I, अहमदाक्षाव

तारीखा: 24--7-1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

निर्देश सं० पि० ग्रार० नं० 1100/एक्थि०/23—1/80—81— अतः मुझे, एस० एन० मांडल, आयकर प्रधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त घिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है.

श्रोर जिसकी सं० एस० टि० षस स्टैन्ड के पास मकान, जमीन श्रोर कुश्रां साथ है तथा जो एस टि० बस स्टैन्ड-गाथाडा में स्थित है (श्रोर इससे उपाधाद श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1968 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-12- 1979 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिकल का पन्द्रह प्रतिश्वत से श्रधिक है थीर धन्तरक (अन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निमाणिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, धक्त प्रविनियम; के भधीन कर वेने के प्रश्वरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के क्षिए; भीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो कारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः शव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अवुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 मैं० रमनिकलाल गुलाबचन्द ग्रीर कं० के द्वारा 1 रमनिकलाल गुलाबचन्द, 2. कुशलचन्द गुलाबचन्द शाह, 3. चन्दन गौरी शान्तीलाल देलीवाला, (4) दलसुखभाई ग्रम्बाशकर रावल, 5. कलावती जयन्तीलाल देलीवाला, 6. नावल, चन्द सोमचन्द शाह, 7. शाह ग्रमीचन्द मानेकचन्द, गाधाडा-ता० बोटाड जिला भावनगर। (ग्रन्तरक)
- 2 सौराट्रा गांधीजी ग्रामोधार ट्रस्ट, रेलवे स्टेशन सामने गाथडा तालुका रोड़, जिला भावनगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किभी अन्य श्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिणाणित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस धध्याय में विया गया है।

असुसची

एक मकान जो जमीन पर जिसका माप 5808 वर्ग गज में एस० टी० बस स्टैन्ड के पासगाथाडा में स्थित है। जो बिक्री खत नं० 893 ता० 26-12-1979 में रजिस्ट्री की गयी है।

> एस० एन० मां**ड**ल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, **अह**मदाचाद

तारीख: 24-7-1980

मोहरः

प्रकप आई० टी• एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निर्देश सं० पि० श्रार० नं० 1101, एविव० नं० 23/1/80-81-श्रत मुझे, एस० एन० मांडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है

म्रोर जिसकी सं० 25-65-1-कालुपुर वार्ट-131- बं० है तथा जो मन्दावन वेसिंग सेन्टर में पानकोर नाका अहमदा-बाद में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर, 1979 को

16) क श्रधान, दिसम्बर, 1979 की
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल
के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है मौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, ६क्त अधिनियम के सधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अध्यया किसी धन या अन्य आहितयों को जिन्हे भारतीय भग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त श्रीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविखित व्यक्तियों, सर्वात्।——

- 1. (1) प्रभावतीबेन चिनु भाई
- (2) राजीव चिनुभाई, दोनों शाहीबाग में, अहमदाबाद । (न्ध्रन्तरक)
- 2 श्री रसिकलाल परषोत्तमदास, परषोत्तम चैम्बरस रतनपोल, हाथीखाना, अग्रहमदाबाद। (श्रन्तिर्वित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचल के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 जिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर समाति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा प्रश्लेषे

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उश्त अधि-रियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोप नं० 22 जो नीचे मंजिला पर, ब्रन्दावन सोपिंग संस्टर पानकोर नाका, भ्रहमदाबाद में सि० एस० नं० 25— 65—1—बि०—268.66 वर्ग गज में स्थित है जो ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में ब्रिकी खत नं० 3164—65/ दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजुंन रेंज-I, अहमवाबाद

तारीख: 29-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाव,

ग्रहमवाबाद, दिनांक 29 जुलाई, 1980 सं० पी श्रार० नं० 1102/एक्यी 23/1/80-81:—श्रतः मुझे एस० एन० माङल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सि० एस० नं० 2565 कानपुर वार्ड-।।।, है। तथा जो बन्दाबन वोपिंग सेनटर नं० 2565-1 पानकोर नाका श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-12-1979,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से सृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों मुध्तिः—

- (1) श्री जसुवावेन रमेशचन्द्रा 12, कलाबिहार सोसायटी, कानपुर 1, लाल बंगला _ सामने। ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जयन्तीलाल मनेकलाल 1, हाजपढेलस पोल-1 ग्रमतागुजारस खड़की 2, कालुपुर ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पोष नं० 19 जो नीचे के मजला, वृनक्षवन घोर्षिग सेन्दर, पानकोर नाका, ग्रहमवाबाद में सि एस नं० 2565-1 एस० सेनसस नं० 2565-1 विमें में सिथत है। जो अहमादाबद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खत नं० 12889 12-12-79 में रजिस्ट्री की गई है। ग्रर्थात् मिलकत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० माडल, सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अहदाबाद

तारीखा: 29-7-1980

मोहर '

प्रकप भाई० ही + एन • एस • ----

आयकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन पूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० पी० फ्रार० नं० 1103/एनबी 23/1/80-81;----फ्रतः मुझे एस० एन० माडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दै कि स्थावर संपत्ति, जिसका छवित बाजार मूल्य 25,000/- द • में अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० सि० एस० नं० 2565- पैकी, कालुपुर है। तथा जो वृत्दावन वापीग रानदर, बे वार्ड नं० 3 में 56, वानकोर साको, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिब नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-12-1979,

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के निए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यपार्थीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत स्रविक है और अन्तरक (सन्तरकों)और अन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण निर्मित विश्वास में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है 1--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपत अधि। नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कृषी करने या उससे बचने में शुविधा के सिए; और/या
- ख) ऐसी किसी आय या किसी धन ना अन्य बास्तियों की, जिन्हें प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धनकर प्रधितियम, या धनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, जिया में सुविद्या के लिए;

अतः अन, उन्त पश्चिमियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त पश्चिमियम की द्वारा 269-म की छप-धारा (1) के भ्रष्टीन निम्नलिखित व्यक्तियीं, अर्थात्:---

(1) श्री शालकुमार मनेकलाल शाह, दिवया जापोड 1, सोसनिक सोसैदी के पास। सेक्थिस लेडीस कालेज लैन पासे। ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री नरेन्नरा भाई कानतिलाल शाह। एम 811, सुजाता पलाट 1, षाईभाग 1, ग्रहमदाबाद । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पिल के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

अवत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दिसवद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षणी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

्त्यब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा, पो उस अध्याय में दिया पया है।

ग्रनुसूची

षप नं० ई० 2 न पु नं० 56 जो व्रनदाबन षोपीण सेन्दर में कानपुर वार्ड 3 बि० सी० एस नं० 2565-1 बि० पैकी पर पानकोर नाका श्रहमदाबाद में स्थित है। जो श्रहमदाबाद रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खत नं० 12464 /12-12-1979 में रिजस्ट्री की गई है।

एस० एम० माडल, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रॅज-I श्रहमदाबाद

विनोक 29-7-1980 मोहर:

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅन रेंज-I ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाँक 29 जुलाई 1980

सं० पी० श्रार० नं० 1104 एक्वी 23/J/80-81:---श्रतः मुझे, एस० एन० मण्डल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रापिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- और जिसकी सं० सि० एस० नं० 2565-1 बी पैकी हैं तथा जो वृन्दावन शापिंग सेन्टर, कालुपुर वार्ड नं० 3, पानकोर नाका 1, दुकान नं० 28/1, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि नम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिविक दृष्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से सुद्दं िकसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर प्रेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1 (1) प्रभावतीवेन चिन्भाईदोनो (2) राजीव चिन्भाई वोनो शाहीबाग 1, श्रहमवाबाद। (श्रन्तरक)
- 2 श्री महेश चेलाराम मोहनयानी 7/बी, डिलक्स ऐपार्टमेन्ट, पुराना शारदा, मन्दिर 1, एलिस ब्रिज श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकांगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 28/1 जो वृन्दावन मार्पिग सेन्टर में कानपुर वार्ड 3 बी० सी० एस० नं० 2565-1-बी० पैकी पानकौरनाका ब्रह्मदाबाव में स्थित हैं? जो श्रह्मदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत्त नं० 3142 दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है, श्रर्थात् मिलकत संपूर्ण वर्णित हैं।

> एस० एन० मण्डल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 29-7-1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन- एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980 सं० पी० भ्रार० नं० 1105 एक्वी 23/I/80-81:----भ्रतः मुझे एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० नं० 2832 नगरापालीका लिमिटेड में हैं। तथा जो सुरेन्द्रानगर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरेन्द्रानगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 6-12-1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ग्रमा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन जिम्निलिसिस स्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री हरिचन्द्रा सोमनाथ कारीया। माधवनगर1, छबीलाहनुमान के पीछे सुरेन्द्रनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चतुरभाई त्रिभवनदास वरियाणी माधव नगर 1, छबीला हनुमान के पीछे, सुरेन्द्रनगर। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के दुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान जो जमीन पर जिसका माप 327.7 वर्गज गज में सरवे नं० 2832 माप पर सुरेन्द्र नगर में स्थित है। जो यहवान रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 2962 /6-12-79 में रजिस्ट्री की गई है। श्रर्थात् मिलकत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायरकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, अहमवाबाद

तारीख ैं 29-7-1980 मोहर :

4-256GI/80

प्रारूप आई • टी • एन • एस • ----

सायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का. 43) की घारा

269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-<u>I</u>, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पि० श्रार्० नं० 1106, एक्वी-23/I/80-81-------श्रतः मुझे, एस० एन० मांडल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृह्य 25,000/- उपए से अधिक है

और जिस को सं० एफ० पी० नं० 142 बी, दि० पी० एस० नं० 3 प्लाट है तथा जो "कितरा अभि" फ्लैंट् रिजर्व बैंक श्राफ इंडिया के सामने आयतराय रोड़, श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1979

क प्रधान, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है गौर अन्तरिक (अन्तरिकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से द्विई किसी भाय की बाधत 'उवत ग्रिख-नियम', के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनयम, वा धनकर भ्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था आ किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपद्वार। (1) के श्रधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थातः--- (1) श्री प्रभुदास जगजीवनदास जाडिया, सामिनारायण मन्दिर रोड़,
 देवणाह पाडा के सामने, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्राकान्त तिभुवनदास हिन्टोचा । "चित्रा अमी" फलटस पलाट नं० 44, चौथा मंजला । रिजर्व बैंक ग्राफ इंन्डिया के सामने, ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भ्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजवल में प्रकाशन की ताफीख से 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडही करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

प्लाट नं० 44 जो चौथा मंजला में "चित्रण फ्लैट्स में रिजर्व बैंक आफ इंन्डिया के सामने, श्रायराम रोड़, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं। जो ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 7618 दिसम्बर, 1979 में रिजस्ट्री की गई हैं। ग्रर्थात् मिलता सम्पूर्ण विणत है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज I श्रहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980

प्रकप भाई • टी ॰ एन • एस • ---

आयकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-प(1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० स्नार० नं० 1107 एक्वी-23/I/80-81---म्रतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिस की सं० एस० नं० 225-5-कालुपुर, वार्ड नं० 2, है तथा जो धनुसुधारसपोल, चोकावालास पोल के सामने, प्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय' प्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिसम्बर, 79 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूरुष से कम क दृष्णमान प्रतिकत के निए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित बाजार पूरुष उत्तरे दृष्णमान प्रतिकत के पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकत के पन्त्रह फ्रांतिवारों उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या धक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर धिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थास् !——

- (1) श्रीमती कमलाबन I, मनुभाई शाह, धनासुधारस पोल, चोकावलियापोल के सामने, कालुपुर, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) महेन्द्र कुमार पुनम धन्द गाँधी, धनसधार पोल । चोकावलिपोल के सामने, कालुपुर, ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवादियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भजंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य अयक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, वो उक्त अधिनिथम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो जमीन पर जिसका माप 52 वर्गगज में सरवे नं ० 225-5-पर धनुषपोल में चौकावलियपोल के सामने, कालुपुर, श्रहतदाबाद में स्थित है। जो श्रहतदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्ती खत नठ० 9442/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई हैं। मिलकत संपूर्ण वर्णित है।

> एस**०** एन० मां**डल** स**क्षम** प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

विनांक: 29 जुलाई 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) कं अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० श्रार०नं० 1108 एक्वी-23/I/80-81—श्रसः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. गे अधिक है

भ्रौर जिस की सं० सी० डी० एस० नं० 3787 (प्रखा) नं० 3792 (भाग) प्लाट नं० 33 (प्रखा) नं० 34 (भाग) एस० नं० 16 है तथा जो षाजीपुर बोगा तालुका कुबेरनगर ग्रहमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 28-12-1979

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पात, जिसका अजित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) ध्रग्तरण से हुई किसी घ्राय की बाबत, खक्त ग्रिधिनियम के घ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या छन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती मेतिभाई सेठ भगवानदास टपनदास ग्रवतानी का विधवा, सोराबजी कांपौण्ड, जुना वाड्ज, श्रहमदाबाद-13।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री जहांगीरम लीलाराम रामानी, टरमिनस बस रूट नं० 129 के सामने, बंगला विस्तार, कुबेरनगर, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- धद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया हु⁸।

वन्स्यी

मकान जो जमीन पर जिसका माप 1253 वर्ग मीटर सी० डी० एस० नं० 3787 (प्रखा) नं० 3792 (भाग) प्लाट नं० 33 (प्रखा) प्लाट नं० 34 (भाग) एस० नं० 16 षाजीपुर, बोगा तालखा में कुबेरनगर में स्थित हैं। जो प्रहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में विकी खत नं० 14084/28-12-79 में रजिस्ट्री की गई है अर्थात् मिलकीयत सपूर्ण विणत हैं।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

विनांक: 29 जुलाई 1980

प्रकृष भाई + टी - एन + एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

प्रायकर प्रधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ७पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 323-2, गांव षेजलपुर, जी० ग्रह्मदाबाद हैं तथा जो श्रह्मदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-12-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों अभित्:— (1) श्रो शंकरजी जगाजी, सोलंकी, गांव षेजलपुर, डांकोरवास जिला: भ्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मफतलाल ए० पटेल प्रमुख: कामेश्वर पार्क को० श्रोप० हा० सोसायटी लि० 3-54, नारनपुरा चार रस्ता, श्रहमदाबाद

(म्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो माप में 3146 घोरस गज है जिसका स० नं० 323-2, है जो गांव षेजलपुर जि० म्रहमदाबाद 51 में है। यह जमीन रजिस्ट्री-कक्ती मधिकारी म्रहमदाबाद के कार्यालय में ता० 28-12-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I म्रहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस •--

घरपकर घितियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1110 एक्वी-23/I/80-81—→ श्रत: मुझे एस० एन० मांडल

आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से धिक है

श्रीर जिस की सं० एफ० पी० नं० 8 पैकी डी० पी० एस० 18 है
तथा जो शहर कोढाडा, मेहधद होटल के पास, शहमदाबाद में स्थित
है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1098 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह
प्रतिश्वात से अधिक है भीर अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घोंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धांधनियम, या धन-कर धांधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकटं नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धर्म, उन्ते धिविनियम, की धारा 269-ग के धनुतरण में, मैं, उन्ते प्रविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अमीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः --- (1) मैं० मधुरेश कार्पोरेश नके द्वारा मैनेजिंग भागीवार श्री बाबुभाई दशरत भाई पटेल, 111, सरिकवार्ड, सारंगपुर, श्रहमवार्बाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शाह मनसुखलाल मनिलाल, के द्वारा वंशिरयंत्राल चिंमने लाल, कापड बाजार, शाप नं ० ७, मेहधुद होटल के पास, राइपुर दरवाजा के बाहर, महमंदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिने की श्रवंधि, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी भन्य व्याक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्रो का, जो उक्स प्रितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा जो छस अध्वाय में विमा गया है।

प्रनुसूची

शाप नं० 7 जो दशर्यलाल चिमनलाल कापड बाजार, मेहधुद होटल के पास राईपुर दरवाजा के बाहर—डीं० पी० एस० नं० 18 बी० पी० नं० 8 पैकी घ्रहमदाबाद में स्थित है। जो घ्रहमदा-बाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खत नं० 132000/दिसम्बर 1979 में रजिस्ट्री की गई है प्रधात मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

> एस० एन० मोडल सक्षम प्राधिकारी स**हाँगक मायकर मा**युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनीभे : 29 जुलाई/ 1986

(ग्रन्तरक)

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

त्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (मिरीकाण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 1111 एक्वी-23/I/80-81— ग्रतः मुझे एस० एन० मांडल ग्रायकर ग्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-क्पये से अधिक है

ही । तथा जो मेर कोढडा—मेहधूद होटल के पास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एश्वह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया श्रीक्फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्तयम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-केकी उपधाराः (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) मै० मधुरेश कार्पोरेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबुभाई दशरय भाई पटेल, 111, सकिवार्ड, सारंगपुर श्रहमदाबाद
- (2) श्री बंसीलाल शान्तिलाल, के द्वारा दशरथलाल चिमनलाल कापड बाजार शाप नं० 8, मेघदूत होटल के पास राईपुर गेट के बाहर, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इत्य सूवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 वित की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

शाप नं० 8 जो टी० सी० सी० बाजार में मेहबुद होटल, राईपुर गेट श्रहमधाबाद टी० पी० एस० नं० 8 पैकी में स्थित है। जो श्रहमदाबाद रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खत नं० 14119/ बिसम्बर, 1979 में रिजस्ट्री की गई है। श्रर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाव

विनांकः 29 जुलाई 1980

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर मिंघिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० भार० नं० 1112-एक्वी-23/I/80-81---द्यतः मुझे एस० एन० मांडल आयकर मधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धर्मीन सञ्जन प्राधिकारी की, यह विश्वास करते सम्पत्ति, जिपका का कारण है कि स्या वर से ग्राधिक है 25,000/-रुपये मुख ग्रौर जिस की सं० एफ० पी०नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18 है तथा जो शेर कोटाडा मेहदुद होटल के पास में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य से कंप के वृध्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यर विश्वास करने का कारण है कि यपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के धौर पूल्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत स्विक है धौर प्रस्तरक (धन्तरकों) धौर प्रस्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐस प्रस्तरण के लिए, तब पाया गया प्रतिफल निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिल्लिन में बास्तविक रूप से बिवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ये हुई किसी ग्राय की बावन उकन ग्रिशिन नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिरव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, अन्हें भारतीय श्रायकर श्रीव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चिनियम, या धन-कर श्रिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, अब, उनन श्रिषिनियम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उनत धिर्धिनियम की धारा 269-घ की उपद्यास-(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रषात् :--- (1) मैं मबुरेश कार्पोरेशन के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबुभाई दशरथभाई पटेल, 111, सरिकवाड, सारंगपुर, श्रहमदाबाद

(मन्तरक)

(2) गिराज श्रौर बालकों, प्रोधाईटर गणेशमल मोदिराम, शाप नं० 5, दशरथलाल चिमनलाल, कापड बाजार मेधदूत होटल के पास राईपुर गेट के बाहर, श्रहमदावाद

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी क्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों छीर पदीं का, जो उक्त धर्धिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 5 जो डी० सी० बाजार मेहदुव होटल में, राईपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० 18 एफ० पी० नं० 8-पैकी में स्थित है। जो श्रहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्षी खत नं० 14118/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है श्रर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण विणित है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I ग्रहमवाबाद

दिनांक : 29 जुलाई 1980

प्ररूप आर्ष्० टी• एन० एस०----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 1113 एक्वी-23/1/80-81---**भ**तः मुझे एस० एन० मांडल] भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूस्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिस की सं० एफ० पी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18 है तथा जो भोर कोटडा, मेहदूद होटल के पास, ग्रहमधाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचि में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विसम्बर 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रनिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से यशिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखितमें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबंत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की ग्रारा 269-व की उपक्रापा (1) श्रधीन निम्नक्षिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं पद्रेश काप्रोरेशन, के द्वारा मैंनेजिंग भागीदार श्री बाबुभाई दशरथभाई पटेल, 111, सरकिवार्ड, सारंगपुर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बायचन्दभाई प्रेमजीभाई, शाप नं० 13, दशरथलाल चिमनलाल कापड मार्केट, मेघदूत होटल के पास, राईपूर दरवाजा के बाहर, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **मर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 रित को अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तरपूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्त्र में प्रकाशन की सारीख से 15 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधीहरताक्षरी के पाम तिखित में हिए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़दों और पदों का, जो उस्त सधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही द्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुधी

गाप नं० 13 जो डी० सी बाजार, मेहदुद होटल के पास, राईपुर बरवाजा के बाहर टी० पी० एस० 18-एफ० पी० नं० 8-पैकी भ्रहमदाबाद में स्थित है । जो श्रहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्या-सय में बिक्री खत नं० 14117/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है प्रथति मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980

प्ररूप आहु. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1114-एक्वी-23/I/80-81---श्रतः मुझे, एस० एन० मण्डल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० एफ० पी० नं० पैकी टी० पी० एस० 18, है तथा जो शेर कोटडा-मेहदुध होटल, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर 1979

को पृष्णंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक ख्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेरी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) मैं मधुरेण कोप्रेणन, के द्वारा मैंनेजिंग भागीधार श्री बाबूभाई दणरथभाई पटेल, 111, सिकवार्ड, मारंगपुर, श्रह्मदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रम्बिका कलोथ ब्रादर्श के द्वारा भागीदार श्री बलदेवभाई गोपालदास, शाप नं० 25, दशरथलाल चिमनलाल कलोथ मार्कींट, मेह्दुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप नं० 25 जो डी० सी० मार्केट, मेहदुध होटल के पास, राईपुर बरवाजा के बाहर टि० पी० एस० 18-एफ० पी० नं० 8- पैकी ग्रहमदाबाद में स्थित हैं। जो ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में विक्री खाता नं० 13956/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है अर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण विणित हैं।

एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Í, श्रहमदाबाद

दिनांक : 29 जुलाई 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं॰ पी॰ श्रार॰ नं॰ 1115-एक्वी-23/I/80-81— श्रतः मुझे, एस॰ एन॰ मण्डल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० एफ० ी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18 है तथा जो घोर कोटडा में हडुहा होटल के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979 को पूर्वाक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंगी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अन्सरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुतिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) मैं मदुरेश कारपोरेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबु भाई दशरथ भाई पटेल, 111, सरकीवार्ड, सारंगपुर, श्रह्मदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री चुणीलाल भगवानजी एण्ड सन्स, शाप नं० 10, दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार, राईपुर दरवाजा के बाहर, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भाप तं० 10 जो डी० सी० सी० मार्केट, मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० तं० 18-एफ० पी० तं० 8 पैकी श्रहमदाबाद में स्थित हैं। जो श्रहमदाबाद राजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खाता नं० 13957/दिसम्बर 1979 में राजिस्ट्री की गई है, श्रर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण बर्णित हैं।

एस० एन० मण्**डल** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध(1) के ग्रिशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) 'ग्रर्जन रेंज-^I ग्रहमदाबाद

भ्रह्मदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1116 एक्वी-23/1/80-81— श्रत: मुझे, एस० एन० मण्डल अग्यकर घश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त यधिमियम' कहा गया है), की मारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूह्य 25,000/- व• से प्रधिक है

श्रौर जिस की सं० एफ० पी० नं० पैकी टी० पी० एस०—18 है तथा जो शेर कोटडा मेहदुध होटल के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रोर मृत्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में श्रधिक ह श्रौर यह कि श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) श्रोर श्रम्तरिती। (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए सल पाया गया श्रतिफल, निम्तलिखत उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसान गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की, उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) मैं० मघुरेश कोपरेशन, के द्वारा मैंनेजिंग भागीदार श्री बाबूभाई दशरथभाई पटेल, 111, सिक वार्ड, सारंगपुर, श्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) णाह डुंगरचन्द कपूरचन्द, शाप नं० 21, दशरथलाल चिमनलाल कपडा बाजार, मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

छनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: -- -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो 'एक्त मधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा- है ।

अनुसूची

शाप नं० 21 जो डि० सी० सी० मार्केट में मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० नं० 18-एफ० पी० नं० 8 पैकी भ्रहमदाबाद में स्थित है। जो श्रहमदाबाद राजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खाता नं० 13969/दिसम्बर, 1979 में राजिस्ट्री की गई है। श्रार्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० पी० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980

प्रक्ष भाई। टी० एन० एस।---

भागकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

द्यतः मुझे, एस० एन० मण्डल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

मूल्य 25,000/- रुपय सं आधक हं और जिसकी सं० एफ० पी० नं० पैकी टी० पी० एस० 18 है तथा जो शेर कोटडा-भेहदुध होटल के पास श्रहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1979 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देष्य में उकत प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रक्रितियम के घडील कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रिष्ठनियम, या धन-कर ग्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की खन्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) मै० मधुरेश कारपोरेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबुभाई दशरथभाई पटेल, 111, सरकवार्ड सारंगपुर, श्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री मूलचन्द भाई हरकचन्द शाप नं० 4, दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार, मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्रांक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी प्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

शाप नं० 4 जो कि डी० सी० सी० मार्केट, मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० नं० 18-एफ० पी० नं० 8 पैकी ग्रहमदाबाद में स्थित है। जो ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खाता नं० 13955/दिसम्बर 1979 में रिजस्ट्री की गई है। ग्रर्थान् मिलकियत सम्पूर्ण विणित है।

एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक 29: जुलाई 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सुचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1118 एक्वी-23/I/80-81— श्रतः मुझे एस० एन० मांडल

ष्ट्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/- ह० से अधिक है

श्रौर जिसकी एफ० पी० नं० पैकी टी० पी० एस० 18 ह तथा जो शहर कोटा, मेहदूध होटल के पास श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सम्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत श्रधिक है और अन्तरक से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निशिक्षत उद्धा स उका अन्तरण विश्वा में अस्तिविक एप से कथित नहीं किया प्या है!—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता धिनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गथा या विया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए।

बर: **च्यः** उनत निधित्यम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद :—

- (1) मैं मथुरेश कारपोरेशन, के द्वारा मैंनेजिंग भागीदार श्री बाबूभाई दशरथभाई पटेल, 111, सरकीवाड सारंगपुर [ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ईछराजदेवी मांगीलाल कोठारी गाप नं० 22, दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार मेधदुत होंटल के पास रायपुर दरवाजा के बाहर ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधित्यम के सहयाय 20-ह ें परिभाषित है, वहीं समें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

णाप नं० 22 जो दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार में मेधदुत होटल के पास राईपुर दरवाजा के बाहर श्रहमदाबाद में स्थित है, जो श्रहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खत नं० 13954/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई ह। श्रर्थात् मलिकयत सम्पूर्ण वर्णित हैं।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-४ श्रहमदाबाद

दिनांक 29 जुलाई 1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त ्रे(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1119 एक्बी-23/1/80-81-श्रतः मुझे एस० एन० मांडल श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

भौर जिस की सं० एफ० पी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18 है। तथा जो भेर कोटा, मेधदुत होटल के पास, म्रहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त पिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पथीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीनः → (1) मैं० मथुरेश कारपोरेशन, के द्वारा मनेजिंग भागीदार श्री बाबूभाई दशरथभाई पटेल,
 111 सरिकवार्ड, सारंगपुर,
 श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रार० खोडीदास कम्पनी शाप नं० 13, दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार, रायपुर दरवाजा के बाहर, ग्रहमदाबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थे होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० जो दशरथलाल धिमनलाल कपड़ा बाजार में मेधदुत होटल के पास, रायपुर दरवाजा के बाहर-टी० पी० एस० 18, एफ० पी० नं० 8 पैकी ग्रहमदाबाद में स्थित है। जो ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खत नं० 13192/दिसम्बर 1979 में रिजस्ट्री की गई है श्रर्थात् मलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

> एस० एम० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक 29 जुलाई 1980 मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1120/एक्वी-23/I/80-81—— श्रतः मुझे एस० एन० मांडल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिस की मं० एफ० पी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18, है तथा जो शेर कोटा -मेधदुन होटल के पास श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भाधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

द्यत: ग्रम, उस्त श्रविनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों, ग्रबीन:——

- (1) मैं मथुरेण कारपोरेणन के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबु भाई दशरथलाल पटेल,
 III सरकीवाडी, सारंगपुर, श्रहमदाबाद
 (श्रन्तरक)
- (2) लेलितकुमार क्रिजिक्षशोर शाप नं० 12, दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार, मेधदुत होटल के पास, रायपुर दरवाजा के बाहर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छरत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबहा किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाप नं० 12 जो दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार में मेधदुत होटल के पास , रायपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० 18-एफ०पी० नं० 8 पैंकी श्रहमदाबाद में स्थित है। जो श्रहमदाबाद राजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खत नं० 13198/दिसम्बर, 1979 में राजिस्ट्री की गई है श्रर्थात मलकियत सम्पूर्ण वाणित है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I श्रहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहंमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1980

निदेश सं०पी ्रियार० नं० 1121/एक्बी-23/I/80-81---श्रतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ७० से प्रधिक है

भौर जिसकी मं० नं० 402, प्लोट नं० 27 है तथा जो उमाकान्त उद्योग नगर, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे वह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है घीर अन्तरक (मन्तरकों) घीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत घरतरण निखित में वास्तवित रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई विसी माथ की बाबत, उक्त प्रवितियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के जिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भायकर भिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भक्षिनियम, या धनकर मिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वाराप्रकटनहीं किया गया या वा किया जाना भाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अक्षोन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---6-256GI/80

(1) श्री हेमनशा परशोत्तम वखारीग्रा गोन्डल रोड, चंदन विला राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री दाह्याभाई णिवाभाई श्राकवारी
 - 2. गोकतहात शिक्षाभाई श्राकाबनो
 - 3. जमनादास शिवाभाई श्राकाबरी कालावड (शिटाला) ग्रेन मारकेट रोड, राजकोट (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी मंबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीतस्ताक्षरी के पास लिखित किए जासकेंगे।

स्पष्टी करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।,

ग्रनुसूची

खुली जमीन जो माप मे 1605 चौरस गज है श्रौर जिसका सं० नं० 402 श्रीर प्लोट नं० 27 हैं। यह जमीन जमाकान्त उद्योग-नगर राजकोट में स्थित है और जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, राजकोट के कार्यालय में ना० 15-12-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I म्रहमदाबाद

दिनांक 3 ग्रगस्त 1980 मोहर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमवाबाद

भ्रहमदाबाष, दिनांक 4 भ्रगस्त 1980

निवेश नं० पी० ग्रार० नं० 1122, एक्की-23/1/80-81—
ग्रतः मुझे एस० एन० माँडल
ग्रायकर ग्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्वनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रिश्वन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिश्वक है
ग्रौर जिस की सं० प्लोट नं० 4-बी है। तथा जो काकुला रोड़,
भावनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावस ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण
रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिश्वकारी के कार्यालय, भावनगर
में रजिस्ट्रीकरण ग्रिश्वनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिश्वन
15-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश ने उका अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-च की जपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयति :--- (1) श्री धौलेश प्रेमशंकर सुक्ला, पावर श्राफ घटार्नी होल्डर, श्रम्बावाडी, कैलास बंगलो, भावनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) जसमीन फलेटस की० ग्रोप० हाखसिंग सो० लि० चेयरमैन रणभीकान्त बालचन्द्र गांधी, वोरा बाजार, जैन मंदिर के पास भावनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्वष्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त घ्रधि-नियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस घ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन जो माप में 470 चौरस गज है श्रौर जिसका प्लोट नं० 4-बी है श्रौर जो कालुला रोड़ भावनगर में स्थित है श्रौर जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भावनगर के कार्यालय में सा० 15-12-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-। ग्रहमदाबाद

विसांक: 4-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) ने मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 श्रगस्त 1980

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1123/ एक्बी-23/1/80-81---ग्रतः मुझे एस० एन० मॉडल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- व॰ से

स्रोर जिस की सं० 1489 स्रोर 1493-1 पैकी प्लोट नं० 11 है तथा जो शंकर टेकरी गोरधनपार रोड़, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचित में श्रीर पूण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीनर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के के लिए भन्तरित की षुष्यमान प्रतिफल विश्वास करने का कारण यह यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी भाग की बाबत, जनत अधि-नियम के घंधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे अचने में सुविधा के निए। धीर/या
- (बा) ऐसी किसी भागमा किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिर्मियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मधिनियम, या धनकर धिमनियम, 1957 (1357 का 27) के प्रयोजनार्थ चन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए,

श्रव: प्रव, उनत श्रविनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्मशिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मनसुबलाल जीनाभाई मेहता सैन्ट्रल बैंक रोड़, जामनगर

(भ्रन्तरक)

(2) लखमशी जेठाभाई शाह गांव नवागाम ता० लालपुर जि० जामनगर

(प्रन्तरिती)

को यह सूबनाजारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हि्त-बद्ध किसी ध्रन्य ध्यक्ति द्वारा प्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उनत ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हों वही अर्थं होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

खुली जमीन जो माप में 5104 चोरस गज हैं और जिसका रे० से॰ नं॰ 1489 भीर 1493-1 हैं। ग्रीर प्लोट नं॰ 11 है, यह जमीन शंकर टेकरी के पास गोरधनपरा रोड़ जामनगर में हैं। ये मिलकन रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी जामनगर द्वारा ता० 7-12-1979 को रजी० नं० 2733 से रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I महमदाबाद

दिनांक: 8-8-1980

मोहर

प्ररूप श्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्ज रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 श्रगस्त 1980

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1124 से 1144 — श्रतः मुझे एस० एन० माँडल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रपये से श्रधिक है और जिस की सं जागनाथ एपार्टमेंट्स है तथा जो जागनाथ एपार्टमेंट्स राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह शिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल है। पत्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य मे उक्त प्रतारण तिथित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते दुई िकती आप की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रातः, श्रात्र, उत्तर श्रीधिनियम की धारा 269-म के अन्-सरण में, में, छक्त श्रीधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती विजयाबेन बल्लभ दास मेहता "मातृष्ठाया"

 26 मिलपरा,

 राजकोट (अन्तरक)
- (2) (1) किशोरभाई भगवानलाल गांधी जागनाथ एपार्टमेंटेस राजकोट
 - (2) कुमुदबेन होमेन्द महता

(3) श्रीरंजनबेन के०	रानपरा जागनाथ	ओपार्टमेन्टस	राजकोट
(4) विनोद चन्द्र टी०	संगालिया		

-) [(-A -2 2 A	,,
(5)	श्री बीसन सेवकराम केवलानी	,,,
(6)	श्री प्रलूल चन्द्र डी० गुकल	11
(7)	रमेश चन्द्र एच सोमैयाँ	11
(8)	इसमखराय भ्रमतलाल भाइ	

(४) हसमुखराय अमृतलाल शाह ,, (९) धनक्याम खुणालदास सुगंध ,, (10) अमृतलाल वैसनजी ट्याल ,,

(10) अमृतलाल यसनजा दुबाल ,, (11) हंसमृख्याल ए० कोठारी ,, (12) ठाकरसी जेढालाल ,,

(13) श्रीमती सी० जे० गाह (14) श्रीमती जोगीन्दर कौर वाही (15) श्रीमती मन्जुला बेन वी० पटनी

(16) श्री हरगोबिन्द ग्रार० पात्रागडही (17) श्रीमती सन्निताबैन हिमनलाल कोठेक

(18) सवजीभाई गांतिलाल हसालिया ,, (19) रंजनबेन आर० पटेल , (20) बल्लभदास मोहनलाल भालोदीया ,,

(21) नानालाल तालाक्षी

(ग्रन्तरिती)

,,

,,

,,

को यह सुवमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख़िसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एपार्टमेन्टस नं० 16, 12, 3, 20, 21, 22, 19, 24, 23, 13,10, 8, 2 और 5, 1, 15, 11, 14, 9, 17, 4, श्रीर 7 सब मालाकर 21 श्रोपार्टमेंटस हैं, ये सब एपार्टमेंन्टस जागनाथ ओपार्टमेन्टस में हैं और जो जीमखाना रोड़, पुराना जागनाथ प्लोट, राजकोट में हैं। ये मिलकन रिजस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी राजकोट के द्वारा रिजस्टर्ड नं० 3264, 851, 2018, 455, 456, 457, 451, 458, 600, 1876, 459, 798, 797, 730, 599, 454, 453, 1218, 452, 1217, श्रीर 799 द्वारा ता० 31-12-1979 को रिजस्टर्ड की गई हैं।

एस० एन० मॉंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

दिनांक : 8-8-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1980

निदेश सं० पी० प्राप्तः नं० ९७३/एक्बी/२३-II/80-८१—-श्रतः मुक्षे, एस० एन० मांडल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

और जिसकी सं श्रतवा जुना एस नं 30 प्लाट नं 27, एस ज्नं 1071, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12-12-1979

का 16) के प्रधीन 12-12-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं भौर
प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या श्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छित्राने में स्विषा के लिए;

मतः, म्रब, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रतु-सरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत्:—

- (1) श्री कान्तिलाल छगनलाल णाह, हरिपुरा, तारातीया हमुमान शेरी, सूरत (अन्तरक)
- (2) 1. श्री महेन्द्रा गणपतिशन्कर शुक्ता; के द्वारा मनिलाल पटेल एण्ड कं०, चकसपीर गली के सामने, लिमडा चौक मूरत ।
 - 2. ठाकोरभाई दयाभाई देसाई के द्वारा बिपिन देसाई, यूनियन बैंक आफ इण्डिया के सामने, कानपित, सूरत प्रोमोटर्स मेहालि एपार्टमेन्टस कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राञ्जेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्शेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर लम्पति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों यौर पदों का, जो उन्त अधि नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है ही ग्रथं होगा, जो उम अध्याय में दिया गथा है।

अनुसूची

जमीन जो ग्रतवा गांव-जुना एस० नं० 30 पैकी, प्लाट न० 27,वर्तमान नं० 1071 में स्थित हैं। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 12-12-1979 में रजिस्ट्री की गई हैं।

> एस० एस० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिनांक: 11-ग्रगस्त 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 ग्रगस्त 1980

निदेशनं०पी० श्रार० नं० एक्यी-23-II/80-81— श्रतः मुझे एस० एन० मौडल

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिस की सं० मजुरा म्रार०एस० नं० 1 18 पैकी --सबण्लाट नं० 25, है तथा जो मजुरा एस० नं० 102 टी० पी० एस० नं० 9 सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-करण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 21-12-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए म्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त म्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269 च की उपघारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री चन्त्रामणि पियुष दलाल, बी० ए० राणडे रोड, दादर, बॉम्बे-28

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बनिकम तरुणचन्द्रा देवे, रतनशन्कर मसटोराणी शोरी, भ्रम्बाजी रोड, सुरत ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षर:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों यत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो मजुरा श्रार० एस० नं० 118, सब—प्लाट नं० 25 में स्थित है। जो सूरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 21-12-79 में रिजस्ट्री की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिनांक : 11 श्रगस्त 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1980

सं० पी० ग्रार० नं० 1149 एक्वी-23/I/80-81— श्रतः मुझे, एस० एन० मंडिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

म्रोर जिस की सं० नं० 13 है तथा जो जेतपुर में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 11-12-79

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उत्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल तिम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रागरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उकत भ्रिधिक नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त मिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रिविनयम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री माधा करसन रैयानी बाबाबाला परा, जेतपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शीरीसकुमार जगतराय पारेख 2. बाबुभाई जकाभाई खोडापारा, जेतपुर

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर मर्वो का, जो छक्त धिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में विया गया है।

प्रनुसूची

खोत की जमीन जो माप में '4 एकड़ 39 गुन्टा है जिसका सर्वे नं० 39 हैं। श्रीर जो जेतपुर में स्थित है। ये जमीन दस्तावेज नं० 1586 के द्वारा ता० 11-12-79 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जेतपुर द्वारा रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

विनांक : 11 ग्रगस्त 1980

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्र Π_{r} प्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 1 श्रगस्त 1980

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं. 962 एकथी- 23/I/80-81— अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संवतीत नंव 1646, वार्ड नंव 11, सौदागर वार्ड है, तथा जो मछलिपित सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28-12-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमषेदजी पेस्तानजी पेटिगारा, 11/1646, सांदागर वार्ड, मछलिपित, सुरतः।
 - (2) श्री दोलध धराबणा पटेल,
 - (3) कोरशद धराबणा पटेल, 155, राज निवास, बाटर फीलड रोड, बोम्बे-50।

(ग्रन्तरक)

 श्री रामदास बाबू राव ववेसकर, नानपुरा, जमरूक गली, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र को प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जा सोदागर वार्ड, माछिलिपित वार्ड नं० 11, नोद नं० 1646 में स्थित है । जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 28-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है ।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , म्रहसदाबाद

तारीख: 1-8-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस•---

श्रायकर श्रिविनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद,दिनांक 1 अगस्त 1980

निवेश सं० पी० आर० नॅ० 963 एक्वी-23/80-81— यतः, मुझे, एस०एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से भिधिक है

ग्रीर जिसकी संग्नोद नंग 839, वार्ड नंग 6 है, तथा जो चनारियां झरी, माहीदारपुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूनी में ग्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 13-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृख्य छसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रांतियत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के भिभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिखिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिखिनियम या धनकर ग्रिधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

भतः, भन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निकित व्यक्तियों, अर्थातः --- श्री इन्द्रा वर्धन ग्रम्बालाल पण्डया, हरिपुरा, भवानी वार्ड, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जितेन्द्रा चम्पकलाल शाह,
 - (2) श्री हरीश कुमार चम्पकला माह, महिन्द्रापुरा, चनारिया गोरी, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 विन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्राब्दीकरण:--- इतमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पतों का जो उक्त ग्रीध-नियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रार्थ होगा, जो उस ग्राड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकयत जो महिदारपुरा, चपारिया शेरी, नोद नं० 837, वार्ड नं० 6 में स्थित है । सुरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 13-12-1979 में रिजस्ट्री की गई है ।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजाा, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

7-256GI/80

प्ररूप ग्राई• टी• एन• एस•--

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के मिधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 श्रगस्त 1980

आयकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एक्त अधिनियम' कहा यथा है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रंथिक है

श्रीर जिसकी सं० नोद नं० 2345, वार्ड नं० 4, दिया वार्ड सालवात पुरा, सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) ग्रोर भन्तरिती (पन्नरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से स्वत धन्तरम लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी प्राय की बाबत, उक्त खिकिशम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी घाय या किसी धन या अन्य घास्तियों की जिन्हें भारतीय आयक र श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर ग्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए वा, डिपान में सुविधा के किए;

अतः सब, उक्त समिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त समिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीत निश्ननिखित स्यक्तियों. अर्थांत्:— श्री हसन भाई मोहम्मद भाई,
 श्री अहमद भाई कासम भाई,
 साम्बा बाजार तथब मोहल्ला, मूरत।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) अबुबेकर अहमद भरानिया,
 - (2) इजाहिम अबुबेकर
 - (3) मोहम्मद कासम ध्रबुबेकर,
 - (4) नूर मोहम्मद अबुबेकर

(ग्रन्गरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इन सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 वित्त की मनिव या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 विन की भविष्ठ, जो भी मनिव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य श्यक्ति बारा, प्रशोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पवडीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्कों मीर पदों का, जो उक्त मित्रिनयम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है. वही सर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मिलिकियत जो धारि वार्ड सलाबतपूरा नोष नं० 2345 बाई नं० 4, सूरत में स्थित है। जो सूरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 31-12-1979 में रिजस्ट्री की गई है।

> एस०एन० मांबल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख 5-8-1980 मोहर: प्रकप माई० टी० एन• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

श्रह्मवाबाद दिनांक 5 श्रगस्त 1980

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं 965 एक्वी-23/II/80-81--अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयंकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मूख्य 25,000/- वपये से अधिक है और जिसकी संग्नोंद नंग 399, वार्ड नंग 9, स्होर ऐरी है, तथा जो वार्डी फलिया, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनिस्ची में भीर प्रण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के धीन, तारीख 27-12-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह बिक्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत पश्चिक है और घन्तरिक (धन्तरिकों) और घन्तरिकी (अग्तरित्वों) के बीच ऐसे धन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अग्तरिक निवित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रवि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या जा मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269 श्य के अनुसरण में, में, छव्त अधिनियम की घारा 269 श्व की उपवारा (1) के अधीन निम्निसिवित अ्यक्तियों, अर्थोतः—

- (1) श्री प्रभाकर धीरजलाल सटोर श्रीर अवस्यक प्रती ननदीता प्रभाकर स्टोर,
 - (2) श्री वात कुमार प्रभाकर स्टोरस,
 - (3) श्री उमाबेन प्रभाकर स्टोरस,
 - (4) श्री जयलोना उर्फ जयन्ती बेन , सुरेणचन्द्रा धीरजलाल स्टोर का विधवा
 - (5) वंग्रस्का हमन्त सुरेश चन्नद्र स्टोर,
 - (6) अवयस्क ईप्रवरी सुरेण चन्द्र स्टोर
 - (7) भ्रवपस्क धनिवया सुरेणचन्द्र स्टोर रिजडेंन्स मलवार हिल, गोधा रोड, बोम्बे विधि प्रतिनिधि यप० निचमवरी सुरेण चन्द्रा मितेज स्टोर

(भ्रन्तरक)

2. इरिकिणनदासस्टोरणेरी, वार्डश्री चम्पकलाल फालिया सुरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रष्ठ्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकयत जो जिसकानं 399 स्ढोर शेरी, वा फालिया सूरत में स्थित है। जो सूरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 27-12-1979 पर रिजस्ट्री की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IJ, अहमदाबाद

न(रीख: 5-8-1980

मोद्धार:

प्ररूप मार्घ० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, हमदाचाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 श्रगम्त 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 966 एक्वी-23/11/80-81---यत:, मुझे, एस० एन० मांडल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० सी० एस० नं० 50/1 विभाग सी, टिका नं० 1/2 है, तथा जो रावपुरा वार्ड म्रानन्दपुरा, बडोदा में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रोर पूर्ण रूत से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बडोदा में रिजस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख 14-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूम्यमान प्रतिफल से ऐसे दूम्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधितियम के श्रिधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त भ्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातः— श्री फलगन भाई चिमन भाई पटेल श्रम्बा वाडी हीराभाग श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्सरक)

डा० गिरीशभाई नटवरलाल शाह श्रौर डा० (मिसेस)
मन्जुलाबेन एस० शाह, द्वारा उनके मुस्मारजामा
डा० सतीश भाई नटवरलाल शाह विष्णु कालोनी
जेटलपुर रोड, बरोदा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भ्रिधिनियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो जमीन पर विभाग सी० टिका नं० 1/2, सी० एस० न० 50/1 रावपुरा वाड भें बेरोदा में स्थित है जो बिकी खत न० 5924 पर बरोदा रिजस्ट्रीर के कार्यालय में तारीख 14-12-1979 में विणित में रिजस्ट्री की गई है।

> एस० एन० मांउल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 6-8-1980

प्रकृप धाई • टी • एन • एस • ----

आयकर **मधिनियम, 1961 (1961** का 43) की **धारा** 2**69 प(1) के** श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, महायह स्रायकर स्नामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं०पी० श्रार्०नं० १६७ एक्वी०/23/¹¹/80-81— यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-४० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी मं० एस० नं० 291/ए-2 ग्रौर 292/1/2 है, तथा जो बड़ोदा कस्बा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 21-2-11979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदृह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विध्वित में वास्तविक मृष्
हे कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाग की वाबत उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में लुविधा के लिए। कीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय क्षावन र धिर्धानियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर धिर्धिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिसित व्यक्तिगों प्रधातः—— श्रीमती प्रेमलता केसरिनाथ गुप्ता, 17-ए सुदामापुरी मनजलपुर, बड़ीदा ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री नारायण प्रसाद माथुर प्रसाद शुक्ला,
 - (2) श्रीमती गयनावती नारायण प्रसाद णुक्ला "जयनिल" ग्रार० वी० देसाई रोड, बड़ौदा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उदन सम्पनि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबड़ किसी ग्रास्य स्थावित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन निर्माण के साथ जिसका विस्तार 10 गुण्ठा श्रौर पिलन्थ विस्तार 2000 वर्ग गज पर सर्वे नं० 291/ए-2 श्रौर 292/1/2 में बड़ौदा में स्थित है जो बड़ौदा रजिस्ट्रार के कार्यालय में विक्री खाता नं० 6033 तारीख 21-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II,ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-8-2980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाध

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० पी० श्रार०नं० १४६८ एक्वी-23/II/80-81— यस:, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

भौर जिसकी सं० जमीन अदाजन गांव में, वार्डू नं० 17 है, तथा जो तालुका चोरयासी, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक उहेग्य से उस्त सम्तरक लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; आर्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख व्यक्तियों अर्थात्:—

 श्री मेनक बाई मोसेद पेसतानजी दास भाई की पुती और अरकाशा कावसजी तुरेल की विधवा, बिलिनी जाड़ा, सैयवपुरा, सूरत

(ग्रन्तरक)

2. गीरंग जीगदास 54 संगम सोसायटी, रनधेर रोड, सूरत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रत्युक्त शक्कों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनु सूची

जमीन जो भावजन श्रार० एस० नं० 2, वार्ड नं० 17 पर स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 26 दिसम्बर 1979 में रजिस्ट्री की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-II, प्रहमवाबाव

ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 969 एक्वी०-23-JI/80-81--यतः, मुझे, एस० एन० मांलट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं श्रार एस । नं 8, है, तथा जो कान विवास, वरूष में स्थित है (धौर इससे उपावत अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरुष में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बर्धिः नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ने दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- 1. श्री गुलामर।सूल महमद शेख,, ईस्ट चुनाखाड, बरूच

(ग्रन्तरक)

2. श्रध्यक्ष : गुलाम् तुजा गुलाम भहमद शेख, साई बाबा को-भ्रा हार्जासंग सोसायटी लिमिटेड ईस्ट वाड, चुनार बरूच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकने।

स्मध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हतु अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

जमीन जो कानाबी वागा गांव में भ्रार० एस० नं० 8 पर तारीख 31-12-1979 में रिजस्ट्री की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाव

ता**रीख**: 7-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण)

> > भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 970-एक्वी-23/II/80-81---यतः, मुझे, एस० एन० मांडल श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उका भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संभग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपये बाजार भूल्य से प्रधिक भ्रौर जिसकी सं० नोद नं० 1147 वार्डनं० 1, है, तथा जो दागर मोहल्ला, नानपुरा सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,सूरन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दुष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रोर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफन्न, निम्नलिखित जहेश्य के उक्त अन्तरण निष्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से तुई किसी श्राय की बाबत उपत स्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या छन्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रिपीन्:--- क्कटमिनीबेन मनिलाल और उनकी सभी पुत्रों

- (1) गिरगणचन्द्रा मणिलाल,
- (2) चन्दुलाल मणिलाल
- (3) रमेशचन्द्र मणिलाल , नानपुरा डांगर मोहल्ला, सूरत

(भ्रन्तरक)

 अगदीगचन्द्र गुलाब चन्द, मगनी देवी मदन लाल, ग्रसीदेवी प्रभातिलाल, प्रभाती देवी श्रोम प्रकाण, महिदारपुरा, गिया शेरी सुरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इप सूबता के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सनाप्त होती हो, के भी तर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घडि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं घर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मलिक्यत जो नोद नं० 1147, वार्ड नं० 1, बागोर मोहल्ला, नानपुरा सूरत में स्थित है । जो ता० 31-12-1979 में सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है ।

> एस० एन० मां**डल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, श्रहमदाबाद

तारीख : 7-8-1980

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2,69-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-2, श्रहमदाबाद कार्यालय श्रहमदाबाद, दिनांक 8 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० पी० प्रार०नं० 971/एक्वी-23-2/80-81---यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण $oldsymbol{arepsilon}^{oldsymbol{1}}$ िक स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य $25,000/\sim$ रु० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 327/1 है, तथा जो चकलासी पटी निष्याड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सनस्थी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नडियाड में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, (1908 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में . में . उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री प्रकाश चन्द्र राव जी भाई पटेल, मयुरक् ज सोसायटी निङ्याङ

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुरमिषताबेन रजनीकान्त शाह मयुरक्ंज सोसायटी निष्याङ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया 8 ।

अनुसूची

जमीन श्रौरमकान जिसका सं० नं० 327/1 जो, मयुरक् ज ं चकलासी पाटी विस्तार, नडियाङ में स्थित है । जो सब रजिस्ट्रार के कार्यालय निष्याङ में बिक्री खत न० 3237 पर रजिस्ट्री की गई है तारीख दिसम्बर 1979 भ्रौर जो सम्पूर्ण वर्णत है।

> एम्० एन० महिल सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भ्रायकत (निरीक्षण) सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीखा : 8-8-1980

मोहर :

8-256GI/80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद कार्यालय

ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 972 एक्वी०/23-II/80-81
---यतः, मझे, एस० एन० मांडल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० नं० 3253 भीर 3254 है, तथा जो लाखाबाड पटी विस्तार वैशली सिनेमा के पास निड्याड में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, निडयाड में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-12-1989 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ये हुई किसी ग्राय की बाबत, खकत ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) में अधीन, निय्नलियित व्यक्तियों, शर्थानु:---

- 1. (1) श्री चन्द्रकान्त कालिदास पटेल, काकर खाड
 - (2) ज्योतिन्द्र सूर्यकान्त पटेल, काकर खाड
 - (3) कीर्ति कुमार सूर्य कान्त पटेल,
 - (4) पिनाकिन सूर्यकान्त पटेल, लाकाबाड चोरा नडिमाड

(ग्रन्तरक)

2. महे घवरी नगर का० स्रो० हो० सोसायटी के द्वारा मुख्या प्रमोटर जगदीश चन्द्रा मोहन लाल शाह, के द्वारा पुषकर एण्ड कं०, लैंड श्रारगनाइजेशन सरदार भवन, स्टेणन रोड के पास नडियाड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के प्रजेन के निए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील मे 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्न
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इमर्मे प्रयुक्त शब्दों भीर पदो ना, जो खक्त श्रधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 3253 श्रीर 3254 परलाकाबाड़ पाटी विस्तार में ही० पी० एस० नं० 1, नडियाड में स्थित हैं। जो नडियाड रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 3988 श्रीर 3989 पर ता० 13-12-1979 पूर्ण वर्णित में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 8-8-1980

प्रकृष भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद कार्यालय

ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 980 एक्वी०-23-II/80-81--यत:, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 233, 232/2, 232/1, 231/3, 1 231/1 स्रीर 232/2 है, तथा जो मुलतानबाद, डामास, सूरत में स्थित है (स्रोर इपने उपावद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण स्रधि नियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 15-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल स्रिश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उन्तरण सिधित में वास्तिवक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण म हुई किसा पाय की बाबन उपत अधि-नियम, के सधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाशित्व में कमी करने या अससे अपने में सुविक्षा के सिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ प्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया माना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के न्हिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के झनू-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नबिबित व्यक्तियों, वर्षाता :-- श्री गुलाब दास पी० जारीवाला, बेगामपुरा, वाडवाली शेरी सुरत

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुकुन्द बेनिलाल दलाल, 9/1302, बालाजी रोड, सुरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मा प्राक्षेप :---

- (क) इ.स सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्या में किए जो सकेंगे।

स्यब्दीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जा उनत अधिनियम के भ्रष्टपाय 20-क में पिरभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्रपाय में दिया गया है।

अनुसूची

मलिकयत जो 1/5 भाग सं० नं० 233, 232/2 231/1 231/3, 231/1 श्रीर 232/2 सुलतानबाद ड्मास में स्थित है। जो तारीख 15-12-1979 में यथोचिस रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, यहमदाबाद

तारीख : 20-8-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद कार्यालय
श्रहमदाबाद, दिनांक 20 श्रगस्त 1980

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० 981/एक्बी०/23-3/80-81--यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ए, सर्वे नं० 46 है, तथा जो जनकपुर बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) पुरेती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण भाँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भां की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. श्रीमती सविताबेन रामन लाल पटेल, श्रमी एपार्टमेंट नं 2, गोपाल भाग के सामने, रेस कोर्स सर्कल बड़ौदा (श्रन्तरक)
- श्री जितेन्द्रा मनुभाई पटेल, 'रामथीप' गोपाल भाग के मैं पास रेसकोर्स सिंकल, बड़ौदा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, लो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

श्रचल सम्पत्ति जो प्लाट नं० ए, सर्वे नं० 64, जेतलपुर गांव बड़ौदा में स्थित है। जो सब रजिस्स्ट्रार बड़ौद के कार्यालय में बिकी खत नं० 5756 पर तारीख दिसम्बर मासिक, 1979 में रजिस्ट्री की गई है। श्रौर श्रर्थात मलकियत संपूर्ण वर्णित है।

> एस. एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्ष**ण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 20-8-1980

अधिक है

प्रकृप आ र् विश्व एतव एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-ध (1) के घंधीन सूचवा मारास सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 20 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 982एक्यु० 23-II/80-81— यतः, मुझे, एस० एन० मंडल, आयकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस दल्में इसके पंग्लात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खनित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से

श्रौर जिसकी सं० सब प्लाट नं० 8, प्लाट नं० 1-ए मिलन प्लाट नं० 1 एवं नं० 167 श्रौर 168 है, तथा जो प्रताप नगर इन्डस्ट्रियल एरिया, बड़ीदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीती श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-12-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यशान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है प्रौर मुझे प्रइतिशाग परने का कारण ै कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित राजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रहु प्रतिशत से प्रतिक है और मन्तरक (धन्तरकों) सीर प्रव्यशिति (अन्तरितियां) हे भीत ऐसे प्रकरण के लिये हम पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविश क्ष से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुँ किसी पाय की वात्रत, उक्त श्रीधितियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्व में कभी करने या उनसे बचने में सृविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी पाद या किसी धन या अना आस्तियों, की जिल्हें भारतीय श्राद्रमार अधित्रिया, 1922 1922 का 11) या अवत श्रीधित्यम, या धन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना भाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधितियभ को धारा 289-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 289-ध ो उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात '---

- 1. (1) श्री एन० बी० धारिया,
 - (2) एस० बी० धारिया,
 - (3) वाई० बी० धारिया,
 - (4) एस० बी० धारिया
 - (5) जे० बी० धारिया, सब रहते हैं:---

10, निर्मेल नित्रास, बोमानजी पेटिट रोड बम्बई-6

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स ग्रान्तिलाल मणिलाल एण्ड सन्स, 660/795 सुन्दर चौक, मुलजी जेठा मार्कीट, बाम्बे-2

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति अवर्धन के लिए ार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कार भी धार्जेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 कित की सबिध या तर्नचंदी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन का सबिध, जें भी धर्यांध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूजीनत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी प्रन्य स्थक्ति द्वारा प्रघोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पट्टी वरणा -----इसमें प्रयुक्त गब्दों मौर पदों का, वो उक्त महि-नियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस सक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रौर मकान जिसका रेवेन्यू नं० 167 श्रौर 168, सब प्लाट नं० 6 प्लाट नं० 1 ए, मिलन प्लाट नं० 1, प्रतापनगर इंडस्ट्रियल विस्तार , बड़ौदा में स्थित है । जो बिक्री खत नं० 4175/71 पर सब रजिस्ट्रार बाम्बे के कार्यालय में तारीख 14-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है । श्रर्थात मिलकत सम्पूर्ण वर्णित है ।

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, प्रहमवाबाद

तारीख: 20-8-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर स्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दूसरी मंजिल, हैण्डलूम हाउस, आश्रम रोड, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद-380009, दिनांक 20श्रगस्त 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 983/एक्वी०-23-II/80-81 —अतः, मुझे, एस० एन० माँडल,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचिर बाजार मूल्य 25,000/- ४१ए मे प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2, सर्वे नं० 42, हिस्सा नं० 1 है, तथा जो सुभानपुरा, बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भौर अन्तरित (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- श्री भानू भाई लाकाभाई पटेल, 20, वृन्दावन कालोनी, रेसकोर्स सर्किल बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चन्द्रकान्त मिनभाई पटेल (एच० यू० एफ०) भारतीबेन रमेश भाई पटेल दोनों कानपुर में रहता आनन्द।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्परशक्तरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल मलिक्यत जो प्लाट न० 2, सर्वे नं० 42 ग्रौर हिस्सा नं० 1, सुभानपुरा बड़ौदा में स्थित है । जो बिक्री खत नं० 6115 पर रजिस्ट्रार बड़ौदा के कार्यालय में दिसम्बर महीना 1979 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात मलिक्यत सम्पूर्ण विणित है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज-II,म्रहमदाबाद

तारीख : 20-8-1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं श्रार० ए० सी० नं० 188/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12-2-330/ए है, तथा जो मुरादनगर हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक स्था से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने नें सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उसत अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रन्सरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

- 1. (1) श्रीमती रजिया बेगम,
 - (2) श्री मुहमद ग्राजामोद्दीन,
 - (3) मुहमद मनीरोद्दीन,
 - (4) भुह्रमद मुकतारोद्दीन
 - (5) मुहमद जुलफेकारोद्दीन,
 - (6) मुहमद जहीरद्दीन ,
 - (7) मुहमद कुरेशीद्दीन,
 - (8) श्रीमती व महबुब ग्रफसर वेगम,
 - (9) श्रीमती जाफर बेगम तमाम का घर मुरादनगर हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती वहीदा रूकमाना पति मुहबुद इश्राहीम गौरी घर नं० 49 दत्तान्त्रिय कालोनी हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 12--2--330/ए गुरादनगर , हैदराबाद बीस्तर्न 3-60 वर्ग यार्ड र्गजस्ट्री दस्तावेज नं० 7271/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-7-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भागकर श्रिज्ञिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देण सं० ग्रार० ए० सी० नं० 189/80-81---यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अजीत समन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित 25,000/- ६० से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 12-2-330 है, तथा जो मुरादनगर हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसने दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर ग्रन्तरक

(क) अस्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त मित-तियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; श्रीर/मः

धन्तरिती (धन्तरितियों) ने बीच ऐसे भन्तरण के लिए

लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण,

जिखित में बास्तविक इष्प हैं अधित नहीं किया गया है :--

(ख) ऐसी किसो भाग या किसी धन या भ्रम्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भव, उक्त श्रक्षिनियम की धारा 269-ग के भनुसरक में में, उका श्रिधिनियम को धारा 269-म को उरबारा (1) के अधीन बीनिक्निसिक्टित स्यक्तियों भ्रमति:——

- 1. (1) श्रीमती राजिया बेगम, पती स्वर्गीय मुहमद इमामोद्दीन
 - (2) श्री महमद श्राजमोद्दीन
 - (3) मुहमद मजाजारोहीन,
 - (4) मृहमद मुख्नारोहीन.
 - (5) मुहमद ज्ल्पेकारोद्दीन,
 - (6) मुहमद जहीरोद्दीन,
 - (7) मुहमद कुरणीदीन,
 - (8) श्रीमती महबूब श्रपसर बेगम,
 - (9) श्रीमती जापर वेगम तमाम का घर मुरादनगर हैदराबाद

(श्रन्तरक)

2. श्री मुहमद वाऊदगीरी पिता मुहमद यकदुम गौरी मुरादनगर हैदराबाद (12-2-330 मुरादनगर) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करें त्रवींक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस पूजना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त सब्दों श्रीर पदों का, को उक्त श्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय में विया गया है।

अ**न्स्**ची

घर नं० 12-2-330--त्रीस्तीर्न 360 वर्ग यार्ड मुरादनगर हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7269/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हेंदराबाद में।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 10-7-1980

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 191/80-81

-अतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रुपये मृह्य 25,000/→ से भ्रधिक भौर जिसकी सं० वार्ड 19/ब्लाक 3 है, तथा जो विजय नगर कालोनी हैदराबाद में हिथत है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्प्रत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के **बी**च ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित श्रद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भ्रविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा के (1) के भ्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, भ्रयितः---9---25601/80

- 1. श्री मुहमद श्रब्दुल समाद पुत्रस्वर्गीय 'गुलाम जीलमनी 11-1-204 अगहापुर हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. (1) सैयद सुलतान और दूसरे पुत्र स्वर्गीय सैयद पासा 11-3-547 मालेपल्लो हैदराबाद ।
 - (2) सैयद फरहन पुत्र स्लर्गीय सयद पासके, 11-5-589 रेड हिल्स, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रशासन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनबद्ध िसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशंहसाक्षरी के पान निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त जन्दों ग्रौर पदों का, जो उकत अधि-नियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है. बही ग्रथ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन 942 स्केयर यार्ड मालेपल्लि हैदराबाद में रजिस्ट्री नं० 7035/79 हैदराबाद में।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-7-1980

प्रस्प आहर हो। एन० एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्योतय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1980

निर्देश सं० श्राई० एं॰ सी० नं० 192/80-81--यत:, मुझे, एस० गोविन्द राजन, आ यकर अधिनियम, 1961 (1981 (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज∵र मृस्य 25,000/- इपये से श्रक्षिक है ग्नौर जिसकी सं० 5-8-59 से 91 है, तथा जो स्टेशन रोड, नमपल्लि हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूणरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यइ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे बुस्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीध ऐमें भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित . उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से ऋषित नहीं किया गया है।—

- (३) भ्रस्तरण से हुई किसी पाय का वासत उन्ह प्रिश्रितयम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के वासिश्व में कमी करने या उससे बजत में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय धाय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त धिधिनियम या धन-कर धिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा घकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भ्रबः, उन्त अधिनियम का धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त प्रश्नियम की धारा 269-ण की उप-भारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यन्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री मूलजी प्रेमजी सपुत्र प्रेमजी ज्ञान बाग कालोनी हैदराबाद (श्रन्तरक)
- श्री लालजी शिवजी सपुत्र शिवजी मकान नं 0 5 ~ 3 ~
 824गोश महल, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,
 को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के
 भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख है

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति

 में हितबद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, प्रधीहरूगा=

 क्षारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों और गर्दों का, जो उन्त अधिः नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उन्न अध्याय में दिया मया है।

मनुसूची

5-8-59 से 5-8-91 तक प्लाट नं० 11 स्टेशन रोड, नामपल्लि हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्सावेज नं० 7187/79 हैदराबाद में।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 16-7-1980

(भ्रन्तरक)

प्रकृप भाई०डो∙एन एस ---

आयकर ब्रिश्चिमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के घन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० भार० ए. सी० नं० 193/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर भ्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से पश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-2/3 प्लाट 2 है, तथा जो भ्रानन्धनगर करताबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वीकत सम्पत्ति के खिनत बाजार मूह्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिनत बाजार मूह्य, उसके सूक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित कहिंग्य से उक्त भन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या एससे बचने में सुविधा के लिए। बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में स्विधा के लिए;

अत! अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री भगवान दास सपुत्र श्री हो मन दास लालवानी 3-6-361/26 हिमायत नगर हैदराबाद ग्रीर 8/1028 मुखरम जहि रोड, बारंगल में रहने वाला।
- 2. श्रीमती सुरिया जिंबन पत्नी सैयद मुमताज अली मकान नं 3-6-428/1 हिमायत नगर हैवराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
 हित्तवढ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी
 के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

साब्दी हरण: --- समें प्रमुक्त गम्दों और पदों का, जो छक्त ग्रश्चित्रम के भव्याय 20-क में परिमाणित है, कही अर्थ होगा को उस भव्याय में विया गया है।

अनुसुची

जमीन सी-2/3 प्लाट 2 म्रानंद नगर कैरताबाद हैवराबाद में सर्वे त० 94, 95 श्रीर 96 रजिस्ट्री हैवराबाद में दस्तावेज नं० 3186।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-7-1980

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निर्देश स० ग्रार० ए० सी० नं० 196/80-81--यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर प्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प≢वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वासने कर का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज।र मृत्य 25,000/- ए॰ से ग्राधिक है भ्रौर जिसकी सं० 1-8-563/2 का विभाग है, जो चारमीनार कास रास्त हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबग्र ग्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रांतणत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूपसे कथित नहीं किया गया है। ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या विश्वसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर शिव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उपत धिर्धितयम, या धन-कर प्रवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रताः श्रवा, उक्त व्यधिनियम की धारा 269-म के ग्रमुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभ्रोम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) पल्कुरीचीक्षा सूर्यं नारायणा,
- (2) पी० कालीदास दोनी का घर नं० 4-3-33 कीताग्रहण वीषयनगरम पे-पी वैधाक-जीला (ग्रन्सरक)
- 2. मैंसर्स सूर्यमुखी इस्टर प्रेसेस
 - (1) डा० जी० नागमुशणय चीकडपल्ली हैदराबाद
 - (2) बी॰ गोपाल राव घर नं॰ 1-9-312/2 विध्यानगर हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाबोप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन को घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीका से 30 विन की घविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्टीकरण:--६ पर्मे प्रयुक्त गब्दों और पर्शे का, जो उक्स ग्रिश्तियम के ग्रह्माय 20-क में परिश्वित है, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का विभाग वीस्तैन 424 वर्ग या है मा० या नं० 1-8-563/2 श्रवाप में दीवार है श्रजामाबाद इन्डस्ट्रियल पर चार मीनार क्रास रास्ता हैरदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 7514/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैसराबाद में।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-8-1980

प्ररूप माई० टी• एत• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के धधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैंबराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मगस्त 1980

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 197/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 450 वर्गयार्ड जमीन है, तथा जो चारमीनार कास रास्त. हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधियनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के तृश्यमान श्रतिकल के लिए शन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान श्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिकल के पश्चह प्रतिकत से अधिक है श्रीर धन्तरक (शन्तरकों) श्रीर धन्तरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निक्षित उद्देश्य छे उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उबत ग्रधिनिवस के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के बायरव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए। ग्रीए/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य घास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविद्या के सिए।

अतः भवं, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भविनियमकी धारा 269-ध की उपचारा (1) के अधीन, निष्निसिखत स्थितियों, अर्थात्:—

- 1. (1) पलकुरी चिन्ना सूर्यनारायणा,
 - (2) पी० कालीवास-घर नं० 4-3-33 कीताग्राहाम विजयनगरम ए० पी० वैजाग जिला

(म्रन्तरक)

- 2. मैसर्स सूर्यमुखी इन्टर प्रैसेस
 - (1) डाक्टर श्री० जाराकृष्णय घीकडगल्ली हैदरानाद
 - (2) वी॰ गोपाल राव घर न॰ 1-9-312/2 विद्यानगर हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी ध्रथ्य क्यन्ति द्वारा, घघोइस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीक्ररणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्था श्रितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उत ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 40 वर्ग यार्ड है ग्रीर मा० नं० 1-8-563/2 का भाग है जिसकी ग्रनाप में दीवार है ग्राजयाबाद इंडस्ट्रियल जगह में वारमीनार कास रास्ता हैवराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 7642/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> एस॰ गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रजैंग रेंज, हैदराबाव

तारीख: 7-8-1980

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० धार०ए०सी० नं० 198/80-81—यतः मुझे, एस०गोविद राजन,

भायकर शिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रिवात् 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अत्रोत सभम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति जिसका उचित बागार मृह्य 25,000/- क्पए से प्रक्षिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 136, 137, 139 142 है, कोटापेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिक्ट्रीं जर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908) 1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उपके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (भंतरितीयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भम्तरण लिखित में शस्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रांधिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रम्तरक के बाविस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में मुविधा के सिए;

अतः, ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में मैं, उक्त ग्राधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन' निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राधीत:—— 1. श्री टी॰ भारत सिंह् 3-6-150 हिमायतनगर हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

2ू ती० ए० पी० कर्माशयल कर ईमपलाईज कोआपरेटिव हार्कसिंग सोसायटी लिमिटेड नामपल्ली हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य क्यांक्त द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पाम किस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिर्मियम के लब्याय 20—क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन सं० नं० 136, 137, 139 तक 142 जुमला धीस्तर्ने 3 एकर्स है कीतापेट है्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7494/ 79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-8-1980

प्रहर्भ ग्राई० टी० एउ० एउ०⊸---

सायकर श्रिधिनिथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्राचीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाध

हैवराबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निवश सं० ग्रार० ए० सी० 199-80-81/ए — मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए मे प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन सधें नं० 159, 160 है, तथा जो जमीस्थापुर हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1979

16) के प्रधीन ताराख दिसम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का
उचित बाजार मूल्य, उराके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है धौर
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के क्षीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उकत अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घ्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के श्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातः---

- श्री एस० बाबय्या 1-6-519, जमीस्थापुर, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कलाधर वीकर सेक्शन को-आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसायटी बाकारम, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई मी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दिताद किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 159 श्रौर 160 वीस्तीर्णनं० 2700वर्ग मीटर है दयारामारकेट, जिमस्थीपुर, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7076/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> एस० गोविन्य राजन सन्नम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रार्गन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 7-8-1980

मोहर

प्रकप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निर्देश संश्रार० ए० सी० नं० 200/8 0-8 1---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी सं० सर्वे नं० 299/1 है, तथा जो मलकाजीगिरी गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, है रिराबाद ईस्ट में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्ति को चिष् एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उच्चित्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

- 1. (1) श्रीमती एमदी बेगम, याकूतपुरा, हैदराबाद,
 - (2) मीरभोष्ट्रः मद हुसैन, याकृतपुरा, हैदराबाद,
 - (3) मीर मडहम्मद हसन, जी० पी० ए० नं० 3-1
 - (4) सैयद उस्मान श्रली, मौला अली, हैदराबाद।(श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स इन्डो नियन एक्या कारमीक गृष्ट निर्माण सहाकारा संगम, टी० बी० नं० 108 गोपाल रेड्डी माधिकारिता में सी० के० एस० म्रार० के० मूरती सेकेटरी, वी सुदर्शन राव कमेटी मेम्बर है।

(भ्रन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

खुली जमीन सर्वे नं० 299/1 का विभाग है, वीस्तीर्णनं० 14 एकर्स है मलकाजगीरी गांव में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 12475/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद दस्ट में ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-8-1980

10447

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 भ्रगस्त 1980

निर्देश सं० भ्राप्र० ए० सी० नं० 201/80-81---यत⁻, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

पायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी मं $\circ 298/1$ श्रौर 303/1 है, तथा जो मलकाजगिरि गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद नार्थ में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख दिसम्बर 1979 को पुर्वोक्त सम्पत्ति 市 उचित बाजार मृत्य कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विष्वास करने है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान क्रितिफल से ऐसे, दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्त∢ण के लिए तय पप्यागया प्रक्रिकल. निम्नलिखिन उध्देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के बन्तरक के धायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख्र) ऐसी किसी आप का किसी खर का अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम, या धत-कर श्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ वा किया नाना जाहिए था, छिताने में मुक्का के लिए;

अतः, अयः, उक्तं अधिकियमं की धारः 269-गं के अनुसरण औं, में, उक्तं अधिकियमं की धारः 269-घं की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

256G1/80

- 1. (1) श्रीपी० वी० एल० तिम्माराज्
 - (2) पी० मुब्बाराजू,
 - (3) मी० म्रार० राजू
 - (4) श्री के० आर० राजू,
 - (5) श्रीमती जानिकम्मासय निवासी घर नं० 1/191 लिगोजिगंडा गांव ।

(ग्रन्तरिती)

(2) M/s The Modern Co-operative Housing Society Ltd. Represented by its Secretary Sri P. Ramanaiah H. No. 4-1-624 Troop Bazar, Hydetabad. (Transferee)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वीक्त सम्पक्ति के भजन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकीप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन की भ्रवश्चि या तत्स्य करी अपक्रिक की भ्रवश्चि या तत्स्य करी अपक्रिक की स्वाधित की तामील से 30 दिन की सविधि, को भीवार श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवार श्रविधित कार्यों में से किसी व्यक्ति कार्या;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के प्रस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पत्रों का, की 'उक्त श्रधिनियम', के ग्रध्यात 20-क में यया परिकाधित हैं, वही अयं होगा, जो उस ग्रध्यास में ब्रियम गया है।

ग्रनुसूची

. जमीन सर्वे नं० 298/1 श्रौर 303/1 मलकाजगिरि सिकन्दराबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12555/79 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद नार्थ में है।

> एस० गोविन्द राजन सन्नम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, हैदरासाद

नारीख: 7-8-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन०एम०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक, ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 श्रगस्त 1980

निदण सं० श्रार०ए० सी० नं० 202/8 0-8 1—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अपनित सभाव प्रधिकारी को यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिन्हा उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० से प्रधिक है

ष्मौरजिसकी सं० 303/1 है, तथा जो मलकाजगिरि, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र इ प्रतिशा श्रक्षिक है और अन्तरण (प्रन्तरकों) भौग अन्तरिती (प्रन्तरितिषों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तप गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविण ख्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के अधित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

थतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रथीत् :---

- 1. (1) श्रीपी० बी० एल० थिम्माराज्,
 - (2) थो पी० मुब्बाराजू,
 - (3) श्रीसी० एच० ग्रार० राजू,
 - (4) श्री कें श्रार राजू
 - (5) श्रीमती एम० जानिकम्मा, घर नं० 1/191, लिगोजिंगडा गांव ।

(श्रन्तरक)

 दि मॉड्रन कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी 4-1-624, हैदराक्षाद ।

(ग्रन्तरिती)

को प्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तमापन होती हो, के भीतर पूर्वोतन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के
 पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो एकत श्राधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 303/1, मलकाजिगिरि, सिकन्दराबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 12658/79 रिजस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी हैदरानाद ईस्ट में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-8-1980

प्रारूप आई० टी • एन० एस०-----

आण्कर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 26 सम्ब (1) के अधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 203/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख के ध्रधीन समाम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अवित बाजार मूल्य 25.000,-र० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं 146 से 149 है, जो लोयूकुन्टा गांव, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 की पूर्वोक्त सम्पति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल के पिन्द श्रामण्य श्रामण्य का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रश्नारण के जिए यथ याद्य गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण कि खित मे वास्तविक रूप से कारण नहीं किया गया है ——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिश्चनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः, सब, उक्त अधिनियम की भारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की भारा 269 म की खपधारा (1) के अधीन निम्नेलिखित स्थानितयों, अर्थात् :---- 1. श्री सूरज गौली, घर नं० 76/ए०, तरिमुलघेरी मिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

 दि कोकायता कोब्रापरेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को पड़ सुबना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकार को तारोख में 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धो अपित्रयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी सब्धि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी अपित द्वारा;
- (ख) क्षा सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, धर्धाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकी ।

स्वर्ध्धाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदो का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही प्रयं दीगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 1 एकड़ सर्वे नं० 146, 147, 148 ग्रीर 149 लोथूकुन्टा गांव रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2787/79 रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी सिकन्दराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-8-1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०--

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदंगंबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त, 1980

निर्देण सं० प्रार० ये० सी० नं० 204/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान न० 25 (22-7-269/25) है जो, सालारजंग मार्केट, दिवान डेवडी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजामपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किंसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसेह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गैया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुर्विधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिनयों, अर्थात:——

- मैं० शॉ बिल्डमं 22-7-269/3 दिवान देविड, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सैयद बिन ग्रमिर पुत्र ग्रमिन बिन ग्रबदुल्ला, 22-1-371 मुलतानपुरा, हैदराबाद-24। (ग्रन्तरिती) को यह सुधना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

कार्यवाहिया करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियमं, के अध्याय 20 क में परिशाणित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

दुकान नं० 25 (22-7-269/25) मालारजंग मार्केट, दिवान डेविड हैदराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रजामपूरा के रजिस्ट्रीकृत नं० विलेख 3535/79 में दर्ज है।

> एस० गौविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-8-1980

प्रस्प आई० टी० एन० एम०-----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 श्रगस्त, 1980

निर्देश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 205/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- धपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है जो सालारजंग, मार्केट दिवान डेवर्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रजामपुरा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और प्रम्तरक (ग्रन्तरकों) प्रौर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बम्तरण के लिये तय पाया गंपा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखान में वास्तविक एप से कंपित नहीं विया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनाम के अधीत कर देत के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उसन बजा में सविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय घायकर अधित्यम. 1922 (१२22 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिस्ती द्वारा घकट नहीं किया गया या या किया खामा चाडिए चा, छिपाने में सुविधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-मक्त में, में, ब्रात अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मै० शॉ बिल्डमं, 22-7-269/3 दिवान डेवर्डि, हैदराबाद। द्वारा पर्धिनर श्रो मैथ्यद अब्दुल हमीद, पुत्र मैथ्यद अब्दुल्ला, 6-2-977 ''गुलिस्तान'' खैरताबाद, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)

2. श्री बणीर ग्रह्मद पुत्र गुलाम मोहम्मद, 16-5-91/ 3, फरहत नगर, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जा उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20 कमे परिभाषित है वही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसृघी

दुकान सालारजंग मार्केट दिवान डेवडी, हैदराबाद मे जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रजामपुरा के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3534/79 में है।

> एस० गोविन्द राजन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-8-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर म्रिमियम, 1961 (1961 हा 43) को धारा 269-ध (1) के श्रवीन मूचना भारत परकार

कार्यालय, सर्गतिक प्रायक्तर प्राप्नुका (तिरोक्षण) श्राजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त, 1980

निर्देश सं० श्रार० ऐ० सी० नं० 206/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन.

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गरा है), को धारा 269-ख क अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिनका उतिन वाजार मूल्य 25,000/-हपए से ग्रिषिक है ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 24 है, जो 22-7-269/24 सालारजंग माकट दिवान देवडि हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राजानपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐपे ग्रन्तरग के लिए तय राया गया प्रतिकत निम्ततिक्रित उद्देश्य न उत्तर अन्तरण निश्चित मंबास्त्रविक लगासे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण ए पुर्व किसी प्राप्त की बायत, उक्त व्यक्षि-निप्त के प्रचार कर दें। के पन्तरक के दायिस्य के कसी करने या उससे बचा में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) एसा किसी आय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रेबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उना ग्रेबिनियम, या धन-कर ग्रेबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिशी जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने मे गुविधा के लिए;

अतः म्रज, उक्त म्रिधिनियन, की धारा 269-ग के म्रनुमरण में, मै, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के म्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भ्रार्थीत्:—

- 1. शां बिल्डसं 22-7-269/3 दिवान देवडि हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- श्री मोशिन बिन श्रमिर मदिना बिल्मि 22-1-371 मुलतान पुरा, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के <mark>प्रार्जन के लिये</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी स्रविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्न स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किनी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थादिकरण--इतन प्रयुक्त शब्दां ग्रीर पदां का, जो उक्त ग्राधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही प्रयं होंगा जो उस ग्रदगय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप नं० 24 (22-7-269/24) सालारजंग मार्केट में जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3533/79 में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस =--

गायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

राबाद, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

निर्देश ग्रार० ये० सी० नं० 207/80-81— यतः मुझं, एस० गोविन्द राजन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उका श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधी। सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिवत बाजार मूह्य 25,000/- रुपये में अधिक है श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो श्रजमाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त मध्यति के उचित बाजार पृथ्य से कम के बुश्यमान प्रतिक्रल के लिए अध्यारित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयाप्त्रीयन सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिक्रल में. ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिकान प्रधिक हैं और अन्तरक (अध्यरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्या नाया गया प्रतिक्रत, निम्निचित उद्देश्य से उस्त अन्तरण कि बित में बास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मिलियम के भ्रधीत कर देते के अन्तरक के बाजित्व में कमी करने या उनसंबबने में मुविधा कलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यादिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उस्त मिश्रिनियम की घारा 269-म के मनूसरण में, मैं, उस्त मिश्रिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री पालूकुरि चिन्ना सूर्यनारायण पालूकूरि कालिदाँस 4-3-33 कोठा अग्राहारम, विजया नगरम।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सी० ग्रम्ना बाई पति श्री मोतिलाल मकान नं० 13-2-362 रही मपुरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुजना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्तन सम्पत्ति के बार्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की ग्रविष्ठ, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी श्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्षोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह-साक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जनत ग्राधिनियम, के लब्बाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

खुली जमीन मकान नं० 1-8+563/2 श्रजमाबाद, हैदराबाद में है बिस्तीर्ण 450 चतुर्गज जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 7010/79 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिश्रकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8 श्रगस्त 1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 श्रगस्त 1980

निर्देण सं० ग्रार० ए० सी० नं० 208/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रिधिक है

ग्नौर जिसकी मं० सर्वे नं० 302, 303, 309 ग्रौर 293 है, जो गुड्डा मल्लापुर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिथल के पण्डह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रम्तरक (श्रन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुतिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :--

- 1. श्रीमती के० सत्यावनो श्रीमित के० मानिकबाम्मा, श्रो० जो० हरिनाथ, राव जी० पी० ए० वि० काल्पना, जी० हरीनाथ राव घर नं० 12-2-716 बोरबन, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2 मैं ० एकाखन्टेंट जनरल श्राफिस कोश्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, सैफाबाद, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समानि के प्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीत में 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त गड्यों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रिश्विनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मर्वे नं० 302, 303, 309 श्रौर 293 गुड्डी मल्लापुर में विस्तीर्ण 2 ऐकड़ 26 गुटा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3105/79 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कैरताबाद, हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 8-8-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० ग्रार० ऐ० सी० नं० 209/80-81— यतः मुझे, एस० गोबिन्द राजन,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संव खुली जमीन है, जो सर्वे नंव 1-4-1011 गोलकोन्डा क्रांस रोड़, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिरट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखा म वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिविनियम के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य ग्रांस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या घन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रसः ग्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः-- 1. (1) श्रो(मती) ग्रामना बाई पति ग्रब्दुल हुसैन

(2) ताराबाई पति महमृद ग्रली हरयानावाला

(3) फक्तरहीन पिता अब्दुल हुसैन

(4) हातिम हुमैन पिता ग्रब्दुल हुमैन, 1-4-1011 गोनकोंडा कास रोड़, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)

2. श्रा तिरुमला टावर कत्स्ट्रवशन्स पार्टनर श्री एम॰ एस० चन्द्राययमा 1-1-593/सो० गांधानगर, हैदराबाद-500380। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडरोकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों धीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के बड्याय 20-क में परिकाषित हैं, बही अयं होगा जो उप अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुलो जमोन नं० 1-4-1011 विस्तीनें, 704 चतुर गजगोनोंडा क्रास रोड़ हैदराबाद में जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7615/79 रजिस्ट्राकर्ती ग्रधिकारों हैदराबाद में हैं।

> एम० गोवित्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-80

मोहर:

10-256GI/80

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 भ्रगस्त 1980

निर्देश मं० श्रार० ए० सी० नं० 210/80-81-यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से ब्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है, जो सर्वे नं० 145 बका-राम, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है),

रिजम्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजम्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 16) के ग्रधीन दिसम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्राध-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रम, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री एम० म्रहोबिला णास्त्री 1-1-742/ए० गांधी-नगर, हैदराबाद। (म्रन्सरक)
- 2. श्रीमती भ्रजरा सुलताना पति कुमालुद्दीन 1-4-8 79/53 गांधोनगर, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्रांसित होरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितदा किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः →-इतमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

ण्लाट नं० 9 सर्वे नं० 1.45 विस्तीर्ण 395 चतु बकाराम हैदराबाद में है जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7721/79 रजिस्ट्रोकृत श्रधिकार: हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-80

प्रकप धाई • टी • एत • एस • ----

नायकर बिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 211/80-81---यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- र∙ से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 116, 117, 118 है जो पारक लेन सिकन्द्राबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध भ्रतुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है पीर अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया अविफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्वरण लिखित में अस्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (ह) अन्तरण में हुई हियों आप को बाबत उकत अधिनियन के पश्चीन कर देने के घरतरक के शायित्व में कभी करने या उसने सचने में सुविधा के निष्. और/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी अन या अन्य भास्तयों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्ता चाहिए था, कियाने भें सुविधा के निए।

अतः धन, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 को धनुसरण में, में, धनत विधिनियम, की घारा 269 को उपघारा (1) के अधीन, निम्नसिधित स्पक्तियों, अर्थात् :--

- मेशर रिषक चिनाय 134, पेडरगास्ट रोड़, सिकन्द-राबाद। (भ्रन्तरक)
- 2. मैं० नटराज कन्स्ट्रकशन कंपर्नाः 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छन्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति दारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बर्धभारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, को उपत अधिनियम के धव्याय 20-क में परिभाषित है, कही अये होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिलिंडगन्म नं० 116, 117 और 118 पार्क लेन, मिकन्दराबाद में जैमा कि रिजिस्ट्राकृत विलेख नं० 7448/79 रिजस्ट्रोक्त श्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-80

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०~------

आयकर मोधेनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1980

निर्देश मं० श्रार० ये० सी० नं० 212/80-81--यतः मुझे, एस० गोथिन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत प्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसको सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क लेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है पोर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया बया प्रतिकन, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिष-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर'या
- (खा) ऐंसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत:—

- 1. श्रीमती गूल डि॰ उमरिगर राजा महल 144 महर्षि कर्व रोड़, बम्बई। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० नटराज कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप ।---

- (क) इस यूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखितं में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिस्डिंग्स न० 116, 117 ग्रौर 118 पार्क लेन, सिकन्दराबाद में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7449/ 79 रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 19-8-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) कें मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 ग्रगस्त, 1980

निर्देश सं० मार० ये० सी० नं० 213/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 116, 117 श्रीर 118 है, जो पार्क तेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुचधी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याज्य, हैदराबाद में भारतीय राजिस्ट्रीवरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रिकल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूथ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का ग्लाह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में शस्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः, अव, उक्त प्रश्विनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण i, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन निस्निधिता व्यक्तियों, प्रथात :---

- 1. श्रोमती सोना एन चिनाथ 1431 मेसिनटायर रोड़, मिकन्दराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन कंपर्नः 116 पार्क लन, सिकन्दराबाव। (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिध-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

भनुसूची

तान बिडिंग्स नं० 116 ,117 ग्राँर 118 पार्क लेन, सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रेंकृत विलेख नं० 7450/79 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रदराबाद

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप याई॰ दी • इन • एत • ---

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की छारा 269-व (1) के घंछीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भावुनत (निरीकन)

ग्रर्जन रेंज, **हैदराबा**द

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1980

निर्देश म० भ्रार० ये० सं१० नं० 214/80--81--बतः मुझे, एम० गोविद राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्प्रसि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वि से प्रधिक है

मार जिसकी संव 116, 117 श्रीर 118 है, जो पार्क लेन सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसुची में और पूर्णकृप से बिणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के जिमे मन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उस दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षाबल, स्वक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-न की पपधारा (1) अधीम, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रामती मोना एन० चिनाय 143/1 मेसिनयपर रोड, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. मैं ० नटराज कन्स्ट्रक्शन्स 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचा जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्मक्ष्यक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकानन की तारी करे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, घछोह्स्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पड़ों का, जो उन्नत प्रधि-नियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिन बिलिखंग नं० 116, 117, 118 पार्कलेन सिकन्दराबाद में जमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7451/79 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारं/ हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

त।रीख: 11-8-1980.

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 भ्रगस्त 1980

निर्देश सं० भार० ये० सी० नं० 215/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- स्पर्य से प्रधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 116, 117 ग्रीर 118 है, जो पार्क लेन, सिकन्दराबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावस प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 के

पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अण्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धनकर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के गनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:---

- श्रीमती सोना एन० चिनाय 143/1 मासिनटायर रोड़, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. मै॰ नटराज कन्स्ट्रक्शन कंपनी, 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजणत में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्तीकर ग: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है ।

श्रनुसूची

तीन बिहिंडग नं 116, 117 और 118, पार्क लेन सिकन्दराबाव, जैसाकि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 7352/79 रिजस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी हैदराबाद में है।

> गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैटराबाव

तारीख: 11-8-1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1980

निर्देण सं० मार० ये० सी० नं० 216/80~81—~ ब्रह्म: मुझे, एस० गोविन्दराजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 116, 117 ओर 118 है, जो पार्क लेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम. की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

- 1. श्रीमती सोना एन० चिनाय भ्रौर लोग, 143/1 भासिनटैर रोड, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. मैं० नटराज कन्स्ट्रक्णन कंपनी 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी वासे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स नं० 116, 117 ग्रौर 118 पार्क लेन सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में ग्रौर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7579/79 है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

मोहरः

प्रकृप पाईं डी एन एस-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1980

निर्वेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 217/80-81-यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सज़म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्मति, जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/- स्थये से प्रधिक है

पौर जिसकी मं० 116, 117 श्रौर 118 है, जो पार्क लेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के जीवत बाजार मृत्य से कम के पृत्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित ही यई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का जीवत बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रनिक्त, निम्निक्तिव उद्देश्य से उनन अन्तरण लिखित में बाहत-

- (क) घन्तरण से दुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अश्रीन कर वेते के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य घास्तियों की. जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिविषम, या धनकर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जान वाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रत: प्रव, उभत प्रजितियम की प्रारा 269-ग के अमुसर्थ में, में, उनत प्रवितियम की धारा 269-म की उपधाचा (1) के अधीन निम्नलिखिल स्वक्तियों, प्रचीत्:—
12—256GI/80

- 1. श्रीमती सोना एन० चिनाय, 143/1 मासिनटैर रोड, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरक)
- मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन कंपनी ,116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यॉक्त अंपर्ति के शर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी धान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहरूनाक्षरी के पाम लिखित में किए जा महोंगे ।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिवियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा की उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूख'

तीन बिल्डिंग्स 116, 117 श्रौर 118 पार्क लेन सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7424/79 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप आई ० टी० एन्० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 218/80-81--यतः भन्ने, एस० गोविन्दराजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 116, 117 भ्रौर 118 है, जो पार्क लेन सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विथा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसा भों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. श्रीमती सोना एन० चिनाय, 143/1 मासिनटैर रोड, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरक)
- मै० नटराज कन्स्ट्रक्णन कंपनी ,116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होशी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह1।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स नं० 116, 117 स्रौर 118 पार्क लेन सिकन्दराबाद में जैसाकि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7425/79 रिजस्टीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

प्रक्ष भाई० टी० एन० एस०----

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 भ्रगस्त 1980

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 219/80-81—यतः, मुक्षे, एस० गोविन्द राजन,

प्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धार। 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम श्रिष्ठिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 116, 117 भौर 118 है, जो पार्क लेन, सिकन्बराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिनांक दिसम्बर,

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उबित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रनर्त (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का स कियत नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत उक्त श्रिष्ट-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आयथा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रतट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त अधिनियम की बारा 26 है-ग के धनुसरण मैं, मैं, उक्त ग्रधिनियम की बारा 26 है-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थीत् :---

- मेजर रशीद चिनाय, चिनाय मानसन 134-बी०, पैडरगास्त रोठ, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० नटराज कन्स्ट्रक्शनम कंपनी 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति क प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्यक्तिण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौरपदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दियागया है।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स नं० 116, 117 फ्रीर 118 पार्क लेन सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 7427/79 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद में हैं ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप आहर्. टी. एन्. एस.------

आयकर भिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 भ्रगस्त 1980

निर्देण सं० ग्रार० ए० सी० नं० 220/80-81---यतः मुझे, एम० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० 116, 117 श्रौर 118 हैं, जो पार्क लेन, सिकन्दराबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वांक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अथित्:——

- 1. श्रीमती सोना एन० चिनाय, 143/1 मासिनटैर रोड, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. मैं० नटराज कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी, 116 पार्क लेन मिकन्दराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स 116, 117 श्रौर 118 पार्क लेन सिकदराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7426/79 रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 221/80-81--यत:, मझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 116 117 ग्रीर 118 है, जो पार्क, लेन सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रांर इससे उपाषद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्टीकरण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिसम्बर

को पृत्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रिंतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्रे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

1. श्रीमती गल डी० उमर्गण 11+, राजामहल, 7 करवे रोड बम्बई। (ग्रन्तरक)

2. मैं० नटराज कन्स्ट्रबशन्स कंपनी 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद । (भ्रन्धरिती)

को यह सचना जारो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि है। तरमम्बन्धी व्यक्तियो पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपहित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम को अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनु सुची

तीन बिल्डिंग्स नं० 116, 117 ग्रांट 118 पार्क लेन निकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्टीकृत विलेख मं० 7428/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैरदराबाद

मतः सम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अप्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः ---

तारीख:11-8-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर भीषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गुन रेंज हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 1056—यतः मुझे एम० गोविन्दराजन

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवास्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 7-28-23 है, जो राजमंह में स्थित (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 6-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यक्त प्रिकृत गी, एपं दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित कि कि त्य पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उब्त अधिनियम, की धारा 209-ग के अनुसरण मो, मी, तकत श्रीधिनियम की थारा 269-घ अर्थ उपधारा (1) के अधीन, फिम्मिकिंग्सन व्यक्तियों अर्थात्:---

- ा. (1) श्री नोरि वंसदेरवर्ज्
 - (2) नोरि श्रीनिवास टैलीविजन सेंटर मद्रास। (श्रन्तरक)
- 2. श्री पोलु सुवाम्मा (सुवाम्मा मंगलवारपुब्बाट राजमंद्र। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के प्रतिष्ठ का भक्तन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य क्यांक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखिस में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह⁵।

अनुसुची

काकीनाड रिजस्ट्री धिकारी से पाक्षक स्रंत 15-12-79 में पंजीकृत दस्तायेज नं० 29073/79 में निगमित अनु-सुची संपत्ति।

> एस० घोविद राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज,हैंदराबाद

तारीख: 11-8-80

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 ऋगस्त 1980

निद्रण सं० यार० गे० सी० नं० 1057—यत: मुझे एस० गोविंदराजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका अचित वाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ष्मीर जिपकी सं० है जो राजभुंद्री में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विज्ञ है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कार्किनाङ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-1979

को पूर्वोकत संपरित के अधिक वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि अधार वर्वन संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्त को अधिक हो और अन्तर्य (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अवर्यक के लिए तम पामा गया प्रतिक्त कि निम्निलिखत उद्देश्य में अब अन्तरण विशित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया ही:

- (क) अस्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रित्य हा को आपि पर पोन को असरक को दायिक में अमी करने या अससे अचने मों स्विधा को लिए; और/या
- (स) फ्रेंसी किसी अलग का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों एएपिय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को नो) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किसा प्राप्त करियों को लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिकार की भाग 269 घ को उरधारा (1) के अधीन, जिस्मीलिखित अधिवार्थों अधीन: ---

1 (1) नोरि विस्वनाधम

(2) नोरि वेंकटाचल पतिराव }
(3) नोरि भेपाद्रि णास्ति आंध्र यूनिवर्सिटी वालटेर (श्रन्तरक)

2 श्रीमती पोलू सब्बाम्मा मंगलवारपुपेट राजमंद्री । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वाराः
- (ख) इस मूचना के राजपण में पकारण की नारींत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वष्टीकरणः—=इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 10-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जी उस अध्याय में दिया गण हैं!

बन्सूची

काकीनाड रिनस्ट्री अधिकारी के पांक्षक श्रंत 15-12-79 में पंजीक्षत दण्यायेज गं० 29074/79 में निगमित अनुमूची संपत्ति।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रासक्षर श्रायुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख : 11~8-1980

प्र व्य आई० टी । एन० एस०----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैटराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगम्त, 1980

निर्देश मं० श्रार० ये० मी० नं० 1058—यत: मुझे, एम० गोविंदराजन,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है, जो राजमुन्द्री में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्री प्रधिकारी के कार्यालय, काकिनाड में भारनीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 7-12-1979

को पूर्वोकत सम्पति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्लिजिक व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) नोरि वेंकटेस्वर्लुं, टेलीविजन सेंटर, मद्रास[†] (2) नोरि श्रीनिवास (श्रन्तरक)
- श्री पोलू चिन वेंगलरेड्डि डोर नं० 9-25-26, राजमुन्द्री (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कािकताड रिजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षक श्रंत 15-12-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 9098/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप माईं० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रदराखाद हैवराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 1059—यत: मुझे, एस० गोविन्दराजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो राजमुद्धी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में कित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काविनाह में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आत्र या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- 13—256 GI /80

- 1. (1) नोरि विशवनाथम
 - (2) नोरि वेंकटचलपथिराव
- (3) नोरि शेषादी शास्त्री प्रोफेसर, आंन्ध्रा यूनिवर्सिटी। वालटेर। (श्रन्तरक)
 - श्री पोलु बाल बेंगलरेड्डी, राजमुन्द्री, इन्नीसुपेट। (ब्रन्तरिती

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिकि नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

काकिनाड रजिस्ट्री अधिकारी की पांक्षक श्रंत 15-12-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 9097/79 में निगमित अनुसुवी संपत्ति।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप आई०िटी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० आरं० ए० सी० नं० 1060—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मृह्म 25,000/- रू से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो विसाखापतनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकत अधिकारी के कार्यालय, विसाखापटनम में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1979

की पृथींबत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वींबत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल भे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्छ ह प्रतिशत से भीष्ठक है और भन्तरक (ग्रन्तरकी) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के श्र्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (छ) ऐसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रांधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री श्राकेल्ल सूर्यनारायनराव 27-4-48 विसाखा-पतनम। (श्रन्तरक)
 - 2. मै० ग्रान्ध्र प्रभा प्रायवेट लिमिटेड विजयवाडा। (श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रजं**न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समान्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

हराव्योकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो ६०० ३.धि-नियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सुची

वैजाग रजिस्ट्री स्रधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-12-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 8926/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> एस० गोविंद राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराचाद

तारीख: 11-8-1980

मोहरः

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 भ्रगस्त 1980

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1061--ग्रत: मुझे एस० गोविन्द राजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वान करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जितका उत्ति वाजार मृत्य 25,000/-म्पएने अधिक है। ग्रीर जिसकी सं० है, जो बजाग में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) एजिन्द्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय विसाखापटनम में ग्रधिनियम 1908 16) के अधीन तारीख 14-12-1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने पन्तरण के लिए तय पाया गया पतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उसत भिक्षित्यम के भधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए; और/या

लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उनत भ्रष्टिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उनत भ्रष्टिनियम की धारा 269-भ्र की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् :--- श्री अवसराल अवेंकट ग्रनंत रामाराच डि० 54
ए० डि० पि० ल० कालोनी हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
 श्रीमती मृत्यम वेंकट रमिन द्वारकानगर विसाखा-पटनम-16! (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन दे सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीच से
 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर
 सूचता की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, हे भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

 किनी प्रत्य ब्यक्ति हारा, अबोहस्ताक्षरों के पास
 जिखान में किए जा नकीं।

इसब्दो इस्म :- व्हानं प्रमुक्त भव्यों भी पर्या भा, जी उम्स प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी भ्रयं हागा, जी उस सध्यान में दिया गया हैं।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-12-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 9169/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980

प्ररूप आहर . टी. एन्. एस.--

भागुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1062--यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० है, जो

से स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकं दरयमान प्रतिफल से, एसं दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित अन्तर्य गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:-- 1. श्रो घंटा वेंकट शेषय्या, आजा गार्डन्स, विसाखापत नम्। (ग्रन्सरक)

1. (1) श्री केसव देव शर्मा (2) प्रभातलाल शर्मा, (3) कामेस्वरलाल शर्मा, (4) मोहनलाल शर्मा, (5) रामनिवास शर्मा, (6) श्यामसुन्दर शर्मा, विसाखापतनम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) ध्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हु⁸।

श्रनुसूची

वैनाग रिजस्क्षी धिकाट्री से पाक्षिक द्यंत 15-12-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 9100/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराचाद

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरराबाद, दिनां क 12 अगस्त 1980

श्रार० ए० सी० नं० 1063—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं है, जो स्तबाले गरुबु, गुटूर तालक में स्थित है (कौर इससे उपाबद्ध स्रनूसूची में स्रोर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुडूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 21-12-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिबत उद्देश्य से उता प्रत्नरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रिविनयम की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रिविनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री पि० साम्यूल, पातपट्टिभ पुरम गुट्र (पि० नवीन चद्र वेखर पापतपटटाभि पुरम, गुट्र (श्रन्तरक)
- (2) श्रार. ए० मान्यू पातपट्टिभ पुरम, गुटूर (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- -इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी अर्थ होगा जो उस अभ्याय में बिया गया है।

अनुसूची

गुटूर रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षक भ्रन्त 31-12-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6888/79 में निगमित भ्रनुसूची संपत्ती।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12-8-1980 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सूचता

भारत सरकार

कार्बाज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 भ्रगस्त 1980

निर्देश सं० सी० नं० 222/80-81—-प्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उगत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मत्ति, जिसका छिचत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 8-8-66 है, जो माकनमपार करियनगर स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करिमनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 दिसम्बर 1979

पूर्वोषत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री एम० कोडलाराव (पिता भ्रागम राव चिलवानया गांव सिरिसिल्ला तालुक करिमनगर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री पि० माटलिंदर राव पिता नरसिंग राव मैकारम गांव, पेछापिल तालुक (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के <mark>श्रर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त नम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नुजना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर तम्मित में हिनवद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्वेगे।

स्यब्द्रीफरण:—इनमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियन के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

धर न० 8-8-66 मरकारमपुर करिमनगर (विस्तर्न 395 चतुरगज जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विशेख नं० 5632/79 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी करिमनगर में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के भधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अथितः —

तारोख: 11-8-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्साबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1980

सं० म्रार० ए० सी० नं० 223/80-81--यतः मुझे ए० गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 6-3-73 है, जो जगत्याल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जगत्याल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और ध्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन नियननिधित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री गौरिसेट्टि सामबा मूरती पिता रामलाल जगश्याल (अन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती टि॰ निरमला देवी पति टि॰ रामाराव वाबि ताकिस जगत्याल
- (2) वि० भ्रनसुया देवी पति डी० सुदरण्ञन रेेड्डि भ्रन्नापुरना टाकिस जगत्याल (भ्रन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6-3-73 विस्तीर्न 963 चतुर गज जगत्याल पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3831/79 रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी जगत्याल में है।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराब।द, विनांक 12 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी० नं० 224/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्व राजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भ्रीर जिसकी सं० 13/462 से 465 है, जो विवेकानदा स्ट्रांट नंदयाल स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप से घणित है), रिजस्ट्रकर्त्ता श्रिधकारी के क्यालय बंदयाल में भारतीय रिजस्ट्रीरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिसम्बर 1979

16) के अधान दिसम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित याजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय हर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनयम, या घनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः, श्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) श्री बोगारापू पापय्या पिता बोकयया नंदयाल टौन । करनाल जिला (श्रन्तरक)
- (2) श्री बोगारापू सुब्द्या गुरुवाय्या पिता पेड्डा गुरुवायया नंदयाल टौन करनूल जिला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की शबिध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधीत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाब्दी करण: ---इतमें प्रयुक्त मन्दों स्त्रीर पदों का, जो उक्त स्वधि-नियम के स्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस स्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

मैं० नंदि रैस मिल नंदयाल रेलवें स्टेशन, नं० 13-462 से 465 विवेकानंदा रोड में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3917/ 79 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी नंदयाल में है।

> एस० गोत्रिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रययुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 12-8-1980

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्णेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 घ्रगस्त 1980

निवेश सं० घार०ये०सी० नं० 225/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 13/462 से 465 है, जो विवेकानंद रोड नंदयाल में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता घधिकारी के कार्यालय, नंदयाल में भारतीय रिजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपरित का उचित बाजार म्ल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फस निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर∕या
- (क्त) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए:

अतः वयः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के जनुसर्ख में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियाँ वर्षात्ः---14-256GI/80

- (1) श्री बोगारप् बेन्गोपाल चेट्टी पिता पापायया नंयाल टाऊन (प्रन्तरक)
- (2) श्री बोगारप् सुध्वा गुरूवयय। पिता पेड्डा गुरूवयया नंदयाल टाऊन, करनूल जिला (भन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गै।

ल्पक्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा वर्भ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मै॰ नंदि रैस मिल नंदयाल रेल स्टेशन नजदिक में नं० 13/462 से 465 विवेकानंदा रोड, नंवयाल में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3919/79 रजिस्ट्रीफर्सा अधिकारी नंदयाल में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 12-8-1980

प्ररूप भाई। टो। एन। एस।

यायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 ग्रगस्त 1980

निवेश सं० धार० ए० सी० नं० 228/80-81—यतः मझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रणवात् 'उनत श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीत तक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्याव 'तम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से श्रीष्ठक है

ग्रीर जिसकी सं० 4-2-1068/2, 3, 4, ग्रीर 5 है, जो स्लतान बाजार हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकृत के गर्ड है थीर मुझे यह विश्वास एक का जारव है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पृत्व उनके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पृत्व प्रतिकृत प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और प्रस्तिरती (प्रस्तिरिवियों) के बीच ऐसे अस्तरण के निए ते, ग्रीस निया निया प्रतिकृत, निम्तितिश्वत उद्देश्य में उचित अस्तरण जिल्ला में बास्तिविक स्था से कथित नहीं निया गया है:---

- (बा) घन्सरण से हुई किसी घाय की वाबत उक्त प्रिवित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिस्व में कमी करने या धससे वचने में भूविका के लिए; भीर/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य यास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उस्त ग्रिवियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त पश्चिमियम की घारा 269-व की उपवास (1) अग्रीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्।— (1) श्रा वि॰ राजा मौकि पिता वि॰ रामचन्द्रायया 4-1-912/3 तिलक रोड हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

ट. श्री रतानसि प्रेम जी झा और दो 22-1-78/1 तुरप चारिमनार हैदराबाद (श्रीमती मनी बेन ग्रार० झा, पित ग्रार० पि० झा श्री फूलकुमार रतानसी झा पिता ग्रार० पि० झा०) दोनों एक ही मकान में है)।

(अन्तरिक्षः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धार्शन:- -

- (क) इस भूवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्ति में पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध-काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न के प्रकाशन की नारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्यन्ति में प्रिकार किनी भ्रमा क्यक्ति न्नारा, स्थोतस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जी उन्न प्रधिनियम, के ग्रह्माय 20-क में परिशासित है, वही द्वर्ष होगा, जो उस अध्याय में ध्या गया है।

अनुसूची

मलगोस नं० 4-2-1068/2, 3, 4, 5 सुलतान बजार हैदराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7145/79 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी हैदराबाद में है।

ए० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 12-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आध्यक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रगस्त 1980

निदेण सं० धार०ये०सी० नं० 225/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 13/462 से 465 है, जो विवेकानंद रोड़ नंदयाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नंदयाल में भारतीय रिजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन

को पूर्ण कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपगान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 14—256GI/80

- (1) श्री बोगारपू बेन्गोपाल घेट्टी पिता पापायया नंगाल टाऊन (श्रन्तरक)
- (2) श्री बोगारपू सुब्बा गूरूवयया पिता पेड्डा गूरूवयया नंद्रयाल टाऊन, करनूल जिला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या स्त्यम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

अनस ची

मैं० नंबि रैस मिल नंबयाल रेल स्टेशन नजिवक में नं० 13/462 से 465 विवेकानंदा रोड, नंबयाल में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख गं० 3919/79 रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी नंदयाल में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 12-8-1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •--

मानकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाव, दिनांक 12 घगस्त 1980

निवेश सं० घार० ए० सी० मं० 228/80-81—यतः मुझे एस० गोबिन्द राजन,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-वपसे के प्रधिक है

मौर जिसकी सं० 4-2-1068/2, 3, 4, मौर 5 है, जो सूलतान बाजार हैवराबाद में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में मौर पूर्णरूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्सा मधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन विसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृत्यमान शतिकत के लिए मन्तरित को गई है मौर मुझे यह विश्वास कर्शने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उतके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृत्यमान प्रविक्त का पन्नह प्रतिकत मधिक है भौर मन्तरित का उचित बाजार मूल्य उतके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृत्यमान प्रविक्त का पन्नह प्रतिकत मधिक है भौर मन्तरिक (मन्तरिकों) और मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निम्नलिख में बास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई अिसी भाग की बाबत उक्त प्रक्रियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वासित्व में कमी करने या छससे अचने में शुविका के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या तिसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविका के लिए;

ब्रुटः ब्रथ, उपत घष्टिनियम की ब्राप्ट 269-ग के बनुवरण में, में, उपत घष्टिनियम की ब्राप्ट 269-म की व्यवाद्य (1) अभीन निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात्।— (1) श्रो वि० राजा मौकि पिता वि० रामनस्द्रायया 4-1-912/3 तिलक रोड हैवराबाद

(मन्तरक)

ट. श्री रतानिस प्रेम जी झा और दो 22-1-78/1 तुरप चारिमनार हैवराबाद (श्रीमती मनी बेन झार० झा, पित झार० पि० झा श्री फूलकुमार रतानिस झा पिता झार० पि० झा०) दोनों एक ही मकान में हैं)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवर्श किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त पश्चितियम, के मध्याय 20-क में परिभावित है, बही धर्म होगा, जो उस भश्याय में दिया नया है।

बनुसूची

मलगोस नं० 4-2-1068/2, 3, 4, 5 सुलतान बजार **है**दराबाद में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7145/79 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद में है।

ए० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच: 12-8-1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० 🗕

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० आर० ए०सी० नं० 229/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 42 है, जो पेंडरगास्ट रोड सिकंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनूसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त और-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिश्चित व्यक्तियमी नुभृति:—— (1) श्री हीरानन्व बी० भोजवानी जी० पी० ए० उत्तम जन्द पेंडरगस्ट रोड सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) जे ० लक्षमन राज मारिवपल्ली सिकन्दराबाव (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उतर अधिनियम को अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 42 सर्वे नं० 156 से 159 पेंडरगास्ट रोड सिकन्यराबाद में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2702/79 रिजस्ट्रीकली द्राधिकारी सिकन्यराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारी**व** 12-8-1980 मोहरः

प्ररूप आई० दी० एव० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधोन स्मिना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 236/80-81—यतः मुझे एम० गोविन्द राजन, 3

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० ए5/ बो 3, 1-7-234 सं० 241 है, जो एम० डि॰ रोड सिकिटराबाद में स्थित है (घौर इससे उपाबख ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप में विणित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालग, सिकिटराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहमभाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई क्षिक्षी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका था किया जाता चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की सम्मध्य (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रो अरजुन राय मेहना विदा सवित्रवाद मेहता (2) अगवित मेहता (3) अगो त मेहता पिता नयनिवलाद मेहता सुलतान बजार हैदराबाद (अन्तरक)
- श्रीमता नन्दकूरवाला, पति नरोत्तम ए 5/3 वा चंत्रलोक बिल्डिंगस लस डि॰ रोड सिकंदराबाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जान र ----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जकत विधिनियम:, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रमुसुची

पलाटनं० ए० 5/बी 3 घर नं० 1-7-234 से 241 सरोजनी देवि रोड सिकंदिराबाद में है जैसा कि रिष्ट्रं हत थिलेख नं० 2882/70 रिजिस्ट्रोक्स ब्रिधिकारो सिकंदराबाद में है।

> एस० गोजिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, हैदसबाद

तारीख: 16-8-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 भ्रगस्त 1980

निदेश सं० अार० ए०मी० नं० 229/80-81-—यतः मुझे एम० गोधिन्द राजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि एक वर्ष रार्थित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 42 है, जो पेंडरगास्ट रोड सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनूसूची में ग्रीर पूर्णक्ष से विजत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिसम्बर 1979

ा पूजा- प्रभागि के अचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उक्के दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फश निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों स्थातः — (1) श्री हीरानन्य बी० भोजवानी जी० पी० ए० उत्तम चन्द पेंडरगास्ट रोड सिकन्दराबाव

(भ्रन्तरक)

(2) जे० लक्षमन राव मारिवपल्ली सिकन्दराबाद

(भन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाअप:--

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन को ंतरोत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागी।

स्थाकत्रकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 42 सर्वे नं० 156 से 159 पेंडरगास्ट रोड सिकन्दराबाय में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2702/79 रिजस्ट्रीकस्ती श्रिधकारी सिकन्दराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

ता**रीज**- 12-8-19**8**0 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 धगस्त 1980

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 236/80-81---यतः मुझो एस० गोविन्द राजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० ए5/ बी3, 1-7-234 सं० 241 है, जो एस० डि॰ रोड सिकिंदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रमुभूची में भौर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकिंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण शिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन दिसम्बर 1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (सं) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गृक्षा था किया जाता चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के. अनुतरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित स्थावितयों, कर्षात्:—

- (1) श्री अरजुन राय मेहता पिता नवित्तलाल मेहता (2) अग्रविन मेहता (3) अग्री ह मेहता पिता नवित्तलाल मेहता सुलतान बजार हैदराक्षाद (अन्तरक)
- श्रोमता नन्दक्रवाला, पति नरोत्तम ए 5/3 बो चंद्रलोक बिल्डिंगस लस डि० रोड सिकंदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आजप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

पलाट नं ० ए० 5/बी 3 घर नं ० 1-7-234 से 241 सरोजनी देवि रोड सिकंदिराबाव में है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2882/70 रजिस्ट्रीकत्ती ग्रिधिकारी सिकंदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-8-1980

मोहरः

प्ररूप आई• टी॰ एन• एस•-

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्रण)

प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रगस्त 1980

निर्वेश सं श्रार ए० सी० नं 237/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-चा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे, नं० 104 है, जो ऐंस्लारेड्डी गूडा हैवराबाद में स्थित है (धौर इससे उपाबद इत्सूर्च में धौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रक्सा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृध्यमान प्रतिफल के पश्च प्रतिशत से अधिक है घोर घन्तरिका (धन्तरकों) धोर घन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे घन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त घन्तरच लिखित में वास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर भधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

- (1) श्री ए० एम० वी० प्रसादराय (हेच यू० एफ०) पिता रामक्या घर नं० 8-2-601 रोड नं० 10 बंगराहिह्स हैवराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स दि० कौसल्या कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी 8-3-317/1 युसफगूडा हैवराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मंपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षोप ।--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अवधि मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे!

स्यब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है

प्रमुस्यो

कुल जमीन सर्वे सं० विस्तोर्न 3 माकर ऐल्लारेड्डी गूडा हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 2822/79 रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी कैरताबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैद राबाद

तारीख: 16-8-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 भ्रगस्त 1980

निर्देश आर० ये० मी० नं० 232/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269-ख के श्रिधीन प्रथम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रिधिक हैं

श्रीर जिसकी संव सर्वे नंव 10/1 है जो सितारामपूर गाव बीनेपित्ली सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ती श्रीधकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त तंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरममान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया प्रया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भीक्ष-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी ििसी आप या िसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रमुसरण मे, मैं, खक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्रं बि० विजयोवर रेड्ड पिता फेट परुलारेडडं हासमेट पेट रोड बौनेपहिल सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रों वि० पडमाणाली कीग्रापरेटिय हार्डीसग सोसायटा लिमिटेड टि०ए० वि० नं० 2 कवाडिगूडा हैदराबाद (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

खक्त सम्पति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 चिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्वों भीर पर्वों का, जो सक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिराति जमीन सर्वे नं ० 10/1 विस्तीर्न 4840 चतुरगज सितारामपुर गाव बौनेपहिल (सिकन्दराबाद में जैसे कि रिष्ट्रिट्ट्र विलेख नं ० 2691/79 रिजस्ट्री हत्ती ग्रिधिकारो सिकन्दराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रजनरेंज, हैदराबाद

दिनांक: 14 अगस्त, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस •----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 भ्रगस्त 1980

निर्देश सं० ये० सं१० नं० 233/80-81—यतः मुझे एस० गोनिन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ४० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सब नं० 10/1 है, जो सितारामपुर गांव बौनेपस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उरावद अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्म से वणित है), रिवस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकन्दराबाद में भारतीय रिवस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रीर अन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्तिविद्या उद्देश्य से उस्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त घछि-नियम के घडीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय मा किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रवः, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः —

- (1) श्रो बि० विजयोदरा रेड्डा पिता फेट परुल्या रेड्डो हसमत पेट रोड बौनेपल्ली सिकन्दराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्री दि० पदमाणालि को श्रापरेटिव हार्छासँग सोसायटो लिभिटेड कवाडिगूडा हैदराबाद (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ध्रधि-नियम, के झध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

कृषि जमीन सर्वे नं० 10/1 विस्तैन 4840 स्कवा० यार्ड० सितारामपुर गांव वीनेपटनाः सिन्दराबाद में जैसे कि रिजस्ट्राकृत विलेख नं० 2722/79 रिस्ट्राकृती प्रधिनारा सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, हैदराबाद

तारीख: 14 अगस्त, 1980

प्ररूप गाई० टी० एन० एस०——— भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1980

भ्रार० ए० सी० नं० 234/80-81----यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

श्वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं सर्व नं 10/2 है, जो सितारामपुर गांव बौनेपहली सिकन्द्राबाद स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुष्ट्रा में भीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय, (सिकन्दराबाद में भारतं य रिजस्ट्रकरण प्रधिनित्म, 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रतिक्रल के लिए प्रन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह्म प्रोतेशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिस्नियम के प्रधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व मं कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, जोए/या
- (का) ऐसी किसी प्रैयाय या किसी घन या अपन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मब्द्र उक्त व्यक्षिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, छक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधान निम्नलिकत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रो बि० विजयोदर रेडडी पिता लेट पहरूता सिकिन्द्राबाद (2) श्रो बि० राम० रामरेड्डा पिता श्री एम० रामरेड्डा नितानरातिहारेडडी मारेडाल्जो, सिकन्द्राबाद (ब्रन्तरक)
- (2) श्रो दि॰ पटमाशाली को श्रापरेटिन है। सिंग सोसायटा लिमिटेड कवाडिगूडा, हैवराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर छन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त धिर-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उत अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

कृषि जमीन सर्वे नं० 10/2 विस्तोर्न 4840 चतूरगज सितारामपुर गांव बौनेपल्लो सिकन्द्राबाद में जैसे कि रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 2761/79 रजिस्ट्रोकृती प्रधिकारो, सिकन्द्राबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 14 अगस्त, 1980

प्ररूप ग्राई• टी• एन• एस•----आयकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 235/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रघीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है \mathbf{x} ीर जिसकी सं० सर्व नं० 10/2 है, जो सितारामपुर गांव बौनेपरुली: सिकिन्दराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनु-सूर्व। में फ्रीर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकार। के कार्याजय, सिकिन्दराबाद में भारत य रिजस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रर्धान दिसम्बर 1979 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रग्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसं बृश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह प्रतिशत से ऋधिक है मीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिध-नियम के भधीन कर वेने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, एक्त ग्रिविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रीविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिवीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:—

- (1) श्रो बि० विजयोतर रेड्डी पिता लेट बि० परलक रेड्डो बौनेपरता लिक्टियराबाद । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रो वि० पडमञ्जाली को अपारेटिव हार्डीसग सोसायटी लिमिटेड कवाडिगाडा (हैदराबाद)।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति आदि:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रव्याय 20- ह में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि अमीन सर्वे नं ० 10/2 विस्तोर्न 4840 यतरगज सिनारापुर गांव बौनगल्लो सिकिन्दराबाद ; जैसे कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं ० 2900/79 रजिस्ट्रीकर्त्ती प्रधिकारी सिकिन्धराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख: ा4-8-80

संघ लोक सेवा श्रायोग

नोटिस

ग्राशुलिपिक परीक्षा, 1981

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1980

सं० एफ 11/1/80-प० I (ख)—मारत के राजप स्न, दिनांक 27 सितम्बर, 1980 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासति ह सुनार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के प्रनुसार नीचे दिए गए ौरा 2 में उल्तिखित प्रस्थायी सेवाग्रों ग्रौर पवों पर भर्ती के लिए संव तोक मेना प्रायोग द्वारा ग्रगरतत प्रहमदाबाद, ऐजल, इलाहावाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकसा, चण्डीगढ़, कोचीन कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इाफाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्वास, नागपुर, पणजी (गोत्रा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, ग्रिलांग, ग्रिमला, श्रीनगर ग्रीर जिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुळ चुने हुए भारतीय मिशनों में 15 मार्च, 1981 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी:—

अत्योग यदि चाहे तो, परीक्षा उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की नारी अमें परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदश्वरों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान भ्रथवा स्थानों के बारे में सुचित किया जाएगा। (देखिए उपाबंध, पैरा 11)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर जिन सेवाग्नों थ्रौर पदों पर मती की जाती है, उनके नाम ग्रौर विभिन्न सेवाग्नों ग्रौर पदों से संबद्ध रिक्कियों की ग्रनुमानित संख्या निम्नलिखित हैं:——
 - (i) भारतीय विदेश सेवा (ख)—-(ग्राश्निपिक उप-संवर्ग का ग्रेड-II)

4 (जिसमें ग्रनुसूचित जाति के लिए 1 ग्रारक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

 (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय स्टनोग्राफर सेवा ग्रेड ग्रेड ग (उक्त की चयन-सूची में सम्मिलित करने हेतु)

(iii) केन्द्रीय सचिवालय आगुलिपिक सेवा— ग्रेड-ग (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)....

- (v) सगस्त्र सेना मुख्यालय श्रागुलिपिक सेवा---ग्रेड-ग
- (iv) भारत सरकार के कुछ ग्रन्य विभागों/ संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयीं में ग्राश-लिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ब) रेन बोर्ड सचिवालय ग्राशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय ग्राशुलिपिक/ सशस्त्र सेना मुख्यालय ग्राशिलिपिक सेवा/ में सम्मिलित नहीं हैं

*रिक्तियां सरकार द्वारा सुचित नहीं की गईं।

उपर्युक्त रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित विसी एक या एक से प्रधिक सेवाओं/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए भावेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परिका में क्रिया पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पन्न भेगी की प्रावश्यकता है। तीत्रे पैरा-7 में उल्लिखित गुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए श्रावण-प्रावण नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

नोट :—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले बुछ विभागों/ कार्यालयों का केवल श्रंग्रेजी ग्राणुलिपिक की ही श्राव-श्यकता होगी ग्रीर इस परीक्षा के परिणामों के ग्राध र पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्बीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा श्रंग्रेजी के ग्राणुलिपिक परीक्षण के श्राधार पर श्रायोग द्वारा श्रनुमासित दिया जाता हैं (इष्टब्य: नियमावली के परिक्षिष्ट 1 का पैरा 4)।

4. उम्मीदबार को अपने आवेदन-पत्न में ये स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन मेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छु हु है। उसे तकाह दी जानी है कि वह अपनी बच्छा-नुमार एक से अधिक वरीयताओं का उत्लेख करे ताकि योग्यता अम में उसके स्थान को ध्यान में रखते वए नियुक्ति करते समय उसकी बरीयताओं पर भली-भांति बिचार किया जा सके।

उम्मीदवारी क्षरा निर्दिष्ट उन सेवाओ/पदों के बरीयता क्रम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परिक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा अधिंग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित प्रावेदन प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिख्ली-110011 को प्रावेदन करना चाहिए। निर्धारित प्रावेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो क्ष्मए भेज कर प्रायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राक्षि, सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीम्राडर या सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल ग्राडर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीम्राडर/पोस्टल ग्राडर के स्थान पर चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये ग्रावेदन-प्रपत्न श्रायोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो हपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएंगे।

^{**}प्रनुस्चित जातियों तथा प्रनुस्चित जनजातियों के उम्मीववारों के लिए भारत सरकार द्वारा यथानिर्धारित रिवितयों आरक्षित की जाएगी।

नोट :- - उम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती है कि वे अपने आवेदन
पत्न पाणुपिपक परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित मुद्रित
प्रपत्न में ही प्रस्तुन करें। आणुलिपिक परीक्षा, 1981
के लिए निर्धारित प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए आवेदनपत्नों पर जिचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुन्रा आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाइस, नई दिल्ली-110011 को 24 नवस्वर, 1980 (24 नवस्वर, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा श्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, अनम, भेवानग, प्रकणाजन प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, ब्रिपुरा, मिकितम श्रीर जम्मू काश्मीर के नदाख डिघीजन में रहने व ले उम्भीदवारों के मामले में 8 दिसम्बर, 1980) तक या उससे पहले डाक इत्या प्रवश्य मिजवा दिया जाए या स्वयं श्रायोग के काउन्टर पर प्रकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी अविदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या ग्रंडमान एवं निकोधार द्वीप समूह, लक्ष्ट्वीप, ग्रसम, मेधालय, ग्रमण ज्वल प्रदेश, मिजोरम, मणीपुर, नागालैंख, त्रिपुरा, सिकिम ग्रौर जम्मू एवं काश्मीर के लद ख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों से ग्रायोग यदि घाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुन करने के लिए कह सकता है कि वह 24 नथम्बर, 1980 से पहले की किसी नारीख से विदेशों में या ग्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, ग्रसम, मेघालय, श्रमणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिविकम अंपर जम्मू एवं काश्मीर के लहाख डिवीजन में रह रहा था।

7. परीक्षा में प्रवेण चाहने वाले उम्मीदमारों को भरे हुए आवेदन पत्न के साथ आयोग का ह० 12.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जातियों के मामले में रु० 3.00) का गुरूक भेजना होगा जो कि मचिव, मंघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखां कित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक भेजा अर्थोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखां कित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक भेजा अर्थोग को नई दिल्ली में स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया को किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखां कित बैंक इत्पट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले जम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च प्रायुक्त, राजदृत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा ध्रायोग-परीक्षा शुल्क" के लेख शीर्ष में जमाहो जाए और ध्रावेदन पन्न के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए ।

जिन श्रावेदन-पन्नों में यह श्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लाग नहीं होता जो नीचे के पैरा 8 के अंतर्गत निधारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8 म्रायोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित श्रहक से छुट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि म्रावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 ग्रीर 25 मार्च, 1971 के बीच की भ्रविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देश) से भारत श्रामा हुन्ना वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्रामा है या वह श्रीलंका से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के श्रन्तग्त 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्रामा है या अने वाला है श्रीर निर्धारित शृत्क देने की स्थिति में नहीं है या निम्न परिभाषा के श्रनुसार भूतपूर्व सैनिक है :—

भूतपूर्व सैनिक का ग्रभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने संघ की सगस्त्र सेनाग्रों (संघ की नौसेना, यल सेना या वायु सेना) में, जिसमें भारत की भूतपूर्व रियासतों की सगस्त्र सेनाएं सम्मिलिति हैं तथा ग्रासाम राइफल्स, सेना सुरक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू ग्रौर काम्मीर मिलीशिया, लोक सहायक सेना, प्रादेशिक सेना सम्मिलिति नहीं है, किसी भी रैक (लड़ाकू या गैर-लड़ाकू) में भपथ ग्रहण करने के बाद 24 नवम्बर, 1980 को कम से कम छह मास की ग्रवधि तक लगातार सेवा कर ली है ग्रौर

- (i) जो कदाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या सेवा मुक्त होने या इस कारण निर्मुक्त होने सक रिजर्व में स्थानांतरित होने से अन्यथा निर्मुक्त हुआ है, ग्रथवा
- (ii) जिसे निर्मुक्त होने या रिजर्व में स्थानातरित होने का हकदार धनने के लिए आवश्यक सेवावधि पूरी करने हेटु 24 नवम्बर, 1980 को 6 मास से कम सेवा करनी है।
- 9. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे मायोग द्वारा प्ररोक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे ए० 3.00 (म्रनुस्चित जातियों और म्रनुस्चित जन जातियों के मामले में र० 1.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त या नीचे पैरा 10 में उपबंधित व्यवस्था को छोड़ कर श्रन्य किसी दावे की स्थिति में श्रायोग को भूगतान किए गए शुरुक की वापसी के किसी भी दावे पर न तो धिचार किया जाएगा श्रीर न ही शुरुक को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार 1980 में ली गई आगुलिपिक परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतिक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पन्न अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1980 के परीक्षाफल के आधार परित्युक्ति हैतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1981 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी और उसकी उसी प्रकार शुक्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उस उम्मीदवार को लौटा विया जाता है जिसे

परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रह कराने भीर गुरुक की वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्योलय में 15 फरवरी, 1981 को या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए।

- 11. आवेदन पन्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के श्रनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।
- 12. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिणिष्ट 1 में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था, सामान्य भ्रांगे के प्रश्न पन्नों में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्न सिहत वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी ब्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार सूचना-विवरणिका के अनुबंध II का अव-लोकन करें।

विनय भा, उप सचिव संघ लोक सेवा भ्रायोग

उपाबन्ध I

उम्मीदवारों को ग्रनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि म्रावेदन-पन्न भरने से पहले नोटिस भ्रौर नियमायली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पान हैं भी या नहीं। निर्धारित करों के छूट नहीं दी जा सकती है

श्रावेदन-पश्च भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, श्रांतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर बिचार नहीं किया जाएगा।

जो उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उससे आणुलिपि परीक्षणों के लिए अपने खर्च पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण आयोजित करने के लिए आवश्यक प्रबन्ध उपलब्ध हो।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपन्न तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिएं। ग्रधूराया गलत भरा हुआ आवेदन-पन्न अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट:— उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट 1 के पैरा 4 के अनुसार अपने आवेदन-पन्न के कालम 9 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिये, जिसमें वे निकम्ध तथा सामान्य ज्ञान के प्रथन पन्नों का उत्तर देने

के इच्छुक हैं तथा आगुलिपिक परीक्षण देना चाहते हैं। एक धार दिया गया विकल्प ग्रंतिम माना जायेगा भौर उक्त कालम परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी भ्रनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा यदि उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जायेगा कि उक्त प्रक्रन-पन्न का उत्तर तथा आगुलिपिक का परीक्षण ग्रंग्रेजी में दिया जायेगा।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के श्रन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन पन्न श्रायोग को सीधे भेजने चाहिएं। श्रगर किसी उम्मीदवार ने श्रपना श्रावेदन पन्न श्रपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो ग्रौर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचा हो तो उस श्रावेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को श्राखरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में आकरिमक या वैतिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी है सिरत से या कार्य प्रभा-रित कर्मचारियों की है सियत से काम कर रहें हों, उन्हें यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सुचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है ।

- 3. उम्मीदवार को ग्रपने ग्रावेदन-पल के साथ निम्न कि कि प्र प्रेलेख ग्रवश्य भेजने चाहिएं:—
 - (i) निर्धारित शुरूक के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल झार्डर या बैंक ड्राफ्ट झयवा शुरूक में छूट का दावा करने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पन्न को प्रमाणित/ ग्रभिप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस के पैरा 7 ग्रोर 8 श्रोर नीचे पैरा 6)
 - (ii) श्रायु के प्रमाण-पत्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पन्न की श्रभित्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि
 - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी०×7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जिनमें से एक प्रति ग्रावेदन प्रपक्ष पर चिपकी हो ग्रोर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपकी हो
 - (v) जहां लागू हो घहां ध्रनुसूचित जाति/ध्रनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थनन में प्रमाण-पत्न के आभिप्रमाण/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

- (४i) चड्डं तागूहो वहाँ प्रायु में छुट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्न की श्रक्षिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिकिणि (देखिए नीचे पैरा 5 (स्त्र) ।
- (vii) उपस्थिति पत्क (घ्रावेदन पत्न के साथ संलग्न विधिवत भरा हुमा।
- (/iii) जिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे (लगभग 11.5 सें० मी०×27.5 में० मी०) के जिन पर भपना पता लिखा हो।

नोट --- उम्मीदवारों को ग्रपने ग्रावेदन-पन्नों के साथ उपर्युक्त मट (ii), (iii), (v)तथा उहिल खित (vi)पर् प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तृत करनी है जी सरकार के किसी राजपदित ग्रधिकारी द्वारा ग्रभिप्रमाणिस हो प्रथवा स्वयं उम्मीववारों द्वारा सही प्रमाणित हो । जो उम्मीववार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर माशुलिपिक परीक्षण के लिए मईता प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घौषित किए जाने के सुरन्त बाद अपर्युक्त प्रमाण-पक्षों की मूल प्रतियां प्रश्तुत करती होंगी। परिणामों के 1981 के जून मास में घोषित। किए जाने की सम्भावना है। उम्मीदवारों को धन प्रमाण-पक्षों को उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की धोषणा के तुरन्त बाद उन्हें भायोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उग्मीदवार उस समय प्रापेक्षित प्रमाण-पत्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार पुन: विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 सौर 6 में दिए गए है —

(i) (क) निर्धारित मुक्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल फ्रार्डर।

प्रत्येक पोस्टल आर्धर स्निनवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर --- "सचिव, संघ लोक सेवा स्नायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक्कपर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी झन्य डाक धर पर देय पोस्टल झार्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे । विरुपित या कटे फटे पोस्टल झार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

सभी पोस्टल श्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर श्रीर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होती चाहिए। 16—256GI/80

उम्मीटवारों को श्रवप्रय ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल श्रार्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा भाषीग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित गुल्क के लिए रेखां कित वैंक ड्राप्ट ---

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक झाफ इंडिया की किसी शास्त्रा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा झायोग को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, की मुख्य शास्त्रा नई दिल्ली में देये होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी इं।लत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विश्वपित या कटे-फडे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए आएंगे।

(ii) प्रायुका प्रमाण-पम — प्रायोग सामान्यतः जन्म की वह मारीख स्वीकार करता है तो सद्रिकुलेशन के प्रमाण-पद्म या माध्य-मिक्स विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पद्म या किसी भारतीय विश्वविद्यालय हारा में द्रिकुलेशन के समझ माने गए प्रमाण-पद्मथा किसी विश्वविद्यालय के सहां से मैं द्रिकुलेशनों के रिजस्टर से दर्ज की गई हो घोर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो जो उम्मीदवार उपचतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक परीक्षा में उत्तीणं हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक परीक्षा में उत्तीणं हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पन्न या समक्त प्रमाण-पन्न की घिषप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है। ग्रायु का घौर कोई साक्ष्य जैसे जन्मपन्नी, णपण पंथ, नगर निगम का जन्म संबंधी उद्धरण ग्रादि स्वीकार महीं किया जाएगा।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न के अंतर्गत उपर्युक्त वैकश्यिक प्रमाण-पन्न सम्मि-चित हैं।

कभी-कभी मद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पह में जन्म की तारीख नहीं होती या धायु के केवल पूरे वर्ष या पूरेवर्ष भौर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मोद्यारों को में हैं कुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न की भौभित्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि के भीतिरिक्त उस संस्था के है मास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पन्न की एक भीभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण बुधा है। इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर से दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिवक भागु लिखी होनी बाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि मिट श्रावेदन-पक्ष के साब इन मनुदेशों में यथा निर्धारित भागु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो मनदेदन-पन्न अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दो जाती है कि यदि भावेदन-पन्न में लिखी जन्म की तारीख मैट्टिकुलेशन प्रमाण-पन्न उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न में दो गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टी-करण में दिया गया हो तो आवेदम-पन्न रह किया जा सकता है।

- नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद

 माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पक्ष हो, उसे केवल

 प्रायु से संबद्ध प्रविष्ट बाले पृष्ठ की ग्राभ-प्रमाणित/
 प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ।
- नोट 2:--- उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने ध्रौर ग्रायोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बात की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की श्रनुमति सामान्यत: नहीं दी जाएगी।
- नोट 3:— जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री ग्ररविन्य श्रन्त-रिष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेन्डरी कोर्स या (iv) दिल्ली पॉलिटेकिनिक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिसिपल से पैरा 3(iii) के नीचे नोट 3 के बाद निर्धारित प्रपन्न पर लिया गया श्रायु का प्रमाण-पन्न ग्रवश्य में जना चाहिए ग्रीर इसके श्रतिरिक्त ग्रायु के प्रमाण के रूप में कोई श्रन्य प्रमाण-पन्न ग्रवश्य में जना चाहिए ग्रीर इसके श्रतिरिक्त ग्रायु के प्रमाण के रूप में कोई श्रन्य प्रमाण-पन्न ग्रवश्य में जना चाहिए ग्रीर इसके
- नोट 4: जो उम्मीदवार पहले से ही स्थाई सरकारी सेवा में हो, उनकी सेवा धुस्तिका की प्रथिष्टियों को जन्म की तारीख श्रीर शैक्षिक योग्यताश्रों के प्रभाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।
- (iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपतः उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिति ए इट्टूट हें उर्न चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पन्न उस प्राधिकारी (श्रयति विष्वदिद्यालय या विसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता टिक्टें प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित हो प्रतितिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवस्य बताना चाहिए और प्रपेक्षित यो यता से सम्बद्ध प्रपने दाने के समर्थन में किसी श्रन्य प्रमाण-पन्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए श्रीर प्रायोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवता के श्राधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्योप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।
- नोट 1—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाता है किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और यह ऐसी अहँक परीक्षा में बैठने व.1 इरादा रखता है तो वह आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पान नहीं होगा।
- नोट 2--जिस उम्मीदधार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्न हो, उसे उस प्रमाण-पत्न

की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एल० सी० परीक्षा-परिणाम की प्रविष्टियों वाले पट्ट की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 3—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्पतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन विद्याधियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल (iii) श्री श्ररविन्द श्रन्तर-राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी का हायर सेकेंडरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेक्नीक के तकनीकी माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिसिपल/हैड मास्टर से नीचे नोट में निर्धारित कार्म पर लिया गया गैक्षिक योग्यता प्रमाण-पत्न श्रवश्य भेजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म दृष्टव्य पैरा 3(ii) का नोट 3 श्रीर उपर्युक्त नोट (3)। प्रमाणित किया जाता है

(विद्यालय का नाम)

*ओ शब्द लागू न हो उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:--- उम्मीदवार को श्रपने हाल ही के पासपोर्ट श्राकार (लगभग 5 सें० मी०×7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति ग्रावेदन-प्रपन्न के पहले पृष्ठ पर श्रौर (श्रन्य प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए) फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

घ्यान दें:— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि ग्रावेदन-पत्न के साथ ऊपर पैरा3 (ii), 3(iii), ग्रीर 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्न ग्रादि में से कोई एक संलग्न न होगा भौर उसे न भेजने का उचित स्पब्टीकरण भी न दिया गया होगा तो भावेदन-पत्र अस्वीकार किया जासकता है भौर इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अभील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किती अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के
समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता
या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उम्मण्डन
अधिकारी या नीवे उल्लिखित किती अन्य अिकारी से जिने
नंबद्ध राज्य बरहार ने पहुन राज-एवं ज रीकारों के निर्वन के
अधिकारी के का में पहुन जिला कि राहों, नीवे दिए गर्हाम
में अमाण-पत्न लेकर उसकी एक अभिअमाणित/अमाणित अतिलिप अस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और
पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह अमाज-पत्न उस जिने के
अधिक री ने निर्वास अरोगा ने असारीर पर रहा है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए भानेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्न का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र
के/ही र निश्रासी हैं
वाति/जा जाति*/ को हैं। जिसे
निम्नलिखित के ब्रधीन ब्रनुसूचित/जन* जाति के रूप में मान्यता दी गई है:

संविधान (भ्रनुसूचित जातियां) मादेश, 1950* संविधान (भ्रनुसूचित जन जातियां) श्रादेश, 1950* संविधान (भ्रनुसूचितं जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) मादेश, 1951*

संविधान (धनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) भादेश, 1951*

[अनुसूचित जातियां भौर अनुसूचित जुन जातियां सूची (आशोधन) श्रादेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन श्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन ग्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य श्रधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), श्रधिनियम 1971 द्वारा यथा संशोधित।

भौर अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976]

संविधान (जम्मू भौर काश्मीर) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1956*

संविधान (ग्रण्डमान ग्रीर निकोबार द्वीपसमूह) श्रनुसूचित जन जातियां भावेश, 1959, अनुसूचित जातियां तथा भनुसूचित जन जातियां ग्रादेश (संगोधन) ग्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (वादरा भौर नागर हवेली) श्रनुंसूचित जातियां, श्रादेश, 1962* संविधान (दादरा ग्रौर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जन जातियां मादेश, 1962* संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां श्रादेण, 1964* संविधान (भ्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) ग्रादेण, 1967* संविधान (गोवा, दमन भ्रौर दियू) अनुसूचित जातियां श्रादेश, संविधान (गोवा, दमन ग्रीर दियू) अनुसूचित जन जातियां श्रादेश, संविधान (नागालैण्ड) धनुसूचित जन जातियां श्रादेश, 1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी*-भौर/या* उनका परिवार भ्रामतौर से गांव/कस्बा* -----जिला/मंडल* ————राज्य/ संघ* राज्य क्षेत्र -----में रहते/रहती* हैं। हस्ताक्षर--**पदनाम————— (कार्यालय की मोहर सहित) ता**री**ख------

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों, उन्हें कृपया काट दें।

नोट:--यहां "ग्राम तौर पर रहते/रहती* हैं" शब्दों का ग्रर्थ वही होमा जो रिप्रेजेंटेशन ग्राफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में हैं।

**ग्रनुसूचित जाति/जन जाति—प्रमाण पत्र जारी करने के लिये सक्षम ग्रधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/म्रितिरिक्स जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टी कमिश्नर एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइमेंडरी मैजिस्ट्रेट/डिप्टी मैजिस्ट्रेट/†सबडिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालु मैजिस्ट्रेट एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा म्रिसिस्टेंट कमिश्नर †(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट के श्रोहदे से कम नहीं)।

- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेड्/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रैवेन्यू प्रफसर जिसका क्रोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब जियीजनल ग्रफसर जहां उम्मीचकार ग्रीर या उसका परिवार ग्रामतौर से रहता हो।
- (v) ऐडिमिनिस्ट्रेटर/ऐडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेड ग्रफसर लक्षद्वीप ।
- 5(क) नियम ६(क) के प्रतन्गीत आयु में छूट का दाया करने वाले आशुलिपिकों (जिस में भाषा आगुलिपिक भी शामिल हैं)/ वलकौं/स्टेनोटाइपिस्टों की अपने विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपन्न पर एक प्रमाण पन्न मूल रूप में प्रस्तुत करना भाहिये।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे पहले संघलोक सेवा भाषोग द्वारा भ्रायोजित परीक्षा के परिणामों के भ्राधार पर के स॰ भ्रा॰ से॰/रे॰ बी॰ स॰ भ्रा॰ से॰/श्राई॰ एफ॰ एस॰ बी॰ भागुलिपिक उप संवर्ग/सगस्त्र सेना मुख्यालय श्रागुलिपिक सेवा* में नियुक्त नहीं हुए हैं।

(ii) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
के कार्यालय, जो भारत
सरकार/संघ राज्य क्षेत्र*का विभाग/कार्या-
लय है, में नियमित रूप से क्लर्क/स्टेनोटाइपिस्ट/रेलडाक सेवा
के सार्टर/ग्राशुलिपिक के पर पर लगातार कार्य कर रहे हैं ग्रौर पहली
जनवरी, 1981 को क्लर्क/स्टेनोटाइपिस्ट/रेलवेडाक सेघा के
सार्टर/प्राशुलिपिक की हैसियत से उनकी लगातार सेवा 3 वर्ष की
हो गई है/से कम नहीं होगी। भौर वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/
करते रहेंगे।
विनोक

	हस्ताक्षर
संख्या	 पदनास
स्यान	 मंत्रालय/कार्यालय
	कार्यालय की मौहर

*जो लागू न हों उसे काट दें।

- (ख) (i) नियम 6(ग) (ii) या 6(ग) (iii) के प्रन्तगंत निर्धारित प्रायु सीमा में छूट का ग्रोर/या उक्त नोटिस के
 पैरायाफ 8 के प्रधीन शुरूक में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व
 पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गए प्रमाण-पन्न की
 प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व
 पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव बंगला देश) से ग्राया हुआ वास्तविक विस्थापिस व्यक्ति है ग्रीर 1 जनवरी, 1964 ग्रीर 25 मार्च, 1971 के
 बीच की ग्रवधि के दौरान प्रग्रजन कर भारत ग्राया है:---
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों ग्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट ।
 - (2) उत्त क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेंट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) श्रपने भ्रपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी भ्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) स्वयं प्रभारित सब डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर।
 - (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आधुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकता ।
- (ii) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6(ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन गुल्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च प्रायुक्त के कार्थालय से लिये गये इस प्राणय के प्रमाण पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नामरिक है जो प्रकृतवर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के प्रधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत श्राया है या भारत श्राने वाला है।
- (iii) नियम 6(ग) (vi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य, टंजानिया से आये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलाबी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावितित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैंजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिके प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से अप्रया है।
- (iv) नियम 6(म) (vii) ग्रथवा 6(ग) (viii) के प्रास्तर्गक निर्धारित आयु सीमा में श्रीर/या उकत नोटिस के पैराग्राफ 8 के प्रधीन मुक्क में छूट चाहने वाले बर्मा में प्रश्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति की भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण पत्र की एक ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1973 को या उसके बाद भारत ग्राया है भयवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्र की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह बर्मा से ग्राया हुग्रा वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है श्रौर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत ग्राया है।

(v) नियम 6(ग) (ix) प्रथवा 6(ग) (x) के ग्रन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेणक, पुनःस्थापन, रक्षा मंद्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित कार्म पर इस ग्रागय का एक प्रमाण पत्र लेकर उसकी एक ग्राभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये कि यह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में ग्रथवा ग्रणांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्र-वाई के दौरान विकलांग हुआ ग्रौर परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले
प्रमाण-पत्र का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट————————————————————————————————————
————रक्षा सेवाम्रों में कार्य करते हुए विदेशी गल्रु देश के साथ संघर्ष में/प्रशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फीजी कार्र- वाई के दौरान विकलांग हुए ग्रौर उप विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्म्हक्त हुए ।
हस्ताक्षर————
पदनाम
विनांक
*जो शब्द लागू न हो, उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 6(ग) (xi) प्रथवा 6(ग) () के धन्तगंत धायु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुम्रा है महानिदेशका, सीमा रक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित कार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्न की एक प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 में भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुम्मा और परिणामस्वरूप निर्मुकत हमा ।

प्रमीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाला प्रमाण-पत्न का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट——रैंक नंव ——शी ———शीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शक्षुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए ग्रौर उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर-पदनाम-दारीख-

- (vii) नियम 6(ग) (xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेंट से लिये गये प्रमाण पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि वह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावितित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (viii) उनत नोठिस के पैरा 8 के प्रन्तर्गत गुल्क से छूट भा वावा करने वाले भूतपूर्व सैनिक को स्थल सेना/वाय सेना/नौसेना प्राधिकारियों द्वारा उसके भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाणस्वरूप विये गये सेवा मुक्ति प्रमाण-पन्न की एक प्रभिप्रमाणित /प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए। इस प्रमाण पन्न में उसकी सशस्त्र सेना में सम्मिलित होने की वास्तविक तारीख तथा सेवा से निर्मुक्ति या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की तारीख या निर्मुक्ति या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानान्तरण की सम्भावित तारीख प्रवश्य लिखी हो।
- 6. जो उम्मोदवार ऊपर पैरा 5(ख) (i), (ii) श्रौर (iv) में से किसी भी वर्ग के श्रन्तर्गत नोटिस के पैरा 8 के श्रनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसका किसी जिला अधिकारो या सरकार के राजपितत श्रीधकारो या संसद सदस्य या राज्य विद्यान मण्डन के सदस्य से, यह दिखलाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस श्राष्ट्रय का एक प्रमाणित पत्न लेकर उसकी श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. जिस उम्मीदवार के मामले में पालता प्रमाण-पन्न भावण्यक हो उसे परोक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रशाद केशन तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उपे प्रावश्यक पालता प्रमाण-पन्न जारी कर दिया गया हो।
- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पन्न भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महुख्यपूर्ण सूचना को न छिपायें।

उस्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख प्रथवा उसकी प्रति की किसी प्रविद्धित को किसी प्रविद्धित में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबवल करें, और न ही फेर-बवल किये गये मूठे प्रमाण-पत्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे वो या प्रधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई भ्रशुद्धि श्रथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पन्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. भवेदन पत्न देर से प्रस्तृत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि भावेदन प्रपद्ध ही भ्रमुक तारीख को भेजा गया था। भ्रावेदन-पत्न को भेजा जाना हो स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्न हो गया है।

- 10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध अविदन पक्षों की प्रांति की आखिरो तारीख से एक महीने के भोतर उम्मोदवार को अपने आवेदन-पत्र को पावती निमले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिये।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार का उसके आवेदन पत्न के परिणाम की सूचना यथाशों झ दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरु होने की तारीख स एक महीना पहले तक उम्मीदवार की अपने आवेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तस्काल संपर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।
- 12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्नों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिकी प्रकाणन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, विल्ली-110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है उन्हें (1) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग 'सी' ब्लाक, बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाणन णाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-100001 और (iii) प्रवर्नेमट श्राफ इण्डिया बुक डियो, 8, के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकायें विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाणन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।
- 13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा कोई यात्रा भत्ता नहीं विया आयेगा।
- 14. श्रावेदन पत्र में सम्बद्ध पत्र व्यवहार श्रावेदन-पत्न से सम्बद्ध सभी पत्रव्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाजस, नई दिल्ली-110011 से किया जाय तथा उसमें नीचे लिखा ब्यौरा श्रामवार्य रूप से दिया जाये।
 - (1) परोक्षा का नाम
 - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
 - (3) उम्मोदवार का रोल नम्बर प्रथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
 - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बडे ग्रक्षरों में)
 - (5) श्रावेदन पत्न में दिया गया डाक का पता

ष्ट्यान दें (i) — जिन पत्नों में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभंव है कि उन पर घ्यान नहीं दिया जायेगा ।

विशेष ध्यान (ii): —यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्न/
प्रेषण परीक्षा हो चुक्के के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें/
उसका पूरा नाम व ग्रनुक्रमांक नहीं है तो इस पर
ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

15. पत्ते में पित्वर्तनः उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्न आदि, आवण्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का पिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त गरा 14 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशोझ की जानी चाहिये आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस बिषय में यह कोई जिम्मेदारो स्वीकार नहीं कर सकता।

प्रनुबंध II

उम्मीदवारों को सूर्चनार्थ विवरणिका

(केवल सामान्य भ्रंग्रेजी भ्रौर सामान्य ज्ञान के लिए)

वस्तुपरकपरीक्षणः

सामान्य प्रंग्रेजी भ्रौर सामान्य ज्ञान के प्रथन पत्न बस्तु परक किन्म के बहु तिकटा उत्तर के होंगे। इस प्रकार की परीक्षा में श्रापको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रथन (जिसको अभि प्रथनंश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको श्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इप विवर्णिका का उद्देश्य श्रापको इस परीक्षण के बारे में कृष्ठ नानकारो देना है जितसे कि परीक्षण के स्वरूप से परिचित न होने के कारण श्रापको कोई हानि न हो ।

परीक्षाकास्वरूपः

प्रश्त पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3.. के कम से प्रश्न होंगे। हर एक प्रश्न के नीचे a, b, c ..। कम में लंभावित उत्तर लिखे होंगे। श्रापका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से श्रधिक उत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। श्रंत में दिये गये नमूने के प्रश्न देख लें। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको एक हो उत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से श्रधिक उत्तर चुन लेते हैं तो श्रापका उत्तर गलत माना जाएगा।

उत्तर देने की विधिः

उत्तर देने के लिए श्रापको ग्रलग से एक उत्तर पत्नक परीक्षा भवन में दिया जाएगा । ग्रापको ग्रपने उत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे । परीक्षा पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़कर ग्रन्थ किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे ।

उत्तर पत्नक नियमावली के श्रन्त में (नमूना संलग्न) में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खण्ड़ों में छापो गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e के क्रम से प्रत्यक्तर छपे पड़े होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कीन सा प्रत्य तर सही या सर्वोत्तम है, श्रापको उस प्रत्य तर के प्रक्षर को दर्शाने वाले चुने हुए श्रायत को पेंसिल से काला बनाकर उसे ग्रंकित कर देना है, जैसा कि नीचे के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के श्रायत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

 '(a)
 (b)
 (c)
 (d)

 '(a)
 (b)
 (c)
 (d)

 '(a)
 (b)
 (c)
 (d)

 '(a)
 (d)
 (e)

इसलिए जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल श्रव्छी किस्म की एच० बी० पेंसिलें (पैंसिलों) ही लाएं श्रीर उन्ही का प्रयोग करें।

- 2. अगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा सिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी श्रसावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड या सलवट श्रादि पड़ जाएं श्रौर वह टेका हो जाए।

कुछ महत्वपूर्ण नियम :

- ग्रापको परीक्षा श्रारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा श्रौर पहुंचते ही श्रपना स्थान ग्रहण करना होगा ।
- परीक्षा शुरु होने के 30 मिनट बाद किसी को ५र्र क्ष में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरु होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की श्रनुमित नहीं मिलेगी ।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक की सौंप दें। श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमित नहीं हैं। यदि श्राप इस नियम का उल्लंघन करेंगे तो श्रापको कड़ा दंड मिलेगा।
- 5. उत्तर पत्नक पर नियत स्थान पर परीक्षा/पर्धक्षण का नाम श्रपना रोल नंबर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख श्रौर परीक्षण पुस्तिका की कम संख्या साफ-साफ स्याही से लिखें। उत्तर पत्नक पर कहीं भी श्रापको श्रपना नाम नहीं लिखना है।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको साव-धानी से पढ़ने हैं। संभव हैं कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई

प्रविध्ति संदिश्य है, तो उस प्रश्नांण के प्रत्युत्तर के लिए श्रापको कोई नम्बर नहीं मिलेगर । पर्यवेक्षक के दिए गए श्रनुदेशों का पालन करें। अब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को श्रारम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उसके श्रनुदेशों का तत्काल पालन करे।

7. श्राप श्रपना प्रवेश प्रमाण पत्न साथ लाएं। श्रापको श्रपने साथ एक एच० बी० पैसिल, एक भार्षनर, एक रबड़ श्रीर नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। श्रापको परीक्षा सलाह दी जाती है कि श्राप श्रपने साथ एक विलय बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ न लिखा हो। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या लेखन सामग्री नहीं लानी है। क्योंकि उनकी अरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए श्रापको एक श्रलग कागज दिया जाएगा। श्राप कच्चा काम श्रुरु करने के पहले उस पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, श्रपना रोल नम्बर, परीक्षण का विषय श्रीर तारीख लिखें श्रीर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे श्रपने उत्तर पत्नक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

कुछ उपयोगी सुझाव :

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य श्रापकी गति की श्रपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि श्राप श्रपने समय का, बहुत किफायत के साथ, उपयोग करें। संतुलन के साथ-साथ जितनी जल्दी श्रागे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। श्रगर श्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। श्रापको जो प्रश्न श्रस्थन्त कठिन मालूम पड़े, उस पर समय ध्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की श्रोर बढ़ें. श्रौर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के श्रंक समान होंगे। भ्राप सभी प्रश्नांशों के असर दें। श्रापके द्वारा श्रंकित सही उत्तरों की संख्या के श्राधार पर श्रंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के श्रंक नहीं काटे जाएंगे। विशेष श्रनुदेश:

जब श्राप परीक्षा भवन में श्रपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से श्रापको उत्तर पत्नक मिलेगा। उत्तर पत्नक पर श्रपेक्षित सूचना श्रपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक श्रापको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जिसके मिलने पर, तुरन्त श्राप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है। श्रन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब श्रापको उत्तर पत्नक के सम्बद्ध ख ने में श्रपनी परीक्षण पुस्तिका की कम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील खोलने को न कहें तब तक श्राप उसे न खोलें।

परीक्षण का समापन :

जैसे ही पर्यवेक्षक श्रापको लिखना बन्द करने को कहें, ग्राप लिखना बन्द कर दें।

आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर सभी आवश्यक सामग्री न ले जाएं और आपकी 'हाल' छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका, उत्तर पत्रक तथा कच्चा कार्य करने के लिए कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

2. सामान्य ज्ञान

- निम्नलिखित में से किसी एक के द्वारा उप केन्द्रित समिष्टि सिद्धांत विकसित हुन्ना है :---
 - (a) गैलिलियो
 - (b) टोलमी
 - (०) न्युटन
 - (d) कोपरनिक्स
 - निम्नलिखित में से कौन सा संयुक्त राष्ट्र संघ का ग्रंग नहीं
 - (a) सुरक्षा परिषद
 - (b) न्यासिता परिषद्
 - (c) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष
 - (d) अन्तरिष्ट्रीय न्यायालय

- 3. मौर्य वंश के पत्तन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदाई नहीं है ?
 - (a) श्रशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर भे।
 - (b) श्रशोक के बाद साम्प्राज्य का विभाजन हुन्ना।
 - (c) उत्तर सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई ।
 - (d) प्रशोकोत्तरयुगमें प्राधिक रिक्तताथी।
 - 4. संसदीय स्वरूप की सरकार में :
 - (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदाई है।
 - (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदाई है।
 - (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदाई है।
 - (d) न्यायपालिका के प्रति उत्तरवाई है।
- (e) कार्यंपालिका न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तर-दाई है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011 the 7th August 1980

No. A.12019/3/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Km. K. Bandhyopadhyay, Research Assistant (Bengali) and Shri M. L. Varadpande, Research Assistant (Marathi) to officiate as Junior Research Officers (Languages) in the office of the Union Public Service Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on an ad-hoc basis for a period of three months with effect from 5-8-80 or until further orders, whichever is earlier.

2. The above-mentioned persons should note that their appointment to the posts of Junior Research Officer (Languages) is purely on adhoc basis and will not confir upon them any title for absorption or seniority in the grade of Junior Research Officer (Languages).

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 23rd August 1980

No. A-32014/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Personal Assistans (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional; temporary and ad hoc basis for the period mentioned against their names or until further orders, whichever is carlier.

- S. No., Name & Period
- 1. Sh. Jatinder Lal w.e.f. 28-8-80 to 27-10-80,
- 2. Sh. T. R. Sharma w.e.f. 21-8-80 to 20-10-80.
- 2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P. A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on adhoc basis and will not confer upon them any title for absorption in Grade B of the CSSS or for seniority in that grade. Further the adhoc appointment to Grade B of the CSSS for the period mentioned against their names are also subject to the approval of the Deptt. of Personnel & ARs.

The 25th August 1980

No. A-32014/3/79-Admn-I.—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and ad-hoc basis w.c.f. the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S.No. Name Period

- 1. Shri Joginder Singh 28-8-1980 to 27-10-1980.
- 2. Shri R. L. Thakur 21-8-1980 to 20-10-1980.

No. A.32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notifications of even number dated 27-11-79, 11-1-80, 1-2-80 and 2-6-80 the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate in the Select on grade of CSS as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a further period of three months w.e.f. 3rd July, 1980 or until further orders, whichever is carlier

S. BALACHANDRAN, Dy. Secy. Incharge of Administration. Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

No. A-11/11/80—The following Assistant Enforcement officers have been appointed to officiate as Enforcement Officers with effect from the dates of their assumption of charge and until further orders,

Their places of posting and dates of assumption of charge are indicated against each :---

S. Name No.	Place of Post- ing	Date of assump- tion of charge
1. Shri T. C. Mendiratta	Delhi Zone	5-5-80 (FN)
2. Shri S. K. Barik	Jaiput	(6-6-80 (FN)
3. Shri S. N. Chatterjce	Jaipur	16-6-80 (FN)
4. Shri P. B. Thakur	Bombay	7-5-80 (FN)
5, Shri S, K, Chandorker	Bombay	7-5-80 (FN)
6. Shri Mohinder Singh	Srinagar	29-5-80 (FN)
7. Shri A. K. Sharma	Delhi Zone	3-5-80 (FN)

D. C. MANDAL Deputy Director (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th September 1980

No. 10RCT 2.—The Director, Central Vigilance Commission hereby appoints Shri K. L. Ahuja, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 30-8-80 to 27-11-80 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA Under Secretary (Admn.) For Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110 011, the 6th September 1980

No. PF/S-98/65-Ad-V.—The services of Shri S. Sen, Superintendent of Police Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal of the Government of Skkim with effect from the afternoon of 31st May, 1980, on deputation.

Q. L. GROVFR Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 4th September 1980

CORRIGENDUM

No. 11/1/80 Ad.I.—The name of the officer in this office Notification of even number duted 6-8-1980 may be read as "Shri T. K. Bala Krishnan Nambiar" instead of "Shri I. K. Bala Krishnan Nambier" as appeared therein.

K. C. SETH Deputy Director

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HQrs. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

No. 20/80/A/E-1.—On attaining the uge of superannuation Shri Sunil Kumar Sengupta Subst. & Permt.

Assistant/Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-8-80 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin. for Director General, Ordnance Factorics

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 22nd August, 1980

No. 53/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. Addl. DGOF/Member with effect from the date shown against them, until further orders:—

- Shri G. R. Narasimhan, Offg GM(SG)/Level-I—10th July, 1980
- Shri G.D. Bhalla, Offg. GM(SG)/Level-L---22nd July, 1980.

No. 54/G/80—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Sr. DADGOF/Manager with effect from the date shown against them until further orders:—

- •	
1. Shri M. Singaram, Pt. D.M.	1st April, 1980
2. Shri G. Khera, Pt. D.M.	1st April, 1980
3. Shri A. K. Banerjee, Pt. DADG	1st April, 1980
4. Shri D. A. Srinivasan, Pt D.M.	1st April, 1980
5. Shri R. S. Yadav, Pt. D.M.	1st April, 1980
6. Shti S. B. Shunmugaraj, Pt. D.M.	28th April 1980
7. Shri A. K. Mathur, Pt. D.M.	29th April,1980
8. Shri J. R. Kalia, Pt. D.M.	1st April, 1980
9. Shri T. R. Mohan Rao, Pt. D.M.	15th May, 1980
10. Shri V. Kumaraswamy, Pt. D.M.	15th May, 1980
11. Sari K. V. C. Neir, Pt. D.M.	16th June, 1980
12. Shri S. B. Dutta, Pt. DADG	16th June, 1980
13. Shri A. Sanyal, Pt. D.M.	16th June, 1980
14. Shri Joginder Singh, Pt. D.M.	16th June, 1980
15. Shri K. Rao Choudhury, Pt. D.M.	1st April, 1980

No. 55/G/80—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as offg, TSO/Asstt. Manager with effect from the date shown against them, until further orders:

1. Shr N.K. Neogi, Pt. Foreman	2nd May, 1980
2. Shri Aloke Kr. Ghosh, Offg. F.Man	6th May, 1980
3. Shri D.K. Mitra, Pt. Foreman	1st May, 1980
4. Shri N. Basu, Pt. Foreman	1st May, 1980
5. Shri K. S. Viswanathan, Offg. F.Man	2nd May, 1980
6. Shri R. V. Vaideeswaran, Offg. F.M.	1st May, 1980
7. Shri K. J. Godfrey, Offg. Foremen	1st May, 1980
8. Shri M. K. Bhaskaran, Offg. Foreman	2nd May, 1980

The 2nd September 1980

No. 57/G/80.—The President is pleased to confirm the following Officers in the grade of TSO/ Λ sstt. Manager with effect from the date shown against each :—

Smt. Sashi Chaturvedi, Offg. D.M.—9th May, 1977.

Shri J. P. Shukla, Olig. D. M. (Retd)---1st Jan, 1976.

V. K. MFHTA

Assit. Director General Ordnance Factories.

MINISTRY OF FINANCE

INDIA GOVERNMENT MINT, ALIPORE, CALCUTTA-700 088

Calcutta-700088, the

September 1980

"Memo No.. P-526/6202 dated 2-6-1978.—In pursuance of the terms and conditions in the appointment letter no: 1313-3(S.S.O.)/2858 dated 23-2-77, I, Shri G. R. Kahate, Master of the Mint, hereby give notice to Shri Haridayal Bhowmick (S.S.O. of this Mint) that his service shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or as the case may be, tendered to him".

"Certified true copy"

Sd/- G. R. KAHATF Master of the Mint. India Government Mint, Alipore, Calcutta-53.

Sd/- H. N. GUPTA Master of the Mint, India Government Mint, Alipore, Calcutta-88.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 6th September 1980

IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/594/60-Admn(G)/5359.—On attaining the age of superannuation Shri J. E. Shaikh relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, on the afternoon of the 31-7-1980.

No. 6/1206/77-Admn(G)/5362.—On attaining the age of superannuation Shri R. L. Bali, an officer of the Section Officer's grade of the C.S.S. relinquished charge of the post of the Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 31-7-1980.

P. C. BHATNAGAR
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMEN'T COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 25th August 1980

No. A-12025(i)/1/80-Admn, II(A).—The President is pleased o appoint with effect from the forenoon, of the 22nd May, 1980 and until further orders Shri Om Prakash as Senior Lecturer in Textile Technology in the Indian Institute of Handloom Technology, Varanasi.

No. A-12025(i)/3/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 23rd June, 1980 and until further orders Shri Viswanathan Rajendran as Assistant Director Grade I (Designs) in the Weavers Service Centre Kancheepuram.

The 29th August 1980

No. A-32014/1/80-Admn.II(A).—The Development Commissioner for Handlooms hereby appoints Shri P. Narayanan, a permanent Superintendent in the Weavers Service Centre as Assistant Director Grade II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Bombay in an officiating capacity with effect from 20th August, 1980, until further orders.

No. A-32014/1/80-Admn.II(A).—The Development Commissioner for Handlooms hereby appoints Shi S. K. Mitra, a permanent Superintendent in the Weavers Service Centre as Assistant Director Grade II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Varanasi in an officiating capacity with effect from the 20th August, 1980, until further orders,

No. A-32014/1/80-Admn.II(A).—The Development Commissioner for Handlooms hereby appoints Shri R. R. Reddy, a permanent Superintendent in the Weavers Service Centre as Assistant Director Grade II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Madras in an officiating capacity with effect from 20th August, 1980, until further orders.

N. P. SESHADRI Joint Development Commissioner for Handlooms

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION Λ -6)

New Delhi, the 3rd September 1980

No. A-6/247(226)/76.—Shri H. Ananthapadmanabhulu, permanent Asstt. Inspecting Officer (Met-Chem) and officiating as Dy. Director of Inspection (Met-Chem) (Grade Il of Indian Inspection Service, Metallurgical Chemical Branch) Group 'A' in the office of Director of Inspection (Met) Jamshedpur retired from service with effect from the afternoon of 31st July, 1980 on attaining the age of superannuation.

(ADM. SECTION A-1)

The 4th September 1980

No. A-1/1(1144)/79.—Shri Paul Xavier, officiating Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Inspection, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1980 on attaining the age of superannuation (58 years).

M. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th August 1980

No. 3/124/60-SII(Vol.II).—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. R. Sarkar, Accountant, All India Radio, Agartala to officiate as Administrative Officer on ad hoc basis, All India Radio, Agartala with effect from 6-8-80.

The 30th August 1980

No. 3/22/62-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. K. Sharma, Accountant, AIR, All India Radio, Jullundur to officiate as Administrative Officer on ad hoc basis All India Radio Jullundur with effect from 22-8-80 (F.N.).

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration For Director General.

New Delhi, the 30th August 1980

No. 10/37/79-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. Venkateswar Reddy as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Hyderabad in temporary capacity with effect from the forenoon of 23-7-80 until further orders.

H. N. BISWAS
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th September 1980

No. A.12026/21/80(HQ)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. N. Chail,

Scnior Architectural Assistant, Directorate General of Health Services to the post of Assistant Architect in the same Directorate on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 21st July, 1980 until further orders.

The 5th September 1980

No. 17-17/74-Admn.l (Part II).—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Dr. S. R. Mehta, Health Education Officer (Field Study Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi from Government Service with effect from the afternoon of the 8th August, 1980.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 5th September 1980

No. A.19011/2/80-SI.—The President is pleased to appoint Shri Prem Chandra in the post of Factory Manager Government Medical Store Depot Bombay with effect from the forenoon of 16th August 1980 on a temporary basis and until further orders.

SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 27th August 1980

No. K/586/Estt.II/4178.—Consequent on his transfer to Civil Engineering Division, Department of Atomic Energy, Shri S. K. Kapur, a permanent Assistant Personnel Officer relinquished charge of his post in this Research Centre on the forenoon of August 4, 1980.

The 29th August 1980

Ref:5/1/80-Estt.II/4236.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officials to officiate on an ad hoc basis as Administrative Officer-II/Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:—

S1. Name & Designation	Appointed to officiate	Period	
	as	From	To
1. Shri J. R. Karnik Asstt. Personnel Officer	Administra- tive Officer-II	1-5-80 (FN)	7-6-80 (AN)
2. Shri S. K. Kapur Asstt. Personnel Officer	Administra- tive Offic e r-II	17-4-80 (FN)	12-5-80 (FN)
3. Shri K. S. Vachhani Assistant	Asstt. Per- sonnel Officer	1-5-80 (FN)	7-6-80 (AN)
4. Shri J. V. Naik Assistant	Asstt. Per- sonnel Officer	17-4-80 (FN)	13-6-80 (AN)
5. Shri P. B. Karandikar Assistant	Asstt, Por- sonnel Officer	14-4-80 (FN)	23-5-80 (AN)
6. Shri M. N. Lotlikar Assistant	Asstt. Per- sonnel Officer	28-4-80 (FN)	7-6-80 (AN)

1	2	3	4	5
7. Shri l	L.B.Gawde	Asstt.Per- sonnel	4-6-80	11-7-80
713313	tant.	Officer	(FN)	(AN)
	Shri P. V. Deshpande Assit.Per-	1-5-80	31-7-80	
Assis	ant	sonnel Office r	(FN)	(AN
9. Shri S.R. Pinge	Asstt.Per-	9-6-80	11-7-80	
Select	ion Grade Clerk	sonnel Officer	(FN)	(AN)

KUM, H, B, VIJAYAKAR Dy, Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 27th August 1980

No. DPS.A11013.45.76,Est/14998.—On transfer from Power Projects Engineering Division, Bombay, Shri Reuben Philip de Souza, a permanent Assistant, and officiating Assistant Personnel Officer has been appointed in the Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy in the same capacity with effect from the forenoon of August 18, 1980 and until further orders.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 2nd September 1980

No. AMD-8/7/80-Rectt.—The Director, Atomic Division of the Department of Atomic Energy appoints Shri K. Ekambaram, Accountant in the Minerals Division to oiliciate as Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from 7-7-1980 to 11-8-80 vice Shri D. S. Israni, Assistant Accounts Officer proceeded on training.

The 3rd September 1980

No. AMD-8/1/80-Rectt,—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from 16-8-1980 to 20-9-1980, vice Shri R. Subramanian, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION PO:TAPP(401 504), the 30th August 1980

No. TAPS/19(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri J. P. Khandelwal, a temporary Assistant Accounts Officer in this Power Station as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis in the same station with effect from the forenoon of June 7, 1980 and upto July 8, 1980 vice Shri K. Gopal, Accounts Officer-II promoted as Accounts Officer-III on ad-hoc basis.

No. TAPS/1/19(1)/76-R.—In supersession of Notification dated 18-4-1980, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shru

J. P. Khandelwal as temporary Assistant Accounts Officer in this Power Station as Accounts Officer-II on ad-hoc basis with effect from 11-4-1980 to 29-5-1980 (FN).

No. TAPS/1/19(1)/76-R.—In supersession of Notification dated April 18, 1980, The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department f Atomic Energy, appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis from 11-4-1980 to 29-5-1980 (FN).

No. TAPS/19(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis in the same station with effect from the foremon of June 7, 1980 and upto July 8, 1980 vice Shri J. P. Khandelwal, Asstt. Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II on ad-hoc basis.

D. V. MARKALE Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi the 5th September 1980

No. A.32013/7/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri Jagdish Chandra, Regional Controller of Aerodromes, Delhi to the post of Regional Director, Bombay in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis w.c.f. 16-8-80 for a period of 6 moths or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA Assistant Director of Administration

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 5th September 1980

No. 1—The following officers are hereby appointed to officiate as District opium officer/Superintendent (Executive) Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against cach:—

S. Name & designation No.	Date from which appointed
S/Shri	
 Rajendra Pal Superintendent (Executive), Deputy Narcotics Commissioner's Office, Lucknow. 	30-6-80
2. S.B. Singh, District Opium Officer, Ratlam,	28-6-80
3. S.R. Tanwar, District Opium Officer, Jhalawar,	18-8-80
 D·R. Pipal Superintendent (Executive), Deputy Narcotics Commissioner's Office, Necmuch. 	16-6-80

M. M. BHATNAGAR Narctoics Commissioner of India

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

"In the matter of Companies Act, 1956 and of Dayalbagh Construction Company Private Limited (In Liqn)"

Kanpur, the 1st September 1980

No. 8887/1132 LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Dayalbagh Construction Company Private Limited (In Liqn) has this day been struck off and the said company is dissolved.

"In the matter of Companies Act, 1956 and of Barelly Bank Limited

Kanpur, the 1st September 1980

No. 9083/139-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereot the name of the Bareilly Bank Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

"In the matter of Companies Act, 1956 and of Unnao Commercial Bank Limited.

Kanpur, the 3rd September 1980

No. 9083/139-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date here of the name of the Unnao Commercial Bank Limited unless cause is known to the contrary, will be struck of the Registrar and the said company will be dissolved.

"In the matter of Companies Act. 1956 and of Dayalbagh Provision Stores Private Limited (In Liqn.)

Kanpur, the 4th September 1980

No. 9103/1125-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act,

1956 the name of the Dayalbagh Provision Stores Pvt. Ltd. (In Liqn.) has this day been struck off and the said company is dissolved.

O. P. CHADHA Registrar of Companies, U.P., Kanpur

"In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s North East Mirror Publication Private Limited

Shillong, the 1st September 1980

No. 1648/560(5)1904.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s North East Mirror Publication Private Limited has this day been struck off the Regstrar and the said company is dissolved.

S. K. BHATTACHARJEE Registrar of Companies, Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland. Arugachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX

Lucknow, the 2nd August 1980

No. 99/78/Tech.—In pursuance of sub-section (5) of section 226 and section 229 of Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling me in this behalf, I, the Commissioner of Incometax, Lucknow hereby authorise the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax, (Assessment) subordinate to me to recover from an assessee the tax, interest, fine, penalty or any other sum payable under the provisions of the said Act by the said assessee by distraint and sale of his movable property, in the manner laid down in the Third Schedule to the said Income-tax Act, 1961.

DHARNI DHAR Commissioner of Incometax Lucknow

(1) Shri Kishori Lal Vatsa

(Transferce)

(2) Shii Dr. Shiv Prabha Baiswar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above transferor

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th May 1980

Ref. No. GIR No. S-189/Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-1, Mahanagar Extension situated at P. S. Mahanagar, Lucknow.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. B-1, situated at Mahanagar Extension, P. S. Mahanagar, Lucknow, lease hold measuring 1280 sq. ft. (9 Biswa, 8 Biswansi 3 Kachwansi) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 7429 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 17-12-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 12-5-1980

Seal:

(1) Smt. Maharani Surity Tagore Trustee Tagore Raj Banaras Debuttar Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hotel Clark's Varanasi (P) Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 7th July 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. GIR No.135/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7, H. No. old 35/55 (New S.20/54) situated at The Mall, Varanasi.

> Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givei in that Chapter,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi

on 26-12-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

All those brick built messuage tenament or dwelling houses now called or know as "Clarks' Hotel" comprising building (except the portions of the buildings constructed and owned by the lessees) as existed on 25-7-1961 together with the land thereunto belongin gand on part whereof the same are crected or built, containing by estimation three bigha and fifteen bis-was together with all fixtures and other appertenances thereunto belonging or pertaining or the ewith usually held, used and occupied or engaged or reputed as part and preel of or appurtenant thereto, situated lying at end being in Mall Road appurtenant thereto, situated lying at end being in Mail Road in the City of Varanasi and consisting in accordance with revenue records (Plot No. 7) in Mauza-BARAGAON II Pargana-Dehat Aamanat, Thana-Varanasi Cantt., Varanasi and bearing the Municipal No. (old 35/55) (New S-20-54) and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 12285 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 26-12-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. S. BISEN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-7-1980.

SenI:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1980

Ref. No. T-21/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Arazi No. 75/3 and 75/4 area 0.73\footnote{1} Decimals situated at Village-Kodopur, Distt. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramnagar, Varanasi

on 22-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Surjit Kaur
- (2) Smt. Surendra Kaur

(Transferor,

(2) (1) Thakur Prasad (2) Mukti Nath (3) Uma Shanker Prasad (4) Nirmal Kumar

(5) Shesh Nath & (6) Arun Kumar Owner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Arazi No. 75/4 area 6½ decimal and No. 75/3 area 67 decimal total area 73½ decimals situate at Mauza-KODO-PUR PARGANA-RAMNAGAR, Distt. VARANASI and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37-G No. 879 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar-Ramnagar, Varanasi, on 22-2-1980.

A. S. BISFN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 7-7-1980

Scal:

(1) Shri Mani Ram Pandya through Vasant Ram Nagar (Mukhtar)

(Transferor)

10511

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bindeshwari Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1980

Ref. No. GIR No.H-90/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. (old) and 16 (New), Tripolia, situated at Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Allahabad on 15-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed House No. 12 old (16-New), situate at Mohaila-Tripolia, Allahabad, area 282.59 sq. mtrs. and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 5338 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 15-12-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 7-7-1980.

Seal;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18--256GI/80

(1) Shri M/s Jagat Jeet Cotton Textiles Mills Ltd., New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. (1) Lalit Devi (2) Dr. Kripa Shankar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Sellers

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(persons in occupation of the property)

Lucknow, the 26th August 1980

Ref. No. GIR No. L-31/Acq.-Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. J-13/93, Building and Land situated at Mohalla Chauka Ghat, Ward Jaipur, Varanasi City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Varanasi

on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, the the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

Part of premises (building and land) No. J-13/93, situate at Mohalla-Chauka Ghat, Ward-Jaipura, Varanasi, and all that description of the property which has been mentioned in Form 37G No. 11474 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 6-12-1979.

> A. S. BISEN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 26-8-1980

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st September 1980

Ref. No. GIR No.I-12/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One Gher (Compound) situated at Mauzu-Majhola, Parg. Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Moradabad on 31-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby infilate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1)Shri (1) Rajkumar Mehra
 - (2) Deepak Mehra (3) Dinesh Mehra

(Transferor)

- (2) Shri (1) Ishwar Chandra Agarwal
 - (2) Nirmal Kumar Agarwal
 - (3) Vijai Kumar Todi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Gher compound with a gate including land measuring 2129.48 sq. metres situate at mauza-MAJHOLA, Pargana and Distt. MORADABAD and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 5/1980 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 31-12-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow-

Date: 1-9-1980

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1980

Ref. No. P. R. No. 961 Acq.23/19-7/80-81.--Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. City S. Wd. No. 7, Nondh No. 117 & 118 situated at Opp.

Surat Railway Station, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat

on 27-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mansukhlal Chunni lal; Shri Sashikant Mansukhlal; Ambhaji Road, Manharlal Mansukhlal; Chanchva Sheri, Shri Shri Hasmukhlal Mansukhlal Surat. Shri Rajendra Mansukhlal; Shri Dineshchandra Mansukhlal Shri Pranjivandas Nanabhai; Shri Pranjivandas Nanabhai; Shri Puspkant Nanabhai; Parsivad, Rani Shri Sureshchandra Nanabhai; Talav. Shri Sureshchandra Nanabhai; Surat. Shri Rameshchandra Nanabhai;

(2) Shri Rati lal Narottamdas; H. No. 4/4175, Begampura, Brahman Sheri, Surat.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 117 and 118, Opp. Surat Railway Station, Wd. No. 7, Surat duly registered on 4-12-79 and 27-12-79 vide No. 5175 and 5207 at Surat.

5. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 31-7-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1980

Ref. No. P. R. No. 960 Acq. 23/II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 6, Village Kapadra Tal. Choryasi situated at Kapdara, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chairman & Managing Director Shri Ramesh Harendra lal Ashot, Director Shri Tushar Harendralal Ashot, Mangalwadi, Varchha Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Eskay Synthetic Textile Mills; Old Hanuman Gali, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Kapadara village Varachha Road, Surat bearing R. S. No. 6, Kapadara village, Surat duly registration 13-12-79 at Surat.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 28-7-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
Ahmedabad-380 009, the 24th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1098 Acq. 23/Acq/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 268 situated at Ghatlodiya Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad

on December, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen uper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gandalal Madhavlal Patel & others; 38, Chaitanya Society, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Vasoya Park Coop. Housing Society, Hon. Secretary: Shri S. C. Naik, L-5, E-20, Flat No. 62/, Shastrinagar Colony, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 268, land adm. 13189 sq. yds. situated at Chatlodiya Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 13348/Dec., 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 24-7-1980

Şeal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, Ahmedabad-380 009, the 24th July 1980

Ref No. P. R. No. 1099 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Street No. 26, Chart No. 228 Sheet No. 3 Chart No. 1 situated at Fulwadi Road, Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetput on 17-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhaganlal Kanjibhal Chhotanbar; Bavabari; Motibazar, Gondal, Rajkot.

(Transferor)

Shri Mathuradas Ramajibhai;
 Shrimati Kusumgauri Mathuradas;
 Shri Jatimkumar Mathuradas;
 Harerama Harekrishna Printing Works;
 Fulwadi, Jetpur.

(Transferee)

(3) 1. Shri Harshakumar Harilal;2. Dwarkadish Textile Printing;Fulwadi, Jetpur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The building standing on land admeasuring 1979-4-0 sq. yds, bearing City Sur. No. Street No. 26, Chart No. 228, Sheet No. 35, Chart No. 1, at Fulwadi, Road, Jetpur and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1628 dated 17-12-79.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1100 Acg. 23-I/80-81.--Whereas, L. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Near S. T. Bus Stand, bldg. with land and well situated at Near S. T. Bus stand, Gathada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Botad on 26-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) M/s. Ramniklal Gulabchand & Co through partners:
- Shri Ramniklal Gulabchand;
- Shri Khushalchand Gulabchand Shah;
 Chandangauri Shantilal Deliwala;
- 4. Dalsukhbhai Ambashanker Rawal;
- 5. Kalavati Jayantilal Deliwala:
- Navalchand Somehand Shah;
- 7. Shah Amichand Manekchand;

Gathada, Taluka Botad, Dist. Bhavnagar.

(Transferors)

(2) Saurashtra Gandhiji Gramodhar Trust; Opp. Railway Station, Gathada, Taluka Botad, Dist. Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :-
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 5808 sq. yds. situated near S. T. Bus Stand, Gathada and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 893 dated 26-12-1979.

> S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 24-7-1980

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1101 Acq. 23/Acq.I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS. No. 2565-1-B-Kalupur Wd. III-B situated at Vrandavan Shopping Centre, Pankore Naka, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely:—

19--256GI/80

(1) Prabhawatiben Chinubhai;

(2) Shri Rajiv Chinubhai; Both at Shahibag, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Shri Rasiklal Parshottamdas; Parshottam Chambers, Ratanpole, Hathikhana, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the having of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22 at Ground Floor of Vrandavan Shopping Centre, Pankore Naka. Ahmedabad bearing C. S. No. 25651-B-sq. ft. area 268.66—duly registered by Registering Officer. Ahmedabad vide Sale-deed No. 3164-65/December, 1979 i, e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1102 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS No. 2565-1-B-Kalupur Ward III, Census No. 2565-1-B situated at Vrandavan Shopping Centre, Pankorenaka, Ahmedahad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Ahmedabad

on 12-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jasudben Ramachandra;
 Kalavihar Society, Khanpur,
 Opp. Lal Bungalow, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Jayantılıl Maneklal; Hajapatel's Pole, Amtha Gujar's Khadki; Kalupur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19 at ground floor of Vrandavan Shopping Centre Pankore Naka, Ahmedabad bearing C, S. No. 2565-1-B-Census No. 2565-1-B duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 12889/12-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Bharatkumar Maneklal Shah; Divya Jyoti", Near Swastik Society, Near Xavier's Ladies College Lane, Ahmedabad.

(Transferce)

 Shri Narendrabhai Kantilal Shah; M-8, Sujata Flat, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1103 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

CS No. 2565-1-B paiki Kalupur Ward-3, situated at Vrandavan Shopping Centre, Shop No. 56 Pankore Naka, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad

on 12-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not 'een truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. E-2—New No. 56, situated at Vrandavan Shopping Centre—Kalupur Ward-3-B C. S. No. 2565-1-B paiki at Pankore Naka. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 12464/12-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1104 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

CS. No. 2565-1-B paiki—Kalupur Wd. 3 situated at Vrandavan Shopping Centre, Shop No. 28/1, Pankore Naka, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discrosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Prabhawatiben Chinubhai;
 Rajiv Chinubhai;
 both at Shahibaug, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Mahesh Chelaram Mohanyani; 7/B, Deluxe Apartment, Old Sharda Mandir, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 28/1 situated at Vrandavan Shopping Centre—Kalupur Ward-3-B C. S. No. 2565-1-B paiki at Pankore Naka Ahmedabad duly registered by Registering Officer. Ahmedabad vide sale-deed No. 3142/December, 1979 i.e. property as fully destribed therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref No. P. R. No. 1105 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, CS. No. 2832-Nagarpatika Limit situated at Surendranager being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 123A, situated at Motikal Nehru Road, Calcutta-29. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Herishchandra Somnath Karia; Behind Chhabila Hanuman, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shti Chaturbhai Tribhowandas Variani; Madhavnagar, Behind Chhabila Hanuman, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act's hall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 327.7 sq. yds. bearing C. S. No. 2832 situated at Surendranagar duly registered by Registering Authority, Wadhwan vide sale deed No. 2962/6-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL, Competent Authority, Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref No. P. R. No. 1106 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 142-B, T. P. S. 3 Flat situated at "Chitra-Ami" Flats, Opp. Reserve Bank of India, Rshram Dd., Abmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prabhudas Jagjivandas Jadia; Swaminarayan Mandir Road, Opp. Devshah's Pada, Kalupur, Ahmedabad,

(Transferce)

(2) Shri Chandrakant Tribhowandas Hindocha; "Chitra Ami" Flats Flat No. 44, 4th Floor Opp. Reserve Bank of India, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44 on 4th Floor of "Chitra-Ami" Flats, situated Opp. Reserve Bank of India, Ashram Road, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 7618/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1107 Acg. 23/I/80-81,—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

S No. 2255-Kalupur Wd. No. 2, situated at Dhanasutar's Pole, Opp. Chokhawatia's Pole, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Snit. Kamlaben widow of Manubhai Chamanlal Shah: Dhana Suther's Pole, Opp. Chokhawatiya's Pole, Kalupur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Mahendrakumur Punamchand Gandhi; Dana Sutar's Pole, Opp. Chokhawatiya's Pole, Kalupur, Ahmedabed.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land sq. yds. 52—bearing S. No. 2255 situated at Dhanasuthar's Pole, Opp. to Chokhawatiya's Pole, Kalupur, Ahmedabad duly registered by Registering authority. Ahmedabad vide sale deed No. 9442/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1108 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ahmedabad

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. T. S. No. 3787 (Whole) No. 3792 (Part) Plot No. 33 (Whole) Plot No. 34 (Part) situated at S. No. 16 of Sahiipur Bogha Taluka, Kubernagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 28-12-1979

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Methibai widow of Sheth Bhawandas Tapandas Awatani, Sorabii Compound, Old Wadej, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Shri Ibangiram Lilaram Ramani Opp. Terminus of Bus Route No. 129, Bungalow Area, Kubernagar, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 1253 sq. mts. bearing C. T. S. No. 3792 (Whole) No. 3792 (Part) No. 33 (Whole) Plot No. 34 (Part) of S. No. 16 of Sahaijpur Bogha Taluka situated at Kubernagar duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 14084/28-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1109 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 323-2, situated at Village: Vejalpur, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
20—256GI/80

(1) Shri Shankerji Jagajit Solanki, Village Vejalpur, Thakorwas, Dist, Ahmedabad-51.

(Transferor)

(2) Kameshwarpark Coop. Housing Society Ltd., through: Chairman: Shri Mafatlal A. Patel; Sunder nagar, 3-54, Naranpura Char Rasta, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3146 sq. yds. bearing S. No. 323-2, situated at village Vejalpur, Dist. Ahmedabad-51, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 14116/28-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1110 Acq. 23/I/80-81,---Whereas, I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP. No. 8 paiki T. P. S. 18 situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad

on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathuresh Corporation; through Managing Partner Shri Babubhai Dashrathbhai, Patel, 111 Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad. Sarangpur, Ahmedabad.

(2) Shri Shah Mansukhlal Manilal; C/o. Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Shop No. 7, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gete, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 of Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, situated at Meghdut Hotel, O/s. Raipur Gate, Ahmedabad-TPS, 18 E. P. No. 8 paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 13200/December, 1979 i.e. property 28 fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref No. P. R. No. 1111 Acg. 23/I/80-81,—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 8 paiki T. P. S. 18 situated at Sher Kotda-Near Meghdut Hotel, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad

on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathuresh Corporation; through Managing Partner Shri Babubhai Dashrathbhai Patel, 111, Sarikwad, Sarangpur, Ahmedabad

(Transferee)

(2) Shri Bansilal Shantilal; C/o. Dashrathlal Chimanlal Cloth Market Shop No. 8, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 of D. C. C. Market, situated at Meghdut Hotel of Raipur Gate, Ahmedabad TPS, 18—F. P. No. 8 paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 14119/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1112 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP. No. 8 paiki T.P.S. 18, situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathuresh Corporation, through: Managing Partner, Shri Babubhai Dashrathbhai Patel, 111. Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Giriraj & Sons, Prop. Ganeshmal Modiram, Shop No. 5, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedahad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 of D.C. Market, situated at Meghdut Hotel Outside Raipur Gate, Ahmedabad-TPS. 18 F.P. No. 8-paiki duly registered by Registering Officer. Ahmedabad vide sale deed No. 14118/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1113 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I. S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing FP No. 8 paiki T.P.S. 18,

situated at Sher Kotda.—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathuresh Corporation, through: Managind Partner.
 Shri Babubhai Dashrathbhai Patel, 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferce)

(2) Bavchandbhai Premjibhai. Shop No. 13, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate. Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13 of D.C.C. Market, situated near Meghdut Hotel, Raipur Gate, Ahmedabad TPS. 18-FP. No. 8-paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 14117/Dec., 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL Competent, Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1114 Acq. 23/I/80181.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 8 paiki T.P.S. 18,

situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathuresh Corporation, through: Managing Partner.
 Shri Babubhai Dashrathbhai Patel, 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ambica Cloth Traders, through partner, Shri Baldevbhai Gopaldas, Shop No. 25, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25, of D.C.C. Market, situated at Meghdut Hotel, Raipur Gate, Ahmedabad TPS, 18-FP, No. 8-paiklduly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 13956/December, 1979 i.e. property as fully described therein,

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1115 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 8 paiki T.P.S. 18.

situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathuresh Corporation, through: Managing Partner, Shri Babubhai Dashrathbhai Patel, 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Chunilal Bhagwanji & Sons, Shop No. 10.

Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesteld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10 of D.C.C. Market, situated near Meghdut Hotel, Raipur Gate, Ahmedabad TPS. 18-FP. No. 8-paikiduly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 13957/Dec., 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1116 Acq. 23/J/80-81.—Whereas J. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under-Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 8 paiki T.P.S. 18,

situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ahmedahad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-task Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathuresh Corporation, through: Managing Partner.
 Shri Babubhai Dashrathbhai Patel, 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shah Dungerchand Kapurchand, Shop No. 21, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21 of D.C.C. Market, situated at Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad TPS, 18-F.P. No. 8 paiki duly registered by Registering Officer. Ahmedabad vide sale deed No. 13969/Dec., 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2NL FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1117 Acq. 23/I/80-81.--Whereas, I S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ard bearing

F.P. No. 8 paiki TPS.18

situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—256GI/80

 M/s. Mathuresh Corporation: through: Managing Partner; Shri Babubhai Dashrathbhai Patel; 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mulchandbhai Harakhchand; Shop No. 4, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market; Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4 of D.C.C. Market, situated at Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad TPS.18—F.P. No. 8 paikt—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 13955/Dec., 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1118 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F.P. No. 8, paiki TPS.18 situated at Sher Kotda Near Meghdut Hotel, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arises has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathuresh Corporation; through: Managing Partner; Shri Babubhai Dashruthbai Patel; 111, Sarkiwad, Sarangpur, Λhmedabad.

(Transferor)

(2) Eachrajdevi Mangilal Kothari; Shop No. 22, Dashrathbhai Chimanlal Cloth Market; Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 22 of Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, situated at Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad TPS.18, F.P. No. 8 paiki—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 13954/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1119 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F.P. No. 8 paiki T.P.S. 18 situated at Sher Kotda near Meghdut Hotel, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

 M/s. Mathuresh Corporation; through: Managing Partner: Shri Babubha; Dashrathbhai Patel, 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) R. Khodidas's Company, Shop No. 13, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 of Dashrathlal Chimanial Cloth Market, situated at Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad —TPS.18, F.P. No. 8 paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 13192/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1120 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP. No. 8, paiki T.P.S. 18 situated Sherkotda—near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation; through: Managing Partner; Shri Babubhai Dashrathbhai Patel, 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

 (Transferor)
- (2) Lalitkumar Brijkishore; Shop No. 12, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel, Outside Ralpur Gate, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12 of Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, situated at Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad—TPS 18—F.P. No. 8 paiki duly registred by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 13198/December, 1979 i.e. proporty as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-7-1980

(1) Hemanshu Parshotamdas Vakharia; Gon¢al Chandan Vila, Rajkot. Road,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I.

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1980

Ref. No. P.R. No. 1121 Acq. 23/I/80-81.--Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 402-Plot No. 27 situated at Umakant Udhyognagar, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Rajkot on 15-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) 1. Shri Dahyabhai Shivabhai Akabari; 2. Shri Gokaldas Shivabhai Akabari;

 Shri Jamnadas Shivabhai Akabari; Kalavad, (Shitala) Grain Market Road, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1605 sq. yds. bearing S. No. 402 Plot No. 27, situated at Umakant Ldhyognagar, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 6657 dated 15-12-1979.

S. N. MANDAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-8-1980

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1122 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 4-B situated at Kalubha Road, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 15-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shailesh Premshankar Shukla; Power of Attorney Holder of Legal Heirs of Late Prem-Shankar Mayashankar Shukla; Ambawadi, Kailash Bungalow, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Jasmin Flats Coop. Housing Society Ltd., Chairman: Rashmikant Bhalchandra Gandhi; Vora Bazar, Near Jain Temple, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 470 sq. metres bearing Plot No. 4-B, situated at Kulabha Road, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2324 dated 15-12-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1123 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 1489 & 1493-1 paiki Plot No. 11, situated at Shanker Takri, Gordhanpar Road, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Jamnagar on 7-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mansukhlal Zinabhai Mehta; Central Bank Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Lakhamshi lethabhai Shah; Village: Navagam, Taluka Lalpur, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land adm. 5104 sq. ft. bearing revenue Survey No. 1489 & 1493-1 paiki Plot No. 11, situated near Shanker Tekri, Gordhanpara Road, Jamnagar duly registered by registering Officer, Jamnagar vide sale deed No. 2733/7-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1124 to 1144 Acq. 23/I/80-81,-Whereas, I S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Jagnath Apartments situated at Gymkhana Road, Old Jagnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 - of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Vijyaben Vallabhdus Mehta; "Matruchhaya" Millpara, Rajkot.
- (2) 1. Shri Kiritbhai Bhagwanlal Gandhi; Apartment No. 16, Jagnath Apartment, Gymkhana Road, Old Jagnath Rd. Rajkot.
 2. Kumudben Hemchand Mehta;

Apartment No. 12, —same as a 3, Smt. Ranjanben K. Ranpara, Apartment No. 3, —same as a 4. Shri Vinodehandra T. Sangalia; –same as above—

-same as above---Apartment No. 20, —same as above—

5. Shri Bisan Sevakram Kevlani; Apartment No. 21, —same as -same as above-

6. Shri Atulchandra D. Shukla;
Apartment No. 22, —some as above—

7. Shri Rameshchandra H. Somaiya;

Apartment No. 19, —same as above—

8. Shri Hasmukhrai Amratlal Shah;
Apartment No. 24, —Same as above—

9. Shri Ghanshyamdas Khushaldas Sugandh;
Apartment No. 23, —same as above—

10. Shri Amratlal Vasanji Dubal,

Apartment No. 13—same as above—
11. Shri Hasmukhlal A. Kothari;
Apartment No. 10, —same as above—
12. Shri Thakershi Jethalal;

Apartment No. 8, —same as above—

13. Smt. C. J. Shah;
Apartment No. 2 & 5, (shops) —same as above—
14. Smt. Joginder Kaur Bahi;

Apartment No. 1, —same as above— 15. Manjulaben V. Pattani; Apartment No. 15, —same as above—

16. Shri Hargovind Ranchhod Pavagadhi; Apartment No. 11, --same as above-

17. Smt. Savitaben Himatlal Kotecha; Apartment No. 14, Jagnath Apartment, Gymkhana Road, Old Jagnath Plot, Rajkot.

Shri Savjibhai Shantilal Hansaliya; Apartment No. 9, —same as above—
 Smt. Ranjanben Ranghubhai Patel; Apartment No. 17, —same as above—
 Shri Vallabhdas Mohanlal Bhalodiya;

Apartment No. 4, —same as above-21. Shri Nanalal Talakshi;

Apartment No. 7, -same as above.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment Nos. 16, 12, 3, 20, 21, 22, 19, 24, 23, 13, 10, 8, 2, 5, 1, 15, 11, 14, 9, 17, 4, & 7 (in all 21 Apartments) of Jagnath Apartment, situated at Gymkhana Road, Old Jagnath Plot, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale deed Nos. 3264, 851, 2018, 455, 456, 457, 451, 458, 600, 1876, 459, 798, 797, 130, 599, 454, 453, 1218, 452, 1217, & 799 of December, 1979, i.e. property as fully described therein. fully described therein.

> S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 267D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1980

Ref. No. P.R. No. 973 Acq. 23-II/80-81. -- Whereas, I S. N. MANDAL

being the C. mpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Athwa Old S. No. 30 Plot No. 27, S. No. 1071 situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Smat on 12-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere: for the purposes of the indian income-tax. Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

22-256GI/80

(1) Shri Kantilal Chhaganlal Shah; Haripura, Tartia Hanuman Sheri, Surat.

(Transferor)

 Mahendra Ganpatishanker Shukla; C/o Manilal Patel & Co. Opp. Chhakapir Gali, Limda Chok, Surat.

 Phakorbhai Dahyabhai Desai; C/o Bipin Desai, Opp. Union Bank of India, Kanpith, Surat. Promoters: Mehali Apartments Coop. Housing Society Ltd., Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Enmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at village Athwa -Old S. No. 30 paiki, Plot No. 27, Present No. 1071, duly registered at Surat on 12-12-79.

S. N. MANDAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date:11-8-1980

Form lTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1980

Ref. No. P. R. No. 974 Acq. 23-II/80-81.—Whereas 1, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Majura R.S. No. 118 paiki-Sub-plot No. 25, situated at Majura S. No. 102 T.P.S. No. 9, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 21-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afrossaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and to:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Shri Chandramani Piyush Dalal, B.A. Rande Road, Dadar, Bombay-28.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bankim Tarunchandra Dave, Ratanshanker Mastorni sheri. Ambaji Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Majura R.S. No. 118, Sub-plot No. 25, duly registered on 21-12-79 at Surat.

S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 11-8-1980.

 Shri Madha Karasan Roiyani, Bavavala Para, Jetpur.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
(2) 1. Shri Shirishkumar Jagatray Parekh;
2. Shri Babubhai Ukabhai,
Khodpara, Jetpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 11th August 1980

Ref. No. P. R. No. 1149 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 13, situated at Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 11-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land, admeasuring 4 Acre 39 Guntha, bearing S. No. 39, situated at Jetpur, and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1586/dt. 11-12-1979

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 11-8-1980

Form ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1980

Ref. No. P.R. No. 962 Acq. 23/I/80-81.--Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1646 Wd. No. 11, Sodagarvad,

situated at Machhalipith, Surut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jamshedji Pestanji Petigara, 11/1646, Sodagarvad, Machhalipith, Surat.
 - Shri Dolat Darabsha Patel, 155, Raj Nivas, Water Field Road, Bombay-50.
 - Shri Khorshed Darabsha Patel,
 155, Raj Nivas, Water Field Road,
 Bombay-50,

(Transferor)

(2) Shri Ramdas Baurao Bayaskar, Nanpura, Jamrukh Gali, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property, at Sodagarvad, Machhali Pith, Wd. No. 11 Nondh No. 1646, duly registered at Surat on 28-12-1979.

> S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-8-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I¹, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, 1st August 1980

Ref. No. P.R. No. 963 Acq. 23/1/80-81,—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

N. H. N. 920 W. S. 4

Nondh No. 839, Wd. No. 6

situated at Chhaparia Sheri, Mahidharpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Indravadan Ambalal Pandya, Haripura, Bhavanivad, Surat.

(Transferor)

1. Shri Jitendra Champaklal Shah,
 2. Shri Harishkumar Champaklal Shah,
 Mahidharpura, Chhaparia Sheri,
 Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPT ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of thes aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Froperty at Mahidharpura, Chhapara Sheri, Nondh No. 837, Wd. No. 6, Surat duly registered on 13-12-79 at Surat.

> S. N. MANDAL Competent Au horry. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-8-1980.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th August 1980

Ref. No. P.R. No. 964 Acq. 23/II/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Cometent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 2345, Wd. No. 4, Dariavad,

situated at Salabatpura, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 31-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hasanbhai Mohmadbhai, Shri Ahmadbhai Kasambhai, Zampa Bazar, Taiyab Mahollo, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shti Abubakar Ahmad Bharania,

Shri Ibrahim Abubakar,
 Shri Mohmad Kasam Abubakar,

Shri Mohmad Kasam Abubakar
 Shri Noormohmad Abubakar

Shi Abdulkadar Abubakar,
 Shi Abdulkadar Abubakar,
 Dariayad, Salabatpura,
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Dariavad, Salabatpura, Nondh No. 2345 Wd. No. 4, Smat duly registered at Surat on 31-12-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-8-1986

· FORM ITNS---- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th August 1980

Ref. No. P.R. No. 965 Acq. 23-11/80-81.--Whereas I. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nordh No. 399 Wd. No. 9, Store Sheri,

situated at Wad; Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at situated at Wadi Falia, Surat

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Prabhakar Dhirailal Store & his minor daughter Nandita Prabhaker Store; Shri Viratkumar Prabhaker Store;

 - 3. Shri Umaben Prabhaker Store; 4. Jayleena urfe Jayshreeben wd/of Sureshchandra Dhirailal Store:
 5. Minor Hemant Sureshchandra Store,
 - Minor Ishvari Sureshchandra Store,
 - 7. Minor Dhanvina Sureshchandra Store, L. H. of No. 5 to 7 Mrs. Nilambari Sureshchandra Store

Resi: Elcid-Malbar Hill, Ritz Road, Bombay.

(Transferer)

(2) Shri Champaklal Harkisandas, Store Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Property at Nordh No. 399 in Store Sheri, Wadi Falia, Surat duly registered at Surat on 27-12-1979.

> S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-8-1980

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1980

Ref. No. P.R. No. 966 Acq. 23/II/80-81,—Whereas J. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 501, Vibhag C, Tika No. 1/2, situated at Raopura Ward, Anandpura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 14-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

 Shri Elgunabhai Chimanbhai Patel, Ambawadi, Hirabaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dr. Shirishbhai Natverlal Shah and Dr. (Mrs.) Manjulaben S. Shah, through: Their P.A. Holder, Dr. Satishbhai Natverlal Shah, Vishwas Colony, Jetalpur Road, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated in a byc lane at Vibhag C, Tika No. 1/2 C.S. No. 50/1 of Raopura Ward, Anandpura, Baroda and fully described as per sale deed No. 5924 registered in the office of sub-registrar, Baroda on 14-12-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1980

Ref. No. P.R. No. 967 Acg. 23/II/80-81,—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 291/A-2 and 292/1/2, situated at Baroda Kasba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—256GI/80

 Smt. Premlatha Kesarinath Gupta, 17-A Sudamapuri, Manjalpur, Baroda.

(Transferor)

Shri Narayana Prasad Mathuraprasad Shukla,
 Smt. Gyanayati Narayana Prasad Shukla,
 "Jayanil", R.V. Desai Road,
 Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of aggregate area of 10 gunths and a construction thereon of plinth area 2000 sq. ft. which is mentioned to be in a dilapidated state situated at Baroda Kasba bearing S. No. 291/A-2 and 292/1/2 and fully described as per sale-deed No. 6033 registered in the office of sub-registrar, Baroda on 21-12-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-R.

2ND PLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RAOD MINIPRARAD 150 009

Ahmedabad 380 009, the 7th August 1980.

Ref. No. P.R. No. 968 Acq. 23 H/80 81. Whereas -1 S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have tenson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land at village Adnian Ward No. 17,

situated at Tal. Choryasi, Surat tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) twildming the reduction on exprise of the leability of the transferor to pay tax nader the said Act, in respect of any income arising from the transfero and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Seal:

(1) Manckbai Mosed Pestanji Dosabhai's daughter and widow of Arachsha Kavasji Turel, Bilini Jada, Saiyedpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shii Gorang Jaedas, 54, Sangam Society Rander Road, Suraf

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons orbicliever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIAMATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fund at Adujan bearing R.S. No. 2 Wd. No. 17 duly registered at Surat on 26 12 1979.

S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 7/8/1980

5541.5

FORM TINS -

(1) Sing Gulamyasul Mahmad Shaikh. Last Chunarvad, Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE DIS 150 1 111

(1) Conference: Gulammurtaia Gulam Mahmad Shaikh, Sai Baba Coop. Housing Society Ltd., Fiss Chimacoad, Broach.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGUAL,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RAOD, AHMEDADAD 380 039

Ahmedabad-380 009 The 7th August 1980

Ref. No. P.R. No. 969 Acq. 23 [1/80-8] Wherea. L. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority—under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to behave that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000.1- and bearing

R.S. No. 8, situated at Kanbivas. Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereign has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 13-12-1979

for an apparent consideration which is base than the tail market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said tastrument of transfer with the object of the said tastrument of transfer with the object of the said tastrument of transfer with the object of the said tastrument of transfer with the object of the said tastrument of transfer with the object of the said tastrument of tastrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 (P) (2), (10). The county and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

ти вешэцт

Tand as Villago Naurobiyana, K.S. No. 8. dlly registered at infimucly on 31-12-1979.

S. N. MANDAL Competent Authority. Inspecting Visit, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Admedabad

Date = 5/3/1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1980

Ref. No. P.R. No. 970 Acq. 23/11/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1147 Ward No. 1.

situated at Dangor Mahollo, Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Surat on 31-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Ruxmaniben Manilal & her Minor son, Girishchandra Manilal,

Minor son: Kanaiyalal Manilal, Chandulal Manilal, Minor son:

Minor son : Rameshchandra Manilal, Nanpura, Dangor Mahollo,

(Transferors)

(2) Shri Jagdishchandra Galabchand, Magnidevi Madanlal. Asidevi Prabhatilal. Prabhatidevi Omprakash, Mahindharpura, Ghia Sheri, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nordh No. 1147, Ward No. 1, Dangor Mahollo. Nanpura, Surat duly registered on 31-12-79 at Surat.

S. N. MANDAI

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmcdabad-380009

Date: 7-8-1980

Form l'INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1980

Ref. No. P.R. No. 971 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

S. No. 327/1, situated at Chaklassi Patti, Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nadiad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Prakashchandra Ravjibhai Patel, Mayurkuni Society. Nadiad.

 Surmistaben Rajnikant Shah, Mayurkunj Society. Nadjad. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gratette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing S. No. 327/1, situated in Mayurkuni Society at Chaklassi Patti area of Nadiad Town and fully described as per sale deed No. 3237 registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad in the month of December, 1979.

> S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad-380009

Date: 8-8-1980

<u> Program (2000), program (2005), al alla de la compania del la compania de la compania del la compania de la compania del la compania de la compania de la </u>

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1980

P.R. No. 972 Acq. 23-II/80-81.--Whereas I, Ref. No. P.R. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 3253 & 3254

situated at Lakhavad Patti area, Near Vaishalee Cinema. Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nadiad on 13-12-1979

for an apparent consideration, which is less than the faumarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and inclument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the fransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) I. Chandrakant Kalidas Patel, Kakarkhad, Nadiad,

 - 2. Jyotindra Survakant Patel.
 3. Kiritkumar Suryakant Patel; Lakhavad Chora, Nodiad. 4. Pinakin Surval ant Patel, | Nadiad.

(Transferors)

(2) Maheshwarinagar Coop. Housing Society; Through: Chief Promoter Jagdishchandra Mohanlal Shah. C o Pushkar & Co. Land Organisers, Sardar Bhavan, Near Station, Nadiad.

(Transferees)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'MPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Open land beating S. No. 3253 and 3254 Lakhavad Patti area T.P. S. No. 1, Nadiad and fully described as per sale accels 3988 and 3989 registered in the office of Sub-Registrar. Nadiad on 13-12-1979,

> S. N. MANDAL, Competent Authority, aspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-8-1980

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE.

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad 380 009, the 20th August 1980

Ref. No. P.R. No. 980 Acq. 23-11/80-81. -Whereas I. S. N. MANDAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 233, 232/2, 232/1 231/3 231/1 & 232/2, situated at Sultanabad, Dumas, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other passets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, flamely:—

 Shi Cadabdos P Jariyala, Begampara, Vadyali Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Shii Mukuai Venilal Dalal. 9/1302, Balaii Road, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULT

Property being 1.5th share at 8. No. 233, 232/2 231/1, 231/3, 231/1 and 232/2 at Sulfanabad, Dumas, duly registered on 15-12-1979.

S. N. MANDAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 20 8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1980

Ref. No. P.R. No. 981 Acg. 23-II/80-81,---Whereas I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A, Survey No. 46.

situated at Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Baroda in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Savitaben Ramanlal Patel, Ami Apartments No. 2, Opp. Gopalbaug, Race Course Circle, Baroda

(Transferor)

(2) Shri Jitendra Manubha Patel, Ramdeep' Near Gopal Baug, Race Course Circle, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Plot No. A of Survey No. 64, Jetalpur village, Baroda and as fully described as per sale deed No. 5756 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of December, 1979.

> S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 20-8-1979,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1980

P.R. No. 982 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, Ref. No. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub-Plot No. 8 of Plot No. 1A of Main Plot No. 1 Rev. No. 167 & 168, situated at Pratapnagar Industrial Area, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Bombay at on 14-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

(1) 1. N. B. Dharia, 2. S. B. Dharia, 3. Y. B. Dharia, All residing at 10, Nirmal Niwas, Bomanji Petit B. Dharia. Road, Bombay-6. 5. J. B. Dharia,

(Transferor)

(2) M/s. Shantilal Manilal & Sons, 660/795, Sunder Chawk, Mulji Jetha Market, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Revenue No. 167 and 168, Sub-plot No. 8 of Plot No. 1A of Main Plot No. 1. situated at Pratapnagar Industrial Area Baroda and as fully described in the sale deed No. 4175/71 registered in the office of Sub-Registrar, Bombay on 14-12-1979.

S. N. MANDAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 20-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

Ahmedabad, the 20th August 1980

Ref No. P.R. No. 983 Acq. 23-11/80-81,—Whereas I, S. N. MANDAL;

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 2 Survey No. 42, Hissa No. I, situated Subhanpura, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in December 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bhanubhai Lakhabhai Patel;
 Vrindavan Colony, Race Course Circle, Baroda.

(Transferor)

(Transferce)

(2) 1. Chandrakant Manibhai Patel (HUF);2. Bharatiben Rameshbhai Patel;

Both staying at Kanpur, Anand.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Plot No. 2 of Survey No. 42, and Hisa No. 1 situated at Subhanpura, Baroda and as fully described as per sale deed No. 6115 registred in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of December, 1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad.

Date: 20-8-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th July 1980

Ref. No. RAC. No. 188/80-81,--Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-2-330/A situated at Muradnagar, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Dec-79

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) 1. Smt. Razia Begum,
 - Mohd. Azamuddin, Mohd. Maneeruddin,

 - Mohd. Muktarduddin
 - Mohd. Zulfekharuddin, 6. Mohd. Zaheeruddin, 7. Mohd. Khursheeduddin,

 - 8. Smt. Mahaboob Afser Begum 9. Smt. Zafar Begum, all residing at Muradnagar, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. Waheeda Rukasana, W/o Mohd. Ibrahim Ghori, H. No. 49, Dattatreya Colony, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 12-2-330/A, Muradnagar-Hyderabad admeasuring 360 Sq. Yds. registered vide Document No. 7271/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th July 1980

Ref. No. RAC. No. 189/80-81.-Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-330 situated at Muradnagar Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Regt Hyderabad on December 1979, for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Razia Begum w/o late Mohd Imamuddin, 3. Mohd. Azamuddin

3. Mohd. Manazeruddin, Mohd. Muktaruddin.

5. Mohd. Zulfekharuddin,

6. Mohd. Zaheeruddin,

 Mohd. Khursheeduddin,
 Smt. Mahaboob Afser Begum,
 Smt. Zafar Begum, all risiding at Muradnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mohd, Dawood Ghori, S/o late Mohd, Makhdoom Ghar, R/o Muradnagar, Hyderabad. (12-2-330 Muradnagar, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 12-2-330 admeasuring 360 Sq. Yds. situated at Muradnagar Hyderabad, registered vide Doc. No. 7269/ 79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-7-1980.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1980

Ref. No. RAC No. 191/80-81.—Whereas I, GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Ward 10 Block 3, situated at Near Vijaya Nagar Colony, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Mohd. Abdul Samad S/o Late Gulam Jeelani 11-1-204 Aghapura, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) 1. Syed Sultan & others S/o Late Syed Pasha 11-3-547, Mallepally Hyderabad.
 4. Syed Farhat S/o Late Syed Pasha, 11-5-589 Red
 - Hills Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in ward No. 10 Block No. 3 admeasuring 942 square yards equivalent to 820 square metres situated at Mallepally near Vijayanagar Colony, Hyderabad registered vide Document No. 7035/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-7-1980.

Hyderabad

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor) (2) Shri Lalji Shivji S/o Shivji H. 5-3-824

(1) Shri Mulji Premji s/o Premji Gyan Bagh Colony,

Gosha Mahal Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th July 1980

Ref. No. RAC. No. 192/80-81.—Whereas, I S. GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-59 & 91 situated at station road Nampally, Hydera-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11 admeasuring 260 sq yards premises no 5-8-59 to 5-8-91 situated at Station Road, Nampolly, Hyderabad registered vide document No. 7187/79 in the Office of the Joint Sub Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1980

Ref. No. RAC. No. 193/80-81,—Whereas I, S. GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-275 of plot 2, situated at Anand Nagar, Khairatabad,

Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Sri Bhagwandas S/o Sri Hemandas Lalwani 3-6-361/26 Himayath Nagar Hyderabad and also resident of 8/1028 Mukhram Jahi Road Warangal, (Transferor)
- (2) Smt. Suraiya Jabeen W/o Syed Mumtaz All H. No. 3-6-428/1 Himayathnagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing No. C-2/3 of Plot 2 situated at Anandnagar, Khairatabad, Hyderabad in Survey Nos 94, 95 and 96 registered vide Document No. 3186/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 196/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

No. Port of 1-8-653/2 situated at Charminar Cross Road, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Srl Palukuri Chinna Suryanarayana,
 Srl P. Kalidas, both at H. No. 4-3-33, Kothagraharam Vizayanagaram, A. P. Vizag-Dist.

(Transferor)

M/s Survamukhi Enterprises, Represented by
 Dr. G. Nagabushanam,
 R/o Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

 V. Gopal Rao, H. No. 1-9-312/2 Vidyanagar, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land admeasuring 424 Sq. Yds bearing M. no. 1-8-563/2 consisting of compound wall, situated at Azamabad Industrial area, Charminar Cross Road Hyderabad, registered vide Document No. 7514/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 7-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 197/80-81.—Whereas J, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land 450 Sq. Yds, situated at Charminar cross Road, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

1. Palukuri Chinna Suryanarayana,
 2. Sri P. Kalidas,
 both residing at H. No. 4-3-33,
 Kothagraharam, Vizianagaram,
 A. P. Vizag. Dist.

(Transferor)

(2) M/s Suryamukhi Enterprises, Represented by

 Dr. G. Nagabushnam, R/o Chikkadpally, Hyderabad..
 V. Gopal Rao, H. No. 1-9-312/2 Vidyanagar, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land measuring 450 Sq. Yds. bearing M. No. 1-8-563/2 consisting of compound wall situated at Azama-bad Industrial area, Charminar Cross Road, Hydernbad, registered vide Document No. 7642/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Hyderabad.

Date-7-8-1980 Seal:

25-256GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 198/80-81,—Whereas I, S. GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000%- and bearing

No. Land in S. Nos. situated at 136, 137, 139, to 142 Kothapet,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri T. Bharat Singh, 3-6-150 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) The A. P. Commercial Taxes Employees Co-operative Housing Society, Ltd., Nampally, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 136, 137, 139 to 142 total area 3 Acrs, situated at Kothapet, Hyderabad, registered vide Document No. 7447/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad,

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 7-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 199/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. Land S. No. 159, 160 situated at Zamisthampur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

the caforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Babaiah, H. No. 1-6-519 Zamisthanpur, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Kaladhar Weaker Section Co-operative Housing Society, Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Survey Nos. 159, 160 admeasuring 2700 Sq. Mots, at Dayaramarket, Zamisthanpur, Hyderabad, registered vide Document No. 7076/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 7-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 200/80-81.—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 299/1 situated at Malkajigiri village, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad-East on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ahmadi Begum R/o Yakutpura, Hyderabad 2. Mir Mohammad Hussain R/o Yakutpura, Hyderabad 3. Mir Mohammad Hasan G.P.A. of 3 to 1 Hyderabad 4. Syed Osman Ali R/o Moula Ali Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Indo Nippon Ikya Karmika Gruha Nirmana Sahakara Sangam T.B. No. 108 Represented by Sri Gopal Reddy President, Sri K. S. R. K. Murthy Secretary, Sri V. Sudershan Rao Committee Memher.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 299/1 part. measuring 14 acres situated at Malkajigiri village registered vide Doc. No. 12475/79 with the Sub Registrar Hyderabad-East.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC, No 201/80-81.-Whereas I, S. GOVIN-DARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. 298/1 & 303/1, part situated at Malkajgir, village, Secunderabad situated at Malkajgiri Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Sri P. V. L. Thimmaraju 2. Sri P. Subba Raju 3. Sri Ch. R. Raju 4. Sri K. R. Raju 5. Smt. M. Janikamma all residing at H. No. 1/191 Lingojiguda village.

(Transferor)

(2) M/s. The Modern Co-operative Housing Society Ltd. Represented by its Secretary Sri P. Ramanaiah H. No. 4-1-624 Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agl. Land S. No. 298/1 & 303/1 part at Malkaigiri, Secunderabad admeasuring 1 Acr. 25 guntas and Registered vide Document No. 12555/79 with Sub Registrar Hyderabad-East.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad,

Date : 7-8-1980 Scal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 202/80-81.—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 303/1 situated at Malkajgiri Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. V. L. Thimmaraju 2. Sri P. Subba Raju 3. Sri Ch. R. Raju, 4. Sri K. R. Raju and 5. Smt. M. Jinikamma, all residing at H. No. 1/191 Lingojiguda, village. (Transferor)
- (2) M/s. The Modern Co-operative Housing Society Ltd. Represented by its Secretary Sri P. Ramanaiah H. No. 4-1-624 Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at S. No. 303/1 part, admeasuring 1 Ac. 25 guntas at Malkajgiri village Registered vide Document No. 12658/79 with the Sub-Registrar, Hyderabad East.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Hyderabad.

Date: 7-8-1980.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 203/80-81.—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 146 to 149 situated at Lothukunta village, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Secunderabad on December 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Suraj Gouli S/o Rajaram, R/o House No. 76/A, Trimulgherry, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Tokayatha Co.operative Housing Society Ltd, (TAB 81) Himayatnagar Hyderabad its President Sri Balreddy S/o Papireddy r/o Saidabad State Bank of Hyd. Colony Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 acre in survey No. 146, 147, 148 and 149 at Lothukuntha village, Bolaram Road, Secunderabad registered vide Document No. 2787/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 204/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 25 (22-7-269/25)

situated at Salar Jung Market, Dervan Devdi, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3 Devan Devdi, Hyderabad by Partner Sri Sved Abdul Hamid 5/0 Saved Abdullah, 6-2-977 "Guleston" Khartabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Bin Amer s/o Amen Bin Abdullah. 22-1-371, Sultanpura, Hyderabad-24.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25 (22-7-269/25) at Salar Jung Market, Devan Devdi, Hyderabad. Registered before the Sub-Registrar, Azampura under the document No. 3535/79 during the month of December, 1979.

S. GOVINDA RAJAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-8-1980

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 205/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA RAJAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop, situated at Salar Jung Market, Dewan Devdi, Hbd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——26—256GI/80

 M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3 Devan Devdi, Hyderabad,
 by Partner Sri Syed Abdul Hamid, s/o Sayed Abdulla,
 6-2-977 "Guleston" Khiartabad, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Sri Basheer Ahmed s/o Gulam Mohd, 16-5-91/3, Farhatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Salar Jung Market at Devan Devdi, Hyderabad Registered before the Sub-Registrar, Azampura under Registered document No. 3534/79 in the month of December, 1979.

S. GOVINDA RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lay
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-8-1980

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. **HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th August 1980

No. 206/80-81.—Whereas, I, No. RAC. GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 24,

situated at 22-7-269/24, Salar Jung Market, Diwan Devdi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Azampura on Dec. 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3 Devan Devdi, Hyderabad by partner Sri Syed Abdul Hamid, S/o Sayed Abdulla, 6-2-977 "Guleston" Khiartabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohsin Bin Amer, c/o Sayeed Brothers, Madina Building, 22-1-371. Sultanpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 24 (22-7-269/24) situated at Salar Jung Market, Diwan Devdi, Hyderabad. Registered before the Sub-Registrar, Azampura under the registered document No. 3533/79 during the month of December, 1979.

> S. GOVINDA RAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th August 1980

Ref. No. RAC. No. 207/80-81.-Whereas I. GOVINDARAJAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot, situated at Azamabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Palukuri Chinna Suryanarayana,
 Palukuri Kalidas,
 Both s/o Late Sri Palukuri Jagannadham,
 r/o 4-3-33 Kotha Agraharam, Vijayanagaram,
 A.P.

(Transferor)

 Smt. C. Aruna Bai, w/o Sri Motilal H. No. 13-2-362, Rahimpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot within compound under M.C. No. 1-8-563/2, Azamabad, near R.T.C. X roads, Hyderabad admeasuring 450 sq. yards and registered vide Document No. 7010/December 1979 with Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th August 1980

Ref. No. RAC. No. 208/80-81,---Whereas I, GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 302, 303, 309 & 292

situated at Guddi Mallapur, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. K. Satyavathi, Smt. K. Manikyamma, Sri G. Harinath Rao G.P.A. for V. Kalpana,, G. Harnath Rao, H. No. 12-2-716 Beer Bun, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Accountant General Office Co-operative Housing Society, Saifabad, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'taid Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 302, 303, 309 & 293 at Guddi Mallapur admeasuring 2 Acres 26 guntas Registered vide Document No. 3105/79 with Sub-Registrar, Khairatabad, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 209/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open land, situated at S. No. 1-4-1011 Golconad X Roads, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other passets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Asma Bai, w/o Late Abdul Hussain,
 - 2. Tara Bal w/o Mohd, Ali Harianawala, 3. Fakhruddin s/o late Abdul Hussain,
 - 4. Hatim Hussain s/o late Abdul Hussain, 1-4-1011/Golcanda X Roads, Hyderabad.

(Transferors)

(2) M/s. Tirumala Tower Constructoins, Managing Partner Sri M. S. Chandraiah, s/o Balakistaiah. 1-1-593/C, Gandhinagar, Hyderabad-500380 (AP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in S. No. 1-4-1011 measuring 704 sq. vards at Golconda X Roads, Hyderabad before the SRO, Hyderabad under document No. 7615/79 during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 210/80-81.—Whereas I, SGOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 9, situated at S. No. 145 Bakaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Ahobala Sastry, 1-1-742/A, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Azra Sultana w/o Quamaluddin, SBI Officers Colony, 1-4-879/53, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 in S. No. 145 measuring 395 sq. yards at Bakaram, Hyderabad registered vide document No. 7721/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC No. 211/80-81 J. No. (5/3249).—Whreas 1, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. 116, 117, 118, situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Rasheed Chenov, 134, Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

 M/s. Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings Nos. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 sq. Yards were registered vide document No. 7448/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC No. 212/80-81. J. No. 5 (3250),—Whereas I. S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/an bearing No.

116, 117 & 118, situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1902), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Gool D. Umrigar, Rajah Mahal 144, Maharishi Karve Road, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Nataraj Construction Company, 116, Park Lanc, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7449/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC No. 213/80-81 J. No. 5(3255).—Whereas I. S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

116, 117 & 118, situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—256GI|80

. .

(1) Mrs. Sona N. Chenoy. 143/1, Macintyre Road, Secunderabad.

(Transferor)

 M/s. Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 sq. yards were registered vide document No. 7450/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority, Inspecting A9ssistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC, No. 214/80-81 J. No. 5(3256),—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

116, 117 & 118, situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sona N. Chenov. 143/1, Macintyre Road, Secunderabad.

(Transferor)

 M/s. Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 and 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 sq. vards were registered vide document No. 7451/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mrs. Sona N. Chenoy, 143/1, Macintyre Road, Secunderabad.

(Transferor)

 M/s. Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 215/80-81 J. No. 5(3257).—Whereas, I. S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- an bearing

No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7452/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-8-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 216/80-81 J. No. 5(3259).—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Rogistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Sona N. Chenoy, and others, 143/1, Macintyre Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7579/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(1) Mrs. Sona N. Chenoy, 143/1, Macintyre Road,

Secunderabad.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 217/80-81 J. No. 5(3281).—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350) to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide documents No. 7424/79 before the ŠRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

> S. GOVINDARAJAN. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 218/80-81 J. No. 5(3292).—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Sona N. Chenoy, 143/1, Macintyre Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7425/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 11th August 1980

HYDERABAD

Ref No. RAC. No. 219/80-81/J. No. 5(3293).—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Rasheed Chenoy, Chenoy Mansion, 134-B, Penderghast Road, 143/1, Macintyre Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7427/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Sona N. Chenoy, 143/1, Macintyre Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Nataraj Construction Company, 116, Park Lanc, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC No. 220/80-81/J. No. 5(3294).—Whereas, I. S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underlighted—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notise in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this sixties in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7425/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-fax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 221/80-81 J. No. 5(3295).—Whereas, I.S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons. namely:—
28—256GI/80

- (1) Mrs. Gool D. Umrigar, 144 Rajan Mahal, 7 Karve Road, Bombay. (Transferor)
- (2) M/s Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the sald property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7428/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Data: 11-8-1980

Scal:

I FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT, OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, "MYDERABAD "

more was octave other between the tribe Avenes along in

RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refeneration the said Act have reason to believe that the mimevable! property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New 7:28/23 1 si finthed water Vigram Read of Rajahmumdy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)blin the loffice of the Registering Officer at Raikinenda one Gentle 1900 smar sett stat Hed

for an apparent consideration which Is 1988s than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any morieys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferde for the purposes of the Andian Indomb tax Act 1922 (11) of 1922) (or the said Aot, on the Wealth-tax Act) 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Srl Norl Venkateswarlu,

Engineer, Television Centre, Madras, 2. Sri Nori Stinivas, being minor by guardian and father Sri Nori Venkateswarlu, Epgineer, Television

(Transferors)

(2) Smt. Polu Subbamma, W/o Polu Musalayyareddi, Mangalayarapupeta, Rajahmunday (AP) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or apperiod of 30 days afrom the service of stotice on the respective persons, which cyst appriosistantinte latentum
- (b) by any other person interested in the said immey able, property, within 45, days from the date of inthe aguidheatign and in the situation of the supplementation of th 2 (Reszelta)

EXPLANATION; - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of the drouge pearing door No. 1/28,23 (Old door No. 4/198) in 327 1/2 Sq. Yards of sile of Vigram Road Rajalimindry within the Rajamindry Municipality in Ward No. 4, The above property was inegistered by Registering Authority at Kakinada as document (1910) 129073/79 or 6-12-1979.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980 Seal:

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE.

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

"Rof." No. RAC" No. 1037. Whereas I, S. GOVINDA-

being the Competent Authority under Section 269B of the Likome tax Acti 11961" (43 tof 1961) (hereinafter referred to spiles which Act prinare feasth to believe that the immovable projectly having a fair market value exceeding Rs. 25,00% an bearing No. 11 and 15 and 15 and 15

7.28.23, situated at Vigiani Rbad, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, of 1908) in the Office of the Registering Officeriat. Kakinadanaan 20.12.12.1979 ... 11 25 milina (13 2.1)

for mis apparentificonsideration "which Is" less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for situations are agreed to between the parties has hot been truly stated in the said instrument of thanker with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other cassetts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957, (27, 01, 1957.)
- Mow therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. Thereby infiliate proceedings for the acquisition of the aforestill property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1: Sri Nori Viswanadham,

 - Sri Nori Venkatachalapatirao,
 Sri Nori Seshadri Sastry,
 Andhra University Waltair A P

(Transferdie)

(2) Smt. Polu Subpamma. Mangalavarapupeta, Rajahmundry,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforeship persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of hotice on the respective "persons, whichever period expires later;
- (b) by "any other person" hielester in the said thinnovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tited house bearing door No. 7.128:23 in 3274 Sq. Yards of Site, of Vigram Road, Rajahamandry of Rajahamundry Municipal 4th Ward. The above, property, was registered at Registering authority at Kakinada, under document No. 29074/79 registered on 6-12-1979.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Intontifiax, - Acquisition Range / Hydetabad

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 1058.—Whereas I, GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7.29.1, situated at Devatavari St. Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kakinada on 7-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Nori Venkateswarlu, Engineer, Television Centre, Madras.
 Sri Nori Srinivas, being minor by guardian and father Sri Nori Venkateswaralu, Engineer, Television Centre, Madras.

(Transferors)

(2) Shri Polu China Vengala Reddi, P/r. Vikram Chit Fund Co. Door No. 9-25-26, Gunduvari Street, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing old door No. 4/203 and new door No. 7.29.1, Devatavari Street, Rajahmundry, Municipal Ward No. 4, locality No. 7, residential zone, registered before the Registering authority at Kakinada as document No. 9098/79 on 7-12-1979.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. 1059.—Whereas I. S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

7.29.1, situated at Devatavari lane, Rajahmundry (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 7-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Nori Viswanatham, Shri Nori Venkatachelapathirao, Shri Nori Seshadri Sastry, Professor, Andhra University, Waltair.

(Transferors)

(2) Sri Polu Bala Venkagala Reddi, P/r Vikram Chit Fund Company, Door No. 9-25-26, Gunduvari Street, Rajahmundry (ΛP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing old door No. 4/203 and new door No. 7-29-1, Devatavari Street, Rajahmundry, Municipal Ward No. 4, Locality No. 7, Residential zone registered before the Registering authority at Kakinada as document No. 9097/79 on 7-12-1979.

S. GOVNIDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

TROP, No. A(F. No.: 1960,—Whereas I, GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing No.

39:1-2, situated at Madhavadara Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Visakhapatnami on 5-12-1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri-Akella (Suryanarayanarao, M.A.B.L. Prop. Surva Industries, Visakhapatnam, residing at Door No. 27 4 48, Maharanipeta, Visakhapatnam.

(Transferor)

(1) M/s. Andhra Piabha Private Limited, Vuayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestide persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of potice, on the respective persons, whichever period expires later:
- (b), by sany other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of his the said.

Act, shall have the same meaning as given in the property of the same meaning as given.

THE SCHEDULE

The property in Visib mutuum Town Visib professor Sub-Registry, in wadhavadhara v vey No. 25/1, Patta No. 19 called Mushidigeddin Thotal Bhumi, an extent of 2 actes 4084, Sq. Yards equal to 4081, hectares and 3416.63 Sq. Mettes out of an extent of 4.02 acres purchased from V. Krishnamurty Gupta and Others under sale deed No. 1246 of 1969 dt. 17-6-1969. The documents was registered by the Sub-Registrar, Visakhapatnam as document No. 8926/79 on 5-12-1979.

S GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assit., Commissioner of Income-taxa
Acquisition, Range, Hyderahad.

Date: 11-8-1980

FORM: ITNS ----

NOTIOE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, (1961) (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF TODIA COMMISSIONER OF THE INSPECTING ASSITE COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE. HYDERABADD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC 1061.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the real of the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

30-15-50, situated at Allipuram of Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908 at 1908

insideration which is less than the fair aforesaid property and I have reason to believe that the fair ingreet value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in frespect of any lincome arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the part Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefores in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri∃Avasarala Venkata Anantha Ramarao, s/o late Seshagirirao, D. 54, IDPL Colony, Hvderabad.

(Transferor)

 Smt. Mutyam Venkata Ramani w/o Satyanarayana, Drawarakanagar, Visakhapatnam-16,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoyable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Terraced house and 825 Sq. Yards of site bearing Door No. 30.15.50, Allipuram and block No. 29 of Municipal Corporation, Visakhapatnam registered by the registering authority at Visakhapatnam as document No. 9189-79 on 14-12-1979.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

Dute: 11-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 1062.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

30.11.2, situated at Mahalakshmi St. of Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 12-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ghanta Venkata Seshayya, s/o Ganta Sanjeevarayulu, Daba Gardens, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) 1. Sri Kesav Deva Sarma, s/o Laxminarayana,

Visakhapatnam.

- Prabhatlal Sarma s/o Eswarlalji, Visakhapatnam.
- Kameswarlal Sarma, Visakhapatnam.
- 4. Mohanlal Sarma of Visakhapatnam. 5. Ramnivas Sarma,
- Namnivas Sarma, Visakhapatnam.Syamsundar Sarma, Visakhapatnam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this unite in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storied building bearing door No. 30-11-2, of Visakhapatnam Municipality, Allipuram Ward Block No. 41 T.S. No. 1452 and asst. No. 24112, which was registered by the registering authority at Visakhapatnam under document No. 9100/79 on 12-12-1979.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. 1063.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 3.19.12 to 15.

situated at Stambalagaruvu of Guntur Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 21-12-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—29—256GI/80

(1) 1. Sri Pallipaga Samuel, s/o Naganna,

Patapattabhipuram, Guntur.

2. Dr. Pallepaga Naveen Chandrasekhar, represented by General Power of Attorney holder, Smt. Pallepaga Nagamani Samuel, Pattapattabhipuram, Guntur.

(Transferors)

(2) India Financial Association of Seventh-day Adventists, rep. by President, E.I. Mathew, s/o Isaiah, Old Pattabhipuram, Guntur-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

THE SCHEDULE

House properties bearing door Nos. 3.19.12, 13.19.13, 3.19.14 and 3.19.15 with Asstt. Nos. 2330 and 3132 and site of 3530 Sq. vards or 2951-53 Sq. Metres of Stambala Garuvu, Nallapadu Sivara or Guntur Taluk in Guntur District, which was registered by the registering authority at Guntur, under document No. 6888/79 on 21-12-1979.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri M. Kondala Rao, s/o Agam Rao, r/o Chilvancha Village, Sircilla Taluk, Karimnagar Dt.

(Transferor)

(2) Sri P. Muralidhar Rao, s/o Narsinga Rao, r/o Mydaram Village, Peddapalli Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 222/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-8-66, situated at Mukarmpur, Karimnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kareemnagar on December, 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 8-8-66 Mukarmpur, Karimnagai having total area 395 sq. yards registered vide document No. 5632/79 with the Sub-Registrar, Kareemnagar.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 223/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-RAIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 6-3-73, situated at Jagatiyal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jagatiyal on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Gourisetty Samba Moorthy, s/o Ramuloo r/o Jagitial.

(Transferor)

 Smt. T. Nirmala Devi w/o T. Rama Rao, c/o Vani Talkies, Jagatial.
 Smt. V. Anasuva Devi, w/o V. Sudarsan Reddy, c/o Annapurna Talkies, Jagatial.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6-3-73 having total area 963 sq. vards, situated at Jagatiyal registered vide Document No. 3831/79 with Sub-Registrar, Jagatial.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC. No. 224/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13/462 to 465, situated at Vevekananda Street, Nandyal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nandyal on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Boggarapu Papajah, 8/0 Bodajah Trader, Nandval Town, Kurnool District.

(Transferor)

 Boggarapu Subba Guruvajah, s/o Pedda Guruvajah, Trader Nandyal Town, Kurnool District,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Mill M/s Nandl Rice Mill at Nandyal Railway Station D. No. 13/462 to 465 Street No. 30 Vevekananda Street, Nandyal Registered vide Document No. 3917/79 with Sub-Registrar, Nandyal.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-8-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 225/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-RAIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13/462 to 465, situated at Vevekananda Street, Nandyal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere's for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Boggarapu Venugopal Chetty, s/o Papaiah, Trader, Nandyal Town, Kurnool District.

(Transferor)

(2) Boggarapu Subba Guruvaiah, s/o Pedda Guruvaiah, Trader, Nandyal Town, Kurnool District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Mill M/s Nandi Rice Mill at Nandyal Railway Station D. No. 13/462 to 465 street No. 30 Vevekananda Street, Nandyal registered vide Document No. 3919/79 with Sub-Registrar, Nandyal.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Boggarapu Subramanyam, s/o Papaiah, Trader, Nandyal Town, Kurnool District.

(Transferor)

(2) Boggarapu Subba Guruvaiah, s/o Pedda Guruvaiah, Trader, Nandyal Town, Kurnool District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 226/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13/462 to 465, situated at Vevekananda Street, Nandyal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nandyal on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Mill \bar{M}/s Nandi Rice Mill at Nandyal Railway Station D. No. 13/462 to 465 street No. 30 Vevekananda Street, Nandyal registered vide Document No. 3918/79 with Sub-Registrar, Nandyal.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 227/80-81.-Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4-2-1068/1, situated at Ramkot, Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pe: cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri B. Raja Mouli s/o Sri B. Ramachandraiah, 4-1-912/3 Parsi Lane Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Srl Ratansi Premji Shah s/o P. M. Shah

 Smt. Man Ben R. Shah w/o R. P. Shah,
 Sri Praful Kumar Ratnansi Shah,
 R. P. Shah, all residing at 23-1-78/1 East Charminar, Hvderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-2-1068/1 Ramkot Sultanbazar, Hyderabad registered vide Document No. 7144/Dec 79 with Sub-Registrar, Hyderabad.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 228/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No. 4-2-1068/2, 3, 4, 5

situated at Ramkot Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register-

ing Officer at

Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri B. Raja Mouli s/o Sri B. Ramachandraiah, 4-1-912/3 Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ratanshi Premji Shah & 2 others S/o P. M. Shah 23-1-78/1 East Charminar Hyderabad. Smt. Mani Ben R. Shah w/o R. P. Shah, Sri Praful Kumar Ratansi Shah, s/o R. P. Shah, Both residing at same address above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgis 4-2-1068/2, 3, 4, 5, situated at Ramkot Sultan Bazar, Hyderabad. Registered vide Document No. 7145/79 with Sub Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-8-1980

 Sri Hiranand B. Bhojwani, GPA Uttam Chand, Prender ghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri J. Laxman Rao, Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1)D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 229/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 42 in 156 to 159,

situated at Penderghast Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30-256GI/80

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later.

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42 in 156 to 159 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2702/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 230/80-81.—Whereas I, SGOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 69 1/16th Portion of land situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Dillu Apartments, No. 4-1-887 Tilak Road, Hyderabad Managing Partner Mrs. Dilawar Banu, w/o K. A. Siddique 8-2-542/4, Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. Amtur Raheem, w/o Late M. A. Hameed, c/o Dillu apartments, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/16th portion of land in S. No 69 at Begumpet registered vide Document No. 7131/79 with sub-registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri A. Venugopala Rao, s/o Satyanarayana Rao, Manager, APSFC, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Katta Suvarna, w/o Dr. K. Jaipal Reddy, Door No. 6-5-77, Bhokatpur, Adilabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 231/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Bldg. No. 9/43A,

situated at Vikasnagar, Gaddiannaram Village, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 9/43A/Vikasnagar, Gaddinnaram Village, Charminar Taluk, Hyderabad Dt. Registered before the SRO, Hyderabad vide document No. 7814/79 during the month December, 1979.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1980

Ref. No. RAC No. 236/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAIAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A5/B3 in 1-7-234 to 241,

situated at S. D. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Arjuna Rai Mehta, s/o Navnithlal Mehta,
 - Ashwin Mehta
 8/0 Navnithlal Mehta,
 Bombay.
 - Ashok Mehta s/o Navnithlal Mehta, Bombay.
 (G.P.A. for 2 & 3 is Sri Arjuna rao Mehta) Ranji Patang Building, Sultan Bazar, Hvderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nandkurvahu w/o Srl Narotham, A-5/3B, IIIrd floor, Chandralok Building, 111, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat A5/B3 in permises No. 1-7-234 to 241, 111 Sarojini Devi Road, Secunderabad registered vide Document No. 2882/70 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1980

Ref. No. 237/80-81.—Whereas I, S.

GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 104, situated at Yellareddyguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri A. M. V. Prasad Rao (H.U.F.) s/o Sri Ramaiah, r/o H. No. 8-2-601 Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s The Kausalya Co-operative Housing Society, Ltd, 8-3-317/1 Yousufguda, Hyderabad. Secretary Sri R. Subba Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Survey No. 104 admeasuring 3 Acres at Yellareddy guda, Hyderabad, registered vide Document No. 2822/79 with Sub-Registrar, Khairatabad,

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-8-1980

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 232/80-81.—Whereas I, S GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 10/1,

situated at Seetharampur Bownepally, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri B. Vijayendra Reddy, s/o late Pulla Reddy, Hasmet pet road, Bownepally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Padma Shali Co-operative Housing Society Ltd., T.A.B. No. 2, represented by President T. Ramachender s/o T. Seshaiah, Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 10/1 area 4840 sq. yards situated at Seetharampur village, Bowncpally Cantonment Secunderabad registered vide Document No. 2691/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 233/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. 10/1,

situated at Seetharampur Bownepally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Secunderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri B. Vijavendra Reddy, s/o Late Pulla Reddy, Hasmet pet Road, Bownepally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Padma Shali Co-operative Housing Society, Ltd. TAB No. 2, represented by President T. Ramachender s/o T. Seshalah, Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 10/1 total area 4840 sq. yards, situated at Seetharampur village, Bownepally, cantonment, Secunderabad registered vide Document No. 2722/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 234/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 10/2,

situated at Seetharampur Bownepally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri B. Vijayander Reddy s/o
Late Pulla Reddy,
Hasmet Pet Road,
Bownepally, Secunderabad.
 Sri B, M. Ram Reddy
s/o B. V. Narasimha Reddy,

Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Padma Shali Co-operative Housing Society Ltd., T.A.B. No. 2. represented by President Shri T, Ramchender s/o T. Seshaiah, Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 10/2, situated at Seetharampur village, Bownepally, cantonment Secunderabad, area 4840 sq. yards registered vide Document No. 2761/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderrhad

Date: 14-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 235/80-81.—Whereas I, S GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 10/2.

situated at Sectharampur Bownepally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Secunderabad on December, 1979 for an apparent consideration

object of :--

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—256GI/80

 Sri B. Vijayender Reddy s/o Late B. Pulla Reddy, Bownepally, Secundorabad.

(Transferor)

(2) The Padma Shali Co-operative Housing Society

TAB No. 2, represented by President Sri T. Ramchender, Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 10/2 area 4840 sq. yards, situated at Seetharampur village, Bownepally, Cantonment, Secunderabad registered vide Document No. 2900/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bungalore-560001, the 10th September 1980

No. 291/80-81.—Whereas, I. R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 101, 59, 69 & 68,

situated at Melhulvathi village, Jagora Hobli, Chickmagalur Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chickmagalur, Document No. 1564/79-80 on 26-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri N. Krishnaswamy, (2) Sri N Manjunatha, (3) Smt. K. N. Scethalakshamma, Coffee Planters, Ratnagiri Road, Chickmagalur Town.

(Transferor)

(2) Shri Ronald Rosario D'Souza, S/o Mr. F. J. D'Souza, Coffee Planter, Resident of Anjelore Estate, Byarawalli and Bagmane Villages, in Avathi Hobli, Chickmagalur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

[Registered Document No. 1564/79-80 dated 26-12-79]

Coffee Estate Commonly known as "Vijaya & Chandragiri Estates" bearing Survey Nos. 101, 59, 69 and 68 in all measuring 59 acres and 16 gunthas situated at Melhulvathi Village, Jagara Hobli, Chickmagalur Taluk.

R. THOTHATHRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-9-1980

4

644

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1981

New Delhi, the 27th September 1980

No. F. 11/1/80-EI(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOBBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, PORTBLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad commencing on 15th March, 1981 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 27th September, 1980

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure-I para 11).

- 2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below:
 - (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers Sub-cadre); [Includes I vacancy reserved for Scheduled Castes candidates].
 - (ii) Railway Board Secretariat Stenographors' Service—Grade C (for inclusion in the Select list of the Grade);
 - (iii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the select list of the Grade);
 - (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C;
 - (v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Scretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service

"Vacancies not intimated by Government.

***Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

- Note.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (cf. para 4 of Appendix 1 to the Rules).
- 4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the result of the written examination.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dhoipur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office, Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE:—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1981 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1981 WILL NOT BE ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Dolhi-110011, by post or by personal delivery at the counter on or before the 24th November, 1980 (8th December, 1980 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghadaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of 1 & K State, from a date prior to 24th November, 1980) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunathal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim in Ladakh Division of J&K State, may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicohar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Aruna-chal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkum and in Ladakh Division of J&K State, from a date prior to 24th November. 1980.

7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union

Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission-Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.

8. The Commisson may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former-Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 24th November, 1980, and

- (i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or in-efficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (ii) has to serve for not more than six months as on 24th November, 1980, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.
- 9. A refund of Rs. 3.00 (Re. 1.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 10. If any candidate who took the Stenographers Examination held in 1980 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1980 Examination, his candidature for the 1981 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 15th February, 1981.
- 11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at

Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "candidates Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangement for holding such tests are available.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

NOTE.—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 9 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON ESSAY AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 4 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE TION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS INAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.

- (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form & the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable [See para 5(b) below].
- (vii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled in.
- (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cm₈ × 27.5 cm₈.

Note.—Candidates are required to submit along with Their applications only copies of certificates mentioned in Items (ii), (iii), (v) and (vi) above, attested by a gazetied officer of government or certified by candidates themselves as correct. Candidates who qualify for shorthand tests on the results of the written examination will be required to submit the originals of the certificates mentioned above soon after the declaration of the results of the written examination. The written examination. The results are likely to be declared in the month of June, 1981. Candidates should keep these certificates in readiness and submit them to the commission soon after the declaration of the result of the written examination, the candidature of candidates who fail to submit the required certificates in original at that time will be cancelled and the candidates will have no claim for further consideration.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office,"

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certifi-

cate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University.

A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate. No other evidence of age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, etc. will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Seondary Examination on Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL LEAVING CERTIFICATE NEED SUBMIT AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF ONLY THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2,—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

Note 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo Inernational Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must, submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3(iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

Note 4.—In the case of candidates who are nlready in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications.

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

Note 2.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

Note 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned.

The form of certificate to be produced by the candidate, lcf; Note 3 under para 3(ii) and Note 3 above].

This is to certify that

- (1) Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of Shri has passed class of this school which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic*.
- (2) His/Her" date of birth as recorded in the Admission Register of this School is

 This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her* admission to the school*.

(Signature of Headmaster/Principal*)

(Name of the School)

Place Place

- *Strike out whichever is not applicable.
- (iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5cm.×7cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

State/Union Territory*______belong to the ______ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under: ___

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950%

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950"

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951".

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh), Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

Signature †Designation (with seal of office)
State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

Note—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

†Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/**Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/ Extra Assistant Commissioner.
 - **(Not below the rank of 1st Class Stipendlary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the condidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
- 5. (a) Stenographers (including language Stenographers) Clerks/Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B) should submit a certificate in original from the Head of their Department/Office in the following form:—

(i) Certified that Shri/Shrimati/Kumari
is a regularly appointed Stenographer employed
in the Office of
ment/Office of the Government of India/Union Territory* of
and has rendered/would render no
less than 3 years continuous Service as Stenographer/Clerk/
Stenotypist/R.M.S. Sorter* on 1st January, 1980 and conti
nues/would continue to be employed as a Stenographer.

Certified further that he/she* has not been appointed on the results of an earlier examination held by the Union Public Service Commission in CSSS/RBSSS/IFSB Stenographers' Sub-Cadre/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.**

(ii) Certified that Shri/Shrimati/Kumari
R.M.S. Sorter employed in the Office of the
which is a Department/Office of the Government of India/
Union Territory" of and has rendered/would render not less than 3 years' continuous service as a
Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter/Stenographers* on 1st
January, 1981 and continues/would continue to be employed
as a Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter*.

No		
Place		
	Signature	
	Designation-	
	Ministry /Office—————	
	Office Stamp	

*Strike out whichever is not applicable.

- (b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(C) (ii) or 6(C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January. 1964 and 25th March. 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(C)(iv) or 6(C)(v) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A candidate who has migrated from Konya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C)(vii) or 6(C)(viii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C)(ix) or 6(C)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Cortifled that Rank	No. ———— Shri	
of Unit —	was disabled while	e in the Defence
Sérvices, in operations	during hostilities with	a foreign coun-
try/in a disturbed area		
disability.		
•		

Sign	a	tı	11	e	٠.			,			•		,	
Des	ig	u	a	ti	o	n				,	,			
Date														

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(C)(xi) or 6(C) (xii) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Directorate General Border Security Force. Ministry of Home Affairs, 1.3 show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified	that Rank No.		- Shri	
of Unit -		was disabled	while in the	Border
	orce in operation			ties of
1971 and	was released as a	a result of suc	h disability.	

Signature	
Designation	
Date	

- (vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(C)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (viii) An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b) (i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver cligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Fallure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlet containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publication, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C Block' Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi 110001 and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various reconstill towns.

- 13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 14. Communications regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—Communications not containing the above particulars may not be attended to.
- N.B. (ii)—If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon.
- 15. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

[For General English and General Knowledge only]

OBJECTIVE TEST

The question papers on General English and General Knowledge will be of objective type—multiple choice answers. In this kind of test you do not write detailed answers. For each question (here-in after referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (here-in after referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the test so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of test.

NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3—etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response if you select more than one, your answer will be considered wrong.

METHOD OF ANSWERING

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e, are printed. After you have read each

item in the Test Booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with the pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is important that-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- If you have made a wrong mark, crase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

SOME IMPORTANT RULES

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer spect to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERLY PENALIZED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. Write clearly in ink the name of the examination/test your Roll No., centre, subject and date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an H.B. pencil, a pencil sharpener, an eraser and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which noting should be written. You are not allowed to bring any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall, as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work

on demand. You should write the name of examination/test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test.

SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal scores. Answer all the items. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to open the test booklet until you are asked by the Supervisor to open it.

CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop.

Remain in your scat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet, the answer sheet and sheets for rough work out of the examination hall.

I. GENERAL ENGLISH

GRAMMAR

(a) Detecting Errors :--

Directions:

In this section you must spot errors in sentences. Read each sentence to find out whether there is an arror in any underlined part. Errors, if any, are only in the underlined parts. No sentence has more than one error. Letters a, b, c, d and e have been placed beneath the underlined parts for their identification. When you find an error in any one of the underlined parts (a, b, c, or d) indicate your response on the separate answer sheet in the relevant column. You may feel that there is no error in the sentence. In that case, letter e will signify a 'No error' response, Examples 1 & 2 have been solved for you.

1. He spoke bluntly and angrily to we spectators. No

error

2. A stadium and a swimming pool are going to be

built on the new campus. No error

Explanation—In question No. 1, the word "we" is wrong. The letter under this part is "C". So "c" is the correct answer.

In question No. 2, the sentence is correct. Therefore, "e" is the correct response.

(b) Correcting error:

Directions

Look at the underlined part of each sentence. Below each sentence are given four possible substitutions for the underlined part. If one of them is better than the under-lined part then indicate the letter of your response on the Answer Sheet. If none of the substitutions improve the sentence, then mark the rectangle with letter "e" on your Answer Sheet. Examples 3 and 4 have been solved for you.

- 3. A candle flame glares at the slightest breath of air.
 - (a) Sparkles
 - (b) Flickers
 - (c) Shines
 - (d) Glistens
 - (e) No change
- 4. The fruits which he took from the bazar has made him very sick.
 - (a) Could made him
 - (b) Caused him
 - (c) Could have made him
 - (d) Shall cause him
 - (e) No change

COMPREHENSION

Directions

In this part you have short passages. After each passage, you will find some questions based on what is stated or implied in the passage. First read a passage, and then answer the questions following that passage. Then go on to the next passage. While answering the questions you can look back at the passage as often as you like. Example 5 and 6 are solved for you.

Passage

At three in the morning the air-field becomes active. The lights are switched on along the runway. The motor-coach arrives with the outgoing passengers, some still dressed for the heat of Africa, some already sweating in their London suits. One or two men who had been lounging about in rather shabby shorts reappear in the hall wearing smart caps and tunics. Thereby the weedy little man who weighs the passenger's luggage reveals that he has had distinguished service in the Army. And thereby the willowy and supercillous young fellow who has been playing dice with Harry the barman turns out to be the Customs Officer.

(Adopted from "THE NEW STATESMAN")

- (5) Who is the weedy little man?
 - (a) Soldier
 - (b) Consumptive
 - (c) African
 - (d) Passenger
 - 6. The Customs Officer is:
 - (a) Harry the barman
 - (b) Supercilious young fellow
 - (c) Weedy little man
 - (d) A man in shabby shorts.

CLAZE TEST

Passage

Electricity is such a part of (7) everyday lives and so much taken (8) granted now-a-days that we rarely think (9) when we switch on the light (10) turn on the radio.

Questions

Choose the most appropriate from among the following words which could fill the numbered gaps in the above passage.

- (7) (a) his
 - (b) our
 - (c) my
- (8) (a) for
 - (b) at
 - (c) by
- (9) (a) only
 - (b) at
 - (c) twice
- (10) (a) to
 - (b) or
 - (c) for

ANSWER KEY

QUESTION	ANSWER
7.	(a)
8.	(b)
9.	(c)
10	(b)

VOCABULARY

(a) Similar words

Directions:—Each question consists of a word or phrase, followed by four words or phrases. Choose the correct word or phrase from the alternatives given, which is most nearly the same, in meaning, as the original word or phrase. For example.

11. boycott

- (a) to accuse of wrongdoing
- (b) withdraw from
- (c) refuse to deal with
- (d) keep silence

12. Integrity

- (a) good judgment
- (b) benevolence
- (c) honesty
- (d) fearlessness

(b) Opposite words

Directions—In this section you are to choose the word or phrase which is most nearly opposite to the meaning of the first word or phrase.

13. Day

- (a) Year
- (b) month
- (c) hour
- (d) night

Explanation—The opposite of the day is night, so letter (d) is the correct response.

2. GENERAL KNOWLEDGE

- 1. The sub-centred theory of the Universe was developed by
 - (a) Galileo
 - (b) Ptolemy
 - (c) Newton
 - (d) Copernicus

- 2. Which one of the following is not an organ of UNO?
 - (a) Security Council
 - (b) Trusteeship Council
 - (c) International Monetary Fund
 - (d) International Court of Justice.
- 3. Which one of the following causes is NOT responsible for the downfall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Asoka were all weak
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan
- 4. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive
 - (c) the Executive is responsible to the legislature
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.



					2
	•				
		• 1		•	